जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 34 संख्याः 112 प्रभात अजमेर, बुधवार, 26 नवम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस का संगठन क्यों चरमरा गया यू.पी. में, बिहार में?

इसका जवाब ढूंढने में ज्यादा मेहनत की जरुरत नहीं है, राजस्थान में नए जिलाध्यक्षों का चयन, इस पतन की कहानी समझने-समझाने के लिए पर्याप्त है

- रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवंबर। के. सी. वेणुगोपाल के संरक्षण में और एआईसीसी प्रभारी रंधावा की सक्रिय भूमिका के साथ, राजस्थान कांग्रेस ने उस उदयपुर घोषणा पत्र को पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर दिया है, जिसे बड़े धूमधाम से इसलिए जारी किया गया था कि कांग्रेस पार्टी के कामकाज में सुधार लाने के लिए नई गाइडलाइंस लागू हों।

जिले के अध्यक्षों की नियुक्ति में सभी नियमों और तय प्रक्रियाओं की अनदेखी की गई और पूरे काम को एक मज़ाक बना दिया गया।

अजमेर ग्रामीण से विकास चौधरी, जो आरएसएस पृष्ठभूमि से आते हैं, उन्हें पार्टी में शामिल किया गया, विधानसभा चुनाव का टिकट दिया गया, वे विधायक बने और अब उन्हें ज़िला अध्यक्ष बना दिया गया है। चौधरी उन 12 विधायकों में से एक हैं, जिन्हें ज़िला अध्यक्ष बनाया गया है, किन्तु उदयपुर घोषणा में तय 5 साल की कूलिंग ऑफ़ अवधि का पालन किए बिना।

- उदाहरण के लिए, अजमेर में आरएसएस पृष्ठभूमि के विकास चौधरी को नया जिलाध्यक्ष बनया है, कांग्रेस ने।
- चित्तौड़गढ़ में नया जिलाध्यक्ष उसे बनया गया है, जिसे कांग्रेस से निष्काशित किया हुआ है तथा जिसकी विवादित पृष्ठभूमि पुलिस थानों के रिकॉर्ड में अच्छी तरह अंकित है।
- हनुमानगढ़ में, उस व्यक्ति को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो अभी कुछ समय पूर्व तक आम आदमी पार्टी का पदाधिकारी था।
- नीम का थाना में, वह आदमी नया जिलाध्यक्ष बनाया गया है, जिसे सरकारी नौकरी से रिटायर हुए अभी एक साल भी नहीं हुआ।
- जहाँ तक, नए खून को बढ़ावा देने के प्रयास का सवाल है, डीडवाना में उसी आदमी को नया जिलाध्यक्ष घोषित किया गया है, जो आठ साल से जिलाध्यक्ष है। दौसा में भी उस आदमी को नया जिलाध्यक्ष बनाया गया है, जो 15 साल से जिलाध्यक्ष चला आ रहा है।
- ऐसी अजीबोगरीब नियुक्तियाँ, एक दो नहीं, कई हैं।
- इन कारनामों से क्या कांग्रेस संगठन की जड़ें मजबूत होंगी, राजस्थान में।
- साथ ही ऐसी कहानी, यू.पी., बिहार, मध्य प्रदेश में भी होती आई है। अतः, संगठन की जर्जर अवस्था समझना कोई कठिन काम नहीं है।

पर्यवेक्षकों की सलाह के खिलाफ जाकर पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा ने प्रमोद सिसोदिया को ज़िला अध्यक्ष बनाया है। उन पर चित्तौड़गढ़ का हिस्ट्रीशीटर होने का आरोप है और उन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बयान होने से पहले सरकारी गवाह बने आरोपी को जमानत नहीं

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मानव अंग तस्करी और किडनी प्रत्यारोपण से जुड़े एक मामले में कहा है कि सरकारी गवाह बने आरोपी को तब तक जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता, जब तक कि निचली अदालत में उसके बयान दर्ज नहीं हुए हों। इसके साथ ही, अदालत ने मामले

- हाई कोर्ट ने किडनी प्रत्यारोपण मामले में बाँग्लादेश निवासी नुरूल इस्लाम पर निर्देश दिए।

में निचली अदालत को कहा कि वह चार सप्ताह में आरोपियों पर चार्ज फ्रेम करने के संबंध में निर्णय ले। वहीं, चार्ज फ्रेम होने की स्थिति में सबसे पहले याचिकाकर्ताओं के बयान दर्ज करे। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को छूट दी है कि वे निचली अदालत में बयान दर्ज होने के बाद हाईकोर्ट में जमानत याचिका पेश कर सकते हैं। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने ये आदेश बांग्लादेश निवासी नुरूल इस्लाम व एक अन्य की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और जल्दी सुनवाई का मौलिक अधिकार नागरिकों के साथ-साथ विदेशियों को भी प्राप्त है। अदालत ने कहा कि न्याय में देरी पीड़ित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अगर एक भी मुसलमान का नाम कटा तो मैं दिल्ली की सरकार का पत्ता कटवा दूँगी'

मुस्लिम (बाँग्लादेशी) वोट बैंक की नाराज़गी को बढ़ने से रोकने के लिए हताश ममता बनर्जी ने नए-नए वादे देने शुरु किए

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। ममता बनर्जी पर मुस्लिम समुदाय का गुस्सा बढ रहा है, क्योंकि वे चुनाव आयोग की एस आई आर प्रक्रिया को रोकने में नाकाम रही हैं। इस नाराज़गी के बीच अब मुख्यमंत्री ने केन्द्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ सीधी लड़ाई छेड़ दी है।

आज एक सार्वजनिक सभा में उन्होंने राज्य के मुसलमानों को सीधे संबोधित करते हुए कहा कि अगर उनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए, तो वे यह सुनिश्चित करेंगी कि (भाजपा की) केन्द्र सरकार भी हटा दी जाए। उन्होंने केन्द्र के खिलाफ सीधे कदम उठाने की धमकी दी है।

उनकी मुख्य नाराज़गी यह है कि एस आई आर प्रक्रिया अगले साल होने वाले राज्य चुनावों से पहले क्यों चलाई जा जा रही है। वे अब मांग कर रही हैं कि एस आई आर का काम दो-तीन

- जैसा कि विदित ही है, मुस्लिम (बाँग्लादेशी) वोट बैंक नाराज़ है, ममता बनर्जी से, क्योंकि ममता बनर्जी एसआईआर प्रक्रिया रूकवा नहीं पाईं, जैसा कि उन्होंने वादा किया था। एसआईआर में नाम कटने के डर से बाँग्लादेशी वापस बाँग्लादेश जाने लगे है, भारी संख्या में।
- ममता बनर्जी ने एक नया नारा दिया, ''आई लव बाँग्लादेश'', फिर, क्योंकि बाँग्लादेश में ममता जी के लिए ज्यादा ममता नहीं, उन्होंने नारा बदला और कहना शुरु किया, बाँग्लादेश के लिए मेरा प्रेम बाँग्ला भाषा के कारण है।
- पर, सभी नारों के बावजूद, बात कुछ बन नहीं रही, मुस्लिम (बाँग्लादेश) वोट बैंक धीरे-धीरे खिसक रहा है और ममता बनर्जी की हताशा बढ़ती जा रही है।

वर्षों तक चले, ताकि अगला चुनाव निपट जाए।

असल में, वे सत्ता में और मुख्यमंत्री के पद पर बनी रहना चाहती हैं। लेकिन अब हालात उनके लिए तूफ़ानी हो गए हैं और एस आई आर पूरा होने पर, उन्हें खतरा साफ-साफ दिख

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मौसम विभाग ने कुछ सांत्वना दी दिल्ली निवासियों को

मौसम विभाग के अनुसार, इथोपिया में ज्वालामुखी फटने से उत्पन्न सल्फर डाइऑक्साइड व चट्टानों के पार्टिकल्स के बादल से दिल्ली पर न्यूनतम असर होगा, प्रदूषण की दृष्टि से

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवंबर। पहले से ही खतरनाक वायु गुणवत्ता के कारण सांस लेने में मुश्किल झेल रहे दिल्लीवासियों को सोमवार को एक और पर्यावरणीय चुनौती का सामना करना पड़ा, जो एक असामान्य कारण से आ खड़ी हुई है।

इथियोपिया में हुए एक दुर्लभ ज्वालामुखी विस्फोट से उठे सल्फर डाइऑक्साइड और बारीक चट्टानी कणों से भरे घने राख के बादल रविवार रात दिल्ली तक पहुंच गए, जिससे यह आशंका बढ़ गई कि राजधानी के ए.क्यू.आई. लैवल पर खतरनाक असर पड़ सकता है।

दिल्ली और आसपास के शहर बीते दिनों से जहरीली हवा से जूझ रहे हैं। मंगलवार को दिल्ली का ए.क्यू.आई.

- यह बादल इतनी ऊँचाई पर है कि वह गुजरात, राजस्थान होता हुआ, दिल्ली व पंजाब पहुँचेगा तथा चीन की ओर बढ़ेगा, पर, उसका असर रास्ते में पड़ रहे शहर पर नहीं पड़ेगा। लेकिन, हवाई यात्राएँ जरूर प्रभावित होगी।

382 दर्ज हुआ, जबकि गाजियाबाद में 396, नोएडा में 397 और ग्रेटर नोएडा में 382 रहा। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, ए.क्यू.आई. 400 से ऊपर ''गंभीर'' श्रेणी में आता है।

दिल्ली में सरकारी ऑफिस और प्राइवेट संस्थान सोमवार को लागू किए गए स्टेज-3 ग्रैप के तहत 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में चिंता जताई गई कि दिल्ली-एनसीआर में लगभग 37 प्रतिशत वाहन पुराने बी.एल.1 और बी.एस.3 उत्सर्जन मानकों का पालन करते हैं। अधिकारियों को इस पर तत्काल सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

दिल्लीवासियों के लिए थोड़ी राहत यह है कि मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इथियोपिया की ज्वालामुखीय राख ऊपरी वायुमंडल में यात्रा कर रही है और इसका सतह के स्तर पर खास असर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लॉरेंस बिश्नोई के नाम की जैकेट बेचते तीन गिरफ्तार

जयपुर, 25 नवंबर। कोटपूतली पुलिस की टीम ने कस्बे में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम का महिमामंडन करने वाली वस्तुएं बेचने वाले लोगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

कोठपुतली-बहरोड़ एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि

- कोटपूतली पुलिस ने गैंगस्टर को महिमामंडित करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की।

कोटपूतली के सिटी प्लाजा से लॉरेंस बिश्नोई के नाम का प्रचार करने वाली जैकेट बेचते हुए कृष्ण उर्फ गुड्डू (38), संजय सैनी (31) और सुरेशचन्द शर्मा (50) को गिरफ्तार किया गया है। ये तीनों ही कोटपूतली क्षेत्र के निवासी हैं। इन गिरफ्तार आरोपितों के पास से 35 जैकेट जब्त की गई हैं।

भाजपा महाराष्ट्र का अनुभव कर्नाटक में दोहराने को तैयार है

भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह आदि डी.के. शिवकुमार से संपर्क में हैं तथा अगर वे कांग्रेस छोड़कर, अपनी सरकार बनाना चाहते हैं तो भाजपा अपने 82 विधायकों के साथ, उस सरकार को बाहर से समर्थन दे देगी

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। कर्नाटक में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार एक बार फिर उथल-पुथल का सामना कर रही है, क्योंकि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एक बार फिर मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा पेश किया है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह दावा मई-जून 2023 में शिवकुमार और राहुल गांधी के बीच हुई एक सहमति से आया है, जिसके मुताबिक पांच साल के कार्यकाल को सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच बांटा जाना था।

पिछले हफ्तों में दोनों नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से बेंगलुरु

- इस चर्चा ने जोर इसलिए पकड़ा, क्योंकि डी.के. शिवकुमार कुछ नाखुश से हैं कांग्रेस से, क्योंकि पुराने वादे के अनुसार, नवंबर से उनका मु.मंत्री बनने का वादा पूरा नहीं कर रहा, कांग्रेस का हाईकमान।
- कांग्रेस नये-नये बहाने ढूंढ रही है, शिवकुमार को मु.मंत्री न बनाने के लिए। नवीनतम बहाना यह है कि कांग्रेस हाईकमान शीघ्र शुरु होने वाले संसद के सत्र की तैयारी में व्यस्त है तथा सत्र के बाद कर्नाटक के मसले पर गहराई से विचार होगा।

और दिल्ली में अलग-अलग मीटिंग की हैं। लेकिन, कांग्रेस के शीर्ष सूत्रों का कहना है कि हाईकमान सिद्धारमैया को पूरा कार्यकाल देने के पक्ष में है और फिलहाल नेतृत्व परिवर्तन का कोई विचार नहीं है।

तथापि, शिवकुमार पार्टी नेतृत्व को पहले किए गए पावर शेयरिंग कमिटमैंट की याद दिला रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि काफी संख्या में विधायक उनके प्रमोशन के समर्थन में हैं। जून 2023 में भी उन्होंने अधिकांश विधायकों का समर्थन होने की बात कही थी, हालांकि बाद में राहुल गांधी के समझाने पर वे नरम पड़ गये थे और उन्होंने गांधी की, ''सही समय का इंतजार'' करने की बात मान ली थी।

इस नई राजनीतिक हलचल के बीच, लगभग 25 कांग्रेस विधायक, जो शिवकुमार के करीबी माने जाते हैं, इन दिनों दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। कांग्रेस सूत्र इस घटनाक्रम को कम महत्व देते हुए कह रहे हैं कि ये विधायक नेतृत्व परिवर्तन के लिए दबाव नहीं डाल रहे, बल्कि लंबे समय से लंबित मंत्री पदों की मांग कर रहे हैं, जिस पर सन्निकट कैबिनेट विस्तार के समय विचार किया जा सकता है।

इसी बीच, भाजपा इस पूरे घटनाक्रम पर कड़ी नजर रखे हुए है। पिछले कुछ दिनों से पार्टी के भीतर राजनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आईटी से जुड़े पॉक्सो मामलों की जाँच जूनियर अधिकारी से क्यों'

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को 2 दिसंबर को तलब कर पूछा है कि पॉक्सो अपराध से जुड़े जिन मामलों में आईटी एक्ट का अपराध शामिल होता है, उन मामलों की जांच पुलिस निरीक्षक स्तर

- हाई कोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को 2 दिसंबर को जवाब देने के निर्देश दिए।

के निचले अधिकारियों से कैसे कराई जा रही है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश नितिन सैनी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत के सामने आया कि पॉक्सो से जुड़े इस अपराध में पीड़िता का वीडियो भी वायरल हुआ था और मामले की जांच पुलिस उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने सेना में कार्यरत ईसाई अफसर की बर्खास्तगी को जायज माना

उक्त अफसर ने सेना सर्वधर्म स्थल में प्रवेश करने से मना कर दिया था, हालांकि, उसके वरिष्ठ अधिकारी ने धर्म स्थल में जाकर, पूजा कराने के लिए स्पष्ट आदेश दिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसमें एक ईसाई भारतीय सेना अधिकारी की सेवा समाप्ति को सही ठहराया गया था। अधिकारी पर आरोप था कि उन्होंने अपने एकेश्वरवादी (सिर्फ एक ईश्वर में विश्वास) धार्मिक विचारों का हवाला देते हुए रेजीमेंट के ''सर्व धर्म स्थल'' में प्रवेश करने से इनकार कर दिया था। यह स्थल सभी धर्मों का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व करता है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने 30 मई के अपने आदेश में सैमुअल कमलेसन की बर्खास्तगी को सही बताते हुए कहा था कि किसी वरिष्ठ के वैध आदेश से ऊपर धर्म को रखना स्पष्ट रूप से अनुशासनहीनता है।

मंगलवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की बेंच ने कहा कि कमलेसन का व्यवहार एक आर्मी अधिकारी द्वारा की गई सबसे गंभीर अनुशासनहीनता है। बेंच ने कहा, ''हमने याचिकाकर्ता के वकील को पूरी तरह सुना। हमें हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने का कोई कारण नहीं दिखता। यह याचिका खारिज की जाती है।''

बेंच ने कहा कि वे कई मामलों में बेहतरीन अधिकारी हो सकते हैं, लेकिन भारतीय सेना के लिए, जो अनुशासन

- न्यायालय ने अफसर के इस कृत्य को ''भारी अनुशासनहीनता'' माना और अफसर को भारतीय सेना के लिए अनुपयुक्त माना तथा बर्खास्तगी के आदेश को सही करार दिया।

और धर्मनिरपेक्षता के लिए जानी जाती है, वे बिल्कुल उपयुक्त नहीं हैं।

उन्होंने कहा, ''गर्भ गृह में प्रवेश करना मेरी आस्था के खिलाफ है। ऐसा नहीं है कि जब आप आर्मी में शामिल होते हैं तो आप अपने आस्था के निशान खो देते हैं'', उन्होंने आगे कहा, ''किसी को प्रॉब्लम नहीं थी, सिर्फ एक को थी।''

तथापि, न्यायमूर्ति कांत ने इसे सेना अधिकारी द्वारा की गई बेहद गंभीर अनुशासनहीनता बताया। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि एक पादरी ने भी कमलेसन को समझाया था कि सर्व धर्म स्थल में प्रवेश करने में कोई धार्मिक बाधा नहीं है, लेकिन फिर भी उन्होंने अपनी निजी व्याख्या को प्राथमिकता दी। अगर पादरी, जो आपकी आस्था के हैड हैं, कहते हैं कि इससे आपके विश्वास की जरूरी बातों पर कोई असर नहीं पड़ता, तो क्या मानने वाले की पर्सनल समझ यूनीक होगी, या पादरी का नज़रिया ओवरराइड करेगा।

कमलेसन के वकील शंकर नारायण ने कहा कि पादरी से हुई बातचीत सिर्फ सर्व धर्म स्थल को लेकर थी, मंदिर या गुरुद्वारे को लेकर नहीं।

न्यायमूर्ति बागची ने कहा, ''वह सर्व धर्म स्थल है'', लेकिन वकील ने इससे इनकार किया।

न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि जो अधिकारी सैनिकों का नेतृत्व करते हैं, उन्हें मिसाल कायम करनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''आप ग्रुप लीडर हैं। आपकी टीम में सिख सैनिक हैं, इसलिए वहाँ गुरुद्वारा है, ... गुरुद्वारा सबसे धर्मनिरपेक्ष स्थलों में से एक है। जिस तरह से वे व्यवहार कर रहे हैं, क्या वह अपने ही सैनिकों का अपमान नहीं है? हमें यह भी हैरानी है कि वे अपने पादरी की सलाह भी नहीं मान रहे।''

वकील ने कहा कि ऑफिसर एक मंदिर में भी गया था और त्योहारों में भी शामिल हुआ था। उन्होंने कहा, ''आज भी मैं वहां जाने को तैयार हूं, लेकिन समारोह कराने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कमांडेंट बार-बार कह रहे थे कि मुझे पवित्र स्थल के अंदर जाकर पूजा की रस्में करनी होंगी। मेरे प्रोटेस्टेंट एकेश्वरवादी विश्वास में ऐसा करना उचित नहीं। संविधान मुझे इतनी स्वतंत्रता देता है।''

न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि अधिकारी ने अपने जवाब में स्वीकार किया था कि अन्य ईसाई अधिकारियों ने भी कहा, ''प्लीज़ कर दीजिए, इसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार विधान सभा का पहला सत्र 1 दिसंबर से

पटना, 25 नवंबर। बिहार विधानसभा का पहला सत्र, हाल ही में संपन्न हुए चुनाव के बाद एक दिसंबर से प्रारंभ होगा।

बिहार विधानसभा सचिवालय के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार,

- दूसरे दिन विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा।

विधानसभा सत्र के पहले दिन नव-निर्वाचित विधायकों को प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव शपथ दिलायेंगे।

पहले दिन की कार्यवाही के बाद 2 दिसंबर को विधानसभा के नये अध्यक्ष का चुनाव सदन के सदस्यों द्वारा किया जायेगा, जिसके बाद सदन नियमित रूप से कामकाज करना शुरू कर देगा।

इसके बाद 3 दिसंबर को बिहार के राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान, बिहार विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करेंगे। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद उसी दिन सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

लोगों की समझ शक्ति के मुताबिक उपदेश देना चाहिए। –हदीस

केवल जीडीपी की वृद्धि सभी के चेहरों पर मुस्कान नहीं लाती

अर्थशास्त्र के सिद्धांत में आर्थिक वृद्धि को विकास का पर्याय मानने की एक सामान्य अवधारणा बनी हुई है। लेकिन कुछ प्रमुख अर्थशास्त्री इस अवधारणा को मूलत: गलत मानते हैं। वे कहते हैं कि इस अवधारणा में आर्थिक विकास से जुड़ी लागतों, विशेष रूप से प्राकृतिक संसाधनों के ह्रास और इससे उत्पन्न प्रदूषण, की अनदेखी की जाती है। आर्थिक वृद्धि को विकास मान लेने की अवधारणा को सबसे बड़ी चुनौती अर्थशास्त्री हरमन डेली ने दी थी। लेकिन इस अर्थशास्त्री को उसके सिद्धांतों के लिए आर्थिक जगत के स्थापित विद्वानों ने विधर्मी करार दिया और पारंपरिक अर्थशास्त्रियों ने उन्हें नज़रअंदाज़ किया। हालांकि, उनके कई अनुयायी भी थे जो जलवायु परिवर्तन के बढ़ते हानिकारक प्रभावों और उससे निपटने के लिए आवश्यक भारी धनराशि की भविष्यवाणी करने वाला भविष्यवक्ता मानते थे। इस अर्थशास्त्री ने समझाया कि जब विकास की लागत उसके लाभों से अधिक हो जाती है, तो वह घाटे का सौदा हो जाती है। अर्थव्यवस्था पृथ्वी के जीवमंडल से अलग नहीं, बल्कि उसके भीतर मौजूद होती है और इसका पैमाना सीमित प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर करता है। विकास की मौजूदा अवधारणा को चुनौती देने वाले अर्थशास्त्री राजनेताओं, सरकारों और अन्य अर्थशास्त्रियों से आठाह करते रहे हैं कि वे विकास के अथक प्रयास को त्यागकर स्थिर अवस्था वाली ऐसी अर्थव्यवस्था अपनाएं जो मानव जीवन को सहारा देने और पर्यावरण के संरक्षण के बीच एक संतुलन बना कर रख सके। इसके लिए वे जीडीपी को "सतत आर्थिक कल्याण सूचकांक" जैसे मैट्रिक्स से बदलने की हिमायत करते हैं, जिसमें न केवल उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य का, बल्कि इस प्रक्रिया में हुए पारिस्थितिक नुकसान का भी हिसाब लगाया जाए। आज की वैश्विक व्यवस्था में किसी देश की प्रगति का सबसे बड़ा मापदंड उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) या आर्थिक वृद्धि दर को माना जाता है। जब भी किसी देश की जीडीपी बढ़ती है, यह माना जाता है कि वह देश विकास की राह पर है। लेकिन क्या सचमुच केवल आर्थिक वृद्धि ही विकास का पर्याय है? क्या उच्च वृद्धि दर का अर्थ यह है कि समाज का हर वर्ग खुशहाल और सशक्त है? इस प्रश्न का उत्तर निश्चय ही नहीं में ही है। विकास का वास्तविक अर्थ केवल उत्पादन या धन में वृद्धि नहीं, बल्कि मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार से भी है। यदि आर्थिक वृद्धि के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, समानता, पर्यावरण संतुलन और सामाजिक न्याय जैसे पहलुओं की अनदेखी हो, तो वह विकास नहीं, बल्कि एकतरफा प्रगति कही जाएगी। इसलिए कह सकते हैं कि मात्र आर्थिक वृद्धि विकास का पैमाना नहीं हो सकती। आर्थिक वृद्धि तो एक मात्रात्मक अवधारणा है जो केवल यह दर्शाती है कि किसी देश की अर्थव्यवस्था ने एक निश्चित अवधि में कितना अधिक उत्पादन किया। यह आंकड़ा जीडीपी या राष्ट्रीय आय के रूप में सामने आता है। जबकि विकास एक गुणात्मक अवधारणा है, जिसमें जीवन स्तर, शिक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, पर्यावरण संरक्षण, रोजगार के अवसर और सामाजिक सुरक्षा जैसी बातें शामिल होती हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी देश की जीडीपी दस प्रतिशत की दर से बढ़ रही हो, लेकिन उसके नागरिकों को शुद्ध पेयजल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हों, तो उस देश को विकसित नहीं कहा जा सकता।

भारत आज विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर लगभग सात प्रतिशत रही, जो कई विकसित देशों से अधिक है। फिर भी, संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक में भारत की रैंक 2024 में 134वें स्थान पर रही। यह विरोधाभास स्पष्ट करता है कि वृद्धि और विकास दो अलग बातें हैं। भारत में शिक्षा की स्थिति पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि यहां साक्षरता दर बढ़ी है, लेकिन सामान्य जनों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब भी दूर की कौड़ी है। सरकारी विद्यालयों की हालत, शिक्षक-छात्र अनुपात, और डिजिटल शिक्षा तक असमान पहुंच, ठाामीण और शहरी भारत के बीच गहरी खाई स्पष्ट नजर आती है। यदि शिक्षा प्रणाली बच्चों में कौशल, सोच और रोजगार क्षमता विकसित नहीं करती, तो आर्थिक वृद्धि के बावजूद बेरोज़गारी बढ़ती रहेगी। इसी प्रकार स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता भी सामने आती है। हमारे देश में प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय विश्व औसत से बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों की कमी, डॉक्टरों की अनुपलब्धता और महंगे निजी इलाज आम नागरिक को विकास के लाभों से दूर करते हैं। गरीबी और असमानता का मुद्दा भी प्रमुख है। नीति आयोग की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में गरीबी दर में गिरावट आई है, परंतु लोगों के बीच आय की असमानता तेजी से बढ़ी है। ऑक्सफैम रिपोर्ट 2022 के मुताबिक, भारत के शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के पास देश की 70 प्रतिशत संपत्ति केंद्रित है, जबकि सबसे निचले 50 प्रतिशत लोगों के पास मात्र 3 प्रतिशत संपत्ति है। ऐसी विषमता वाली अर्थव्यवस्था भले ही ऊपर से समृद्ध दिखे, लेकिन वह समाज को स्थिरता नहीं दे सकती। दुनिया के अन्य देशों के भी उदाहरण हमारे सामने हैं जब आर्थिक वृद्धि से विकास नहीं आया। चीन ने बीते तीन दशकों में असाधारण आर्थिक वृद्धि हासिल की। करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकले, लेकिन इसी के साथ वहां पर्यावरण प्रदूषण, श्रमिक शोषण और मानसिक स्वास्थ्य जैसी समस्याएं बढ़ीं। आज चीन के कई शहरों में प्रदूषण का स्तर जीवन के लिए खतरा बन चुका है। यह दिखाता है कि तेज़ आर्थिक वृद्धि के साथ पर्यावरण और मानव जीवन की गुणवत्ता का संतुलन न बने तो विकास अधूरा रह जाता है। इसी प्रकार ब्राज़ील ने 2000 के दशक में तेज़ आर्थिक विस्तार देखा, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था की कमजोरी के कारण वहां सामाजिक असमानता बढ़ती रही। आज भी ब्राज़ील में अमीर इलाकों के स्कूल और झुग्गियों के स्कूलों में जमीन-आसमान का फर्क है। इसलिए भारतीय परिप्रेक्ष्य में विकास की चुनौतियों के बारे में नीति निर्माताओं को ध्यान देना होगा। भारत में आर्थिक नीतियां अक्सर जीडीपी वृद्धि केंद्रित रही हैं, न कि समावेशी विकास केंद्रित। इसे बहुत से लोग रोजगार विहीन वृद्धि भी कहते हैं। भारत की जीडीपी बढ़ती रही है, परंतु रोजगार सृजन उसकी गति से मेल नहीं खा सका है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की वृद्धि 'जॉब लैस ग्रोथ' है, जहां उत्पादन तो बढ़ता है, पर रोजगार के अवसर नहीं बढ़ते। जब युवा हाथों को काम नहीं मिलता है तब वह असंतोष, अपराध की ओर उन्मुख होता है और देश में सामाजिक अस्थिरता बढ़ती है।

> **सच्चा विकास वह है जहां हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, शिक्षा और स्वास्थ्य सबके अधिकार बनें, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था में संतुलन हो, और विकास की रोशनी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। यह सिर्फ कानून की किताबों में न हो, ठेट धरातल पर हो। आर्थिक वृद्धि विकास की राह जरूर दिखाती है, पर वास्तविक विकास तभी होता है जब वह प्रत्येक जीवन को छूए।**

आर्थिक समीक्षक ग्रामीण भारत की उपेक्षा की ओर भी इंगित करते हैं जबकि निर्वाचित प्रतिनिधियों का बहुमत वहीं से चुन कर आता है और नीति निर्माता बनता है। भारत की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी आज भी ग्रेामीण क्षेत्रों में रहती है, जहां बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के अवसर सीमित हैं। शहरीकरण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था के ठहराव ने विकास को असमान बना दिया है। जानकार लोग पर्यावरणीय असंतुलन की बात भी करते हैं। तेज़ औद्योगिकीकरण और शहरी विस्तार ने पर्यावरण पर भारी दबाव डाला है। दिल्ली से लेकर मुंबई तक वायु प्रदूषण स्वास्थ्य संकट बन चुका है। यह किसी से छुपा नहीं है कि यदि आर्थिक वृद्धि पर्यावरणीय संतुलन की कीमत पर होगी, तो वह भविष्य की पीढ़ियों के लिए विनाशकारी होगी। यही कारण है कि अब इस बात पर जोर दिया जाने लगा है कि देश के विकास का वास्तविक मूल्यांकन जीडीपी से नहीं, बल्कि मानव विकास सूचकांक, बहुआयामी गरीबी सूचकांक, और पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक जैसे मापदंडों से किया जाना चाहिए। इन सूचकों में औसत जीवन प्रत्याशा, शिक्षा की गुणवत्ता, प्रति व्यक्ति आय, लैंगिक समानता, स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण आदि शामिल होते हैं। भारत में इन संकेतकों में सुधार से ही हम अपने को विकसित कह सकेंगे और समावेशी और सतत विकास की दिशा में बढ़ सकेंगे। इसके लिए शिक्षा और कौशल विकास में निवेश बढ़ाना होगा। नई शिक्षा नीति 2020 ने कई सकारात्मक दिशा-निर्देश दिए हैं, लेकिन इनका प्रभाव तभी होगा जब जमीनी स्तर पर अमल हो। स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी तथा स्वास्थ्य ढांचे में ग्रामीण और प्राथमिक केंद्रों को मजबूत बनाना होगा। देश के नागरिकों के बीच आय की असमानता पर काबू पाना होगा व न्यूनतम मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा को सशक्त बना कर अमीर-गरीब की खाई को कम करना होगा। हैं। यह समझना जरूरी है कि पर्यावरण संरक्षण के बिना कोई भी विकास स्थायी नहीं हो सकता। अक्षय ऊर्जा, जल संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन में कमी को विकास नीति के केंद्र में लाना होगा। लैंगिक समानता विकास का मूल है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और निर्णय प्रक्रिया में समान अवसर देने से ही समाज का संतुलित विकास संभव है। विकास का वास्तविक अर्थ मानवता का उत्थान होता है। आर्थिक वृद्धि केवल संख्याओं का खेल है, जबकि विकास उन संख्याओं के पीछे की, मानव की, कहानी है। देश की जीडीपी बढ़ती है लेकिन नागरिकों के चेहरों से मुस्कान गायब रहती है, तो वह प्रगति अधूरी कहलाएगी। भारत जैसे विशाल और विविध देश के लिए समावेशी, सतत और मानवीय विकास ही वास्तविक लक्ष्य होना चाहिए। सच्चा विकास वह है जहां हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, शिक्षा और स्वास्थ्य सबके अधिकार बनें, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था में संतुलन हो, और विकास की रोशनी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। यह सिर्फ कानून की किताबों में न हो, ठेट धरातल पर हो। आर्थिक वृद्धि विकास की राह जरूर दिखाती है, पर वास्तविक विकास तभी होता है जब वह प्रत्येक जीवन को छूए।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

संविधान दिवस पर विशेष लेख

भारतीय संविधान – लोकतंत्र की आत्मा

वासुदेव देवनानी

भारत का संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा, जन-संघर्षों का प्रतीक और लोकतांत्रिक भविष्य की दिशा दिखाने वाला प्रकाश स्तंभ है। 1947 में देश को अंठोजी शासन की सदियों की गुलामी से मुक्ति और आजादी मिलने के बाद 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किये गए इस महान दस्तावेज़ ने भारत की स्वतन्त्रता को नैतिक और संस्थागत ढांचा प्रदान किया। संविधान दिवस इस ऐतिहासिक क्षण को स्मरण करने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का एक सुनहरा अवसर है।

संविधान दिवस की घोषणा और सार्थकता : भारत ही नहीं पूरे विश्व ने देखा कि वर्ष 2014 में जब नरेन्द्र मोदी जी पहली बार देश का प्रधानमन्त्री बने तब उन्होंने लोकतन्त्र के मंदिर संसद की सीढ़ियों पर शीश नवाया और संसद के केन्द्रीय कक्ष में संविधान को अपने माथें से लगा नमन किया। बाद में वर्ष 2015 में उनकी सरकार ने प्रति वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य नागरिकों में संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझाना तथा संविधान निर्माताओं के योगदान का सम्मान करना है। आज जब लोकतंत्र वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब संविधान दिवस हमें यह याद दिलाता है कि राष्ट्र की शक्ति उसके संवैधानिक चरित्र में निहित है। इसका उद्देश्य संविधान की सोच, संवैधानिक सिद्धांतों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। संविधान केवल सरकार का ढांचा तय नहीं करता, बल्कि नागरिकों के अधिकारों, स्वतंत्रताओं और गरिमा की रक्षा भी करता है। संविधान ही वह आधार है जो राष्ट्र को स्थिरता और दिशा प्रदान करता है।

संविधान निर्माण की ऐतिहासिक यात्रा : स्वतंत्रता के बाद भारत को एक ऐसे संविधान की आवश्यकता थी जो विविधताओं से भरे इस देश को एकसूत्र में बाँध सके। 1946 में गठित भारत की संविधान सभा ने अथक परिश्रम किया। संविधान पर 165 दिनों तक खुली चर्चा, बहस एवं विस्तृत विचार-विमर्श हुआ डॉ. भीमराव आंबेडकर की अध्यक्षता वाली ड्राफ्टिंग कमेटी ने विश्व भर के संविधानों का अध्ययन कर भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप सर्वश्रेष्ठ सिद्धांतों और सर्वोत्तम तत्वों को इसमें शामिल किया। 2 वर्ष 11 माह और 18 दिनों की व्यापक चर्चा के बाद संविधान का निर्माण हुआ तथा 26 जनवरी 1950 को यह लागू हुआ। यह यात्रा भारतीय गणराज्य और भारत के लोकतंत्र की शक्तिशाली नींव का प्रमाण है। यह वही लोकतांत्रिक यात्रा एवं परंपरा है जो भारत को आज भी वैश्विक मंच पर सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में पहचान दिलाती है।

भारतीय संविधान की विशेषताएँ : भारत का संविधान अपनी गहराई, व्यापकता और दूरदर्शिता के कारण अद्वितीय है। इसकी कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

1. मौलिक अधिकार : संविधान नागरिकों को छह मौलिक अधिकार देता है समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, शिक्षा और संस्कृति संबंधी अधिकार तथा संवैधानिक उपचार का अधिकार। ये अधिकार लोकतंत्र की धड़कन माने जाते हैं और नागरिकों की स्वतंत्रता और गरिमा की रक्षा करते हैं।

2. मौलिक कर्तव्य : संविधान का भाग-4 (क) नागरिकों को कर्तव्यों के प्रति सचेत करता है। पर्यावरण संरक्षण से लेकर राष्ट्र की अखंडता बनाए रखने तक के कर्तव्य नागरिक जीवन में सामूहिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करते हैं।

3. लोकतांत्रिक शासन - व्यवस्था : भारत ने आजादी के तुरंत बाद सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार अपनाया। यह कदम अत्यंत प्रगतिशील था व हर नागरिक को बराबर राजनीतिक अधिकार देने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

4.. संघीय ढांचा : भारत के संविधान ने केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों के संतुलन वाली संघीय व्यवस्था दी गई है, साथ ही एकीकृत शक्ति संरचना के माध्यम से संकट की स्थितियों को संभालने की क्षमता भी रखी गई है। केंद्र और राज्यों के मध्य शक्तियों का संतुलन भारत की विविधता को एकता में पिरोता है।

5. स्वतंत्र न्यायपालिका : न्यायपालिका नागरिक अधिकारों की संरक्षक है। यह लोकतंत्र में आवश्यक 'चेक एंड बैलेंस' बनाए रखती है।सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हैं और लोकतंत्र की शुचिता बनाए रखते हैं।

6. धर्मनिरपेक्षता एवं सामाजिक न्याय : भारत के संविधान में सभी धर्मों का सम्मान और समान व्यवहार का सिद्धांत निहित है। समाज के कमजोर वर्गों के एससी, एसटी, ओबीसी, महिलाएँ एवं बच्चों के लिए विशेष संरक्षण सुनिश्चित करता है। संविधान में इन वर्गों के उत्थान के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिससे समानता और न्याय का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

डॉ. आंबेडकर : भारत के संविधान शिल्पकार : डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भारतीय समाज की जटिलताओं को निकट से समझ कर संविधान में सामाजिक न्याय, समानता और गरिमा को मूल केंद्र बनाया। उन्होंने कहा था कि संविधान अच्छा है या बुरा यह इस पर निर्भर करेगा कि इसे चलाने वाले लोग कितने अच्छे हैं। यह संदेश आज भी अत्यंत प्रासंगिक है जितना कि स्वतंत्रता के तुरंत बाद प्रासंगिक था।

संविधान की डिजिटल युग में प्रासंगिकता : 21वीं सदी का भारत भी डेटा सुरक्षा, साइबर अपराध, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, गलत सूचना, पर्यावरण संकट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े नैतिक प्रश्न जैसी कई नई चुनौतियों से जूझ रहा है। संविधान हमें इन मुद्दों पर संतुलित दृष्टिकोण देता है और नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। हमारा संविधान तकनीकी नवाचार के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को कायम रखने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शक भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

भारत की एकता की आधारशिला : संविधान दिवस पर देश भर में कई गतिविधियाँ जैसे विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों और न्यायालयों में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ, निबंध, भाषण, क्विज़ प्रतियोगिताएँ, विधिक जागरूकता कार्यक्रम, विशेष व्याख्यान और गोष्ठियाँ, संसद और विधानसभाओं में विशेष आयोजन आदि होतें है। हमारा संविधान कहता है कि हर भारतीय समान है। कोई व्यक्ति धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र या वर्ग के आधार पर बड़ा या छोटा नहीं है। हमारा संविधान भारत की बहुलतावादी संस्कृति को एक सूत्र में बाँधने वाला सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है। जहाँ अधिकार और कर्तव्य साथ-साथ चलते हैं, सभी के लिए अवसर खुले है तथा सामाजिक न्याय और समावेशी विकास आधुनिक भारत की आत्मा है। यह संविधान हमें विविधता में एकता का संदेश देता है। भारत का संविधान केवल शासन चलाने का एक दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों, संघर्षों और आदर्शों का महान घोषणा पत्र है। जब भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था, तब भारत के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू हुआ था।

एक ऐसा अध्याय, जिसने उपनिवेशवाद से स्वतंत्र राष्ट्र बनने की राह को स्पष्ट दिशा प्रदान की। आज के दिन को हम संविधान दिवस या राष्ट्रीय विधि दिवस के रूप में मनाते हैं, लेकिन इसकी सार्थकता इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह दिवस हमें लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने और संवैधानिक मूल्यों को जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा देता है। संविधान दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक चरित्र का उत्सव है। संविधान दिवस हमें यह सीख देता है कि भले ही लोकतंत्र मतपत्र से बनता है, परंतु हमारा देश जागरूकता, कर्तव्यपरायणता और संवैधानिक मूल्यों से चलता है। यह हमें याद दिलाता है कि भारत की वास्तविक शक्ति संविधान के अनुशासन, मूल्य और आदर्शों में निहित है। संविधान की रक्षा केवल न्यायपालिका या सरकार का कार्य नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। आज के युवाओं के लिए यह दिन विशेष रूप से प्रेरक है। आज की युवा पीढ़ी इस दस्तावेज़ को जितना समझेगी, उतना ही भारत का लोकतांत्रिक भविष्य मजबूत होगा। यदि वे संविधान के आदर्शों न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता को आत्मसात करें, तो भारत निश्चित ही एक सशक्त, समृद्ध और प्रगतिशील राष्ट्र बनेगा। हम सबका कर्तव्य है कि संविधान के सिद्धांतों न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता को जीवन का मार्गदर्शक बनाएं। संविधान दिवस, भारतीय गणराज्य और संविधान के प्रति अटूट आस्था व्यक्त करने का एक ऐसा अवसर है जिसे मनाना हर भारतीय का कर्तव्य है।

राजस्थान विधानसभा में संविधान दीर्घा का निर्माण : राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में मैंने राजस्थान विधानसभा में जो नवाचार करने के विनम्र प्रयास किये है उनमें विधानसभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का उल्लेख करना यहाँ प्रासंगिक है। इस संग्रहालय में एक संविधान दीर्घा का निर्माण भी किया गया है। संविधान दीर्घा में मूल संविधान के बाईस भागों के आरम्भ में दर्शायी गयी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। संविधान के बाईस भागों के मुख पृष्ठ पर भारत की संस्कृति और स्वाभिमान को दिखाती हुई तस्वीरें हैं। इन तस्वीरों में भारत की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो से लेकर महाभारत में कुरुक्षेत्र और भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए गीता के ज्ञान, भगवान श्री राम की लंका विजय, भगवान बुद्ध का जीवन चरित्र, महान सम्राट अशोक, उज्जैन के न्यायप्रिय महाराज विक्रमादित्य के राजदरबार, प्राचीन वैदिक गुरुकुल, नालंदा विश्वविद्यालय, भगवान नटराज, रामभक्त श्री हनुमान के साथ ही झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, छत्रपति वीर शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह को प्रदर्शित किया गया है। संविधान दीर्घा का उद्देश्य आमजन और युवाओं में राष्ट्र और संविधान का बोध कराने के साथ ही संविधान, संस्कृति और नैतिकता के प्रति जागरुकता लाना है। विधान सभा में हर वर्ष संविधान दिवस समारोह भी आयोजित किया जा रहा है।

–वासुदेव देवनानी,
अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा।

जब राजस्थान ने आवाज़ उठाई : संविधान सभा में पहचान, लोकतंत्र और विकास पर विमर्श

संगीता शर्मा

संविधान सभा की बहसें उन राजनीतिक एवं भावनात्मक चिंताओं की एक अत्यंत महत्वपूर्ण झलक प्रस्तुत करती हैं, जो राजस्थानी रियासतों के जटिल समूह से बने राज्य के एकीकरण के समय उभरी थीं। 1947 से 1949 के बीच संविधान सभा वह मंच बनी, जहाँ नवगठित संयुक्त राज्य राजस्थान के प्रतिनिधियों ने न केवल अपने प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक आकांक्षाओं का संपूर्ण पक्ष रखा, बल्कि सामंती अवशेषों, प्रशासनिक विषमताओं और क्षेत्रीय पुनर्गठन-विशेषत: सिरोही और माउंट आबू-से जुड़ी गहरी चिंताओं को भी मुखरता से अभिव्यक्त किया। इन बहसों के माध्यम से राजस्थान का वह रूपांतरण स्पष्ट दिखाई देता है, जिसमें सदियों से वंशानुगत शासन के अंतर्गत रहा यह क्षेत्र एक लोकतांत्रिक, गणतांत्रिक भारत का अभिन्न हिस्सा बनता गया।

राजस्थान का प्रतिनिधित्व संविधान सभा में रियासतों और प्रजामंडल दोनों ही परंपराओं की संतुलित भागीदारी को दर्शाता है। रियासतों की ओर से दलेल सिंह (कोटा के महरावो के निजी सचिव), जसवंत सिंह तंवर (बीकानेर राज्य के पूर्व प्रधानमंत्री), वी. टी. कृष्णमाचारी (जयपुर राज्य के पूर्व प्रधानमंत्री) और खेतड़ी के राजा बहादुर सिंह जैसे सदस्य शामिल थे। इनके साथ प्रजामंडल एवं जन-आंदोलन परंपरा से राजबहादुर, हीरालाल शास्त्री, जय नारायण व्यास, रामचंद्र उपाध्याय, मुकुट बिहारी लाल भार्गव, बलवंत सिंह मेहता और माणिक्य लाल वर्मा जैसे नेता उपस्थित थे, जिन्होंने अपनी जमीनी राजनीतिक समझ और स्वतंत्रता संठाम के अनुभव को सभा में प्रस्तुत किया। इस प्रकार राजस्थान की आवाज़ प्रशासनिक तथा लोक-लोकतांत्रिक दोनों ही दृष्टियों से प्रतिनिधिक बनी।

प्रजामंडल परंपरा के नेताओं-माणिक्य लाल वर्मा, राजबहादुर और जय नारायण व्यास-के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण मुद्दों में से एक था रियासतों में व्याप्त दमनकारी संरचनाओं का प्रभाव। माणिक्य लाल वर्मा ने रियासती शक्तियों के उन्मूलन का स्वागत करते हुए कहा कि राज्यों के लोगों ने सामंती सरदारों के अत्याचारों का सबसे बुरा रूप देखा है... और आज वही लोग स्वराज का वास्तविक उजाला महसूस कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने चेताया कि सामंतशाही के अवशेष अब भी गंभीर चुनौती बने हुए हैं। उन्होंने राजस्थान में जागीरदारों के दो वर्गों की चर्चा की-एक बदलते समय के अनुरूप ढलने को तैयार और दूसरा दहशत फैलाकर पुराने विशेषाधिकार बचाने का प्रयास करता हुआ। उन्होंने बताया कि कुछ जागीरदार डकैतियाँ करवाने लगे थे ताकि वे भारत सरकार को आतंकित कर अपने लाभ सुनिश्चित कर सकें।

राजबहादुर ने 9 नवंबर 1948 को हुई अपनी चर्चा में इस आशंका को और गहराई दी। उनका कहना था कि राजपूताना के कई हिस्सों में सामंतवाद अब भी व्याप्त है, और बेचारा किसान अभी भी स्वतंत्रता की हवा नहीं ले पा रहा। रामचंद्र उपाध्याय ने भी चेताया कि राजाओं ने सत्ता त्याग दी, किंतु उनका प्रभाव, धन और राजनीतिक आकांक्षाएँ बनी हुई हैं-राज्य तो समाप्त हो गए, पर राजा नहीं गिरे। साथ ही जाट राज, अहीर राज, और महाराष्ट्रीय राज्य जैसी संकीर्ण सब-क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएँ राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बन सकती थीं।

इसी पृष्ठभूमि में रियासतों का प्रतिनिधित्व करने वाले जसवंत सिंह ने एक प्रभावशाली भाषण में इस बढ़ती प्रवृत्ति पर आपत्ति जताई, जिसमें पूर्व शासकों और जागीरदारों की निरंतर आलोचना की जा रही थी। स्वयं को जागीरदार बताते हुए उन्होंने कहा कि वे सबसे पहले भारतीय हैं और सरदार पटेल जैसे संतुलित नेतृत्व में जागीरदारी का समाधान शांतिपूर्ण ढंग से संभव है। उन्होंने नवगठित राजस्थान मंत्रिमंडल की तीखी आलोचना भी की, यह कहते हुए कि छह महीनों में उसके नेता सिर्फ भाषण देने और शासकों-जागीरदारों को कोसने के अलावा कोई ठोस प्रशासनिक कार्य नहीं कर पाए।

केंद्र द्वारा राज्यों पर नियंत्रण का विषय एक गंभीर मतभेद का कारण बना। रामचंद्र उपाध्याय ने पार्ट-बी राज्यों पर प्रस्तावित दस वर्ष के केंद्रीय नियंत्रण को थोड़ी उच्च-हस्तक्षेप जैसी प्रवृत्ति बताते हुए यह आशंका जताई कि इससे द्वैध शासन की स्थिति बन सकती है। वे मानते थे कि संक्रमणकाल में कुछ केंद्रीय अधिकार उचित हो सकते हैं, किंतु उनका प्रयोग सीमित होना चाहिए। इसके विपरीत, जसवंत सिंह ने अनुच्छेद 306 का प्रबल समर्थन किया। आर्थिक चिंताएँ भी बहस का एक प्रमुख हिस्सा थीं। माणिक्य लाल वर्मा ने भरतपुर, अलवर, बीकानेर, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और किशनगढ़ जैसे नगरों में आजीविका संकट की ओर ध्यान दिलाया-जो रियासती शासन में साहित्य, कला, विद्वता और प्रशासन के सक्रिय केंद्र थे। राज्यों के विलय के बाद हजारों कवि, विद्वान और कलाकार बेरोजगार हो गए। वर्मा ने आठाह किया कि दिल्ली से स्थानांतरित किए जा रहे कुछ केंद्रीय कार्यालय इन नगरों में स्थापित किए जाएँ ताकि आर्थिक पतन रोका जा सके। उन्होंने बताया कि सीमा शुल्क और रेलों-बीकानेर, जोधपुर और उदयपुर-की आय समाप्त होने से राजस्थान को छह-सात करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है। इसलिए उन्होंने प्रशिक्षण शिविर, बांध निर्माण और अन्य राष्ट्रीय परियोजनाओं को राजस्थान तक विस्तारित करने की आवश्यकता पर बल दिया। क्षेत्रीय न्याय के प्रश्न पर बहस सबसे अधिक तीखी रही-विशेषत: सिरोही और माउंट आबू पर। सिरोही राज्य के विभाजन ने सभी राजस्थानी प्रतिनिधियों को एक स्वर में विरोध के लिए प्रेरित किया। जय नारायण व्यास ने बताया कि सिरोही प्रथम अनुसूची के न तो भाग-, और न ही में दर्ज था-मानो वह नो-मैन'स लैंड बन गया हो। कनवर जसवंत सिंह ने बताया कि सिरोही का शासक अवयस्क है और उसके साथ कोई 'कवेनेंट' नहीं किया गया, अत: विभाजन सर्वथा अनियमित है।

माउंट आबू बहस का सबसे भावनात्मक पक्ष बनकर सामने आया। राजबहादुर ने उसे राजस्थान का एकमात्र पर्वतीय स्थल, कलह का सेब, और एक आवश्यक स्वास्थ्य-आश्रय बताया। उसका बंबई को दिए जाने का प्रस्ताव राज्य की जनता के लिए पीड़ादायक आश्चर्य था, विशेषत: तब जब निर्णय पर्दे के पीछे लिए जा रहे थे। सरदार पटेल ने यह स्पष्ट किया कि सिरोही-सहित आबू-ऐतिहासिक रूप से गुजरात/बंबई क्षेत्र से सम्बद्ध रहा है, और सुंदर स्थलों के आधार पर राजनीतिक दावा नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने यह भी बताया कि विभाजन के प्रशासनिक आदेश पहले ही तैयार हो चुके हैं और राजस्थान को स्पष्ट विकल्प दिया-या तो विभाजन स्वीकार करें, या फिर पूरा सिरोही बंबई में मिल जाएगा। बहसों ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को भी उजागर किया। वर्मा ने राजस्थानी भाषा-पंद्रह मिलियन लोगों द्वारा बोली-के संवैधानिक मान्यता की माँग करते हुए महाराणा प्रताप और बीकानेर राज्य के पृथ्वीराज के बीच हुए वीरतापूर्ण दोहों का उद्धरण दिया, यह दिखाते हुए कि राजस्थानी वीर-रस की भाषा है और देशभक्ति को प्रेरित करने में सक्षम है। समग्र रूप से, संविधान सभा की बहसें बताती हैं कि राजस्थान का गठन मात्र एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं था, बल्कि एक गहरा राजनीतिक व भावनात्मक परिवर्तन था। सामंतशाही की निरंतरता, असमान संघवाद, आर्थिक संकट, सीमाई विवाद और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति-इन सबने विविध रियासतों को एक लोकतांत्रिक संघ में रूपांतरित करने की जटिलताओं को उजागर किया। राजस्थानी प्रतिनिधियों ने, रियासती शासन के अपने अनुभवों से, अपने प्रदेश के लिए न्याय और गरिमा की माँग की और राष्ट्रीय एकीकरण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके विचार भारत के संघीय ढांचे और क्षेत्रीय कल्पना की प्रारंभिक संरचना को समझने के लिए आज भी अत्यंत मूल्यवान हैं।

–संगीता शर्मा,
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
(सेवानिवृत्त) इतिहास एवं
भारतीय संस्कृति विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 26 नवम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, श्रवण नक्षत्र रात्रि 1:33 तक, वृद्धि योग दिन 12:42 तक, कौलव करण दिन 11:29 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृश्चिक, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 12:02 तक है। रवियोग रात्रि 1:33 तक रहेगा। राजयोग रात्रि 1:33 से सूर्योदय तक है। महापात योग दिन 11:09 तक है। आज श्री राम कलेवा, स्कन्ध षष्ठि व्रत, चम्पा षष्ठि है। आज शुक्र वृश्चिक में दिन 11:22 पर प्रवेश करेगा। बुध उदय पूर्व में रात्रि 8:53 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदयसे 9:36 तक, शुभ 10:55 से 12:14 तक, चर 2:52 से 4:10 तक, लाभ 4:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:59, सूर्यास्त 5:29 तक

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

वृष

नवीन फ़ार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति एवं आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या

'परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। पारिवारिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कृषक वैज्ञानिक संवाद का हुआ आयोजन

अजमेर, (निसं)। आत्मा योजना अन्तर्गत केवीके तबीजी में कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया। इसमें जिले के 25 कृषकों ने भाग लिया। आत्मा की उप निदेशक उषा चितारा ने कृषकों को पोषक तत्व प्रबंधन एवं अन्य विषयों पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

उप परियोजना निदेशक आत्मा रामेश्वर लाल गैना ने कृषकों को आत्मा योजना की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी एवं जैविक खेती पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। कृषि अनुसंधान अधिकारी कमलेश चौधरी ने कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड की सिफारिश के आधार पर उर्वरक उपयोग और संतुलित पूर्वक उपयोग की जानकारी दी।

उप निदेशक कृषि डॉ. कृष्ण गोपाल छीपा ने कृषकों को ट्राईकोडर्मा एवं अन्य जीव कारकों पर विशेष जानकारी दी। डॉ. साकेत पाठक ने पशुओं मे फैलने वाली बीमारियों एवं रोकथाम पर सविस्तार बताया। मनोज शर्मा ने कृषकों को विभिन्न फसलों में व्याधि नियंत्रण पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। डॉ. रमाकान्त शर्मा ने अजोला एवं कम्पोस्ट उत्पादन पर प्रकाश डाला। दिनेश कच्छावा ने केवीके की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। रामकरण जाट ने आईपीएम पर और उपवन शंकर गुप्ता ने खरपतवार नियंत्रण पर विस्तृत जानकारी दी।

अजमेर उत्तर ब्लॉक बी की मंडल वाइज बी एल ए की मीटिंग संपन्न

■ पांचों मंडल की बैठक में शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राजकुमार जयपाल, धर्मेंद्र राठौड़ व रणजीत चंदेलिया सहित अन्य पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर व साफा पहनाकर तथा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया

अजमेर(निसं)। कांग्रेस कमेटी अजमेर उत्तर ब्लॉक बी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पांच मंडल इकाइयों के बी एल ए की बैठक मंगलवार को लोहाखान, सिविल लाइन व वैशाली नगर क्षेत्र में अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ राजकुमार जयपाल, आर टी डी सी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ व अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के पी सी सी पर्यवेक्षक रणजीत सिंह चंदेलिया के आतिथ्य में आयोजित की गयी

कांग्रेस कमेटी अजमेर उत्तर ब्लॉक बी के ब्लॉक अध्यक्ष पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पांचों मंडल की बैठक में शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राजकुमार जयपाल, धर्मेंद्र राठौड़ व रणजीत चंदेलिया सहित अन्य पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर व साफा पहनाकर तथा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राजकुमार जयपाल ने कहा कि मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एस आई आर) का जो महत्वपूर्ण कार्य चल रहा है उसमें कांग्रेस के बी एल ए काफी सक्रियता व सजगता से कार्य कर रहे हैं और अजमेर में अभी तक 70 प्रतिशत से अधिक मैपिंग का कार्य हो चुका है परंतु आने वाले दिनों में हमें और अधिक सक्रियता से कार्य करने की आवश्यकता है ताकि 4 दिसम्बर तक अधिकाधिक मैपिंग का कार्य हो जाए और किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम मतदाता सूची में आने से वंचित ना रहे और कोई भी अपात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके। आर टी डी सी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने उपस्थित पदाधिकारियों व बी एल ए को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने इस बार आम कार्यकर्ताओं की भावना से जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है, यह पार्टी का ऐतिहासिक निर्णय है और हमें प्रसन्नता है पार्टी आलाकमान ने अजमेर शहर व देहात में अनुभवी व काम करने वाले साथियों को अवसर प्रदान किया है इससे कार्यकर्ताओं में उत्साह का वातावरण है

धर्मेंद्र राठौड़ व उत्तर विधानसभा सभा प्रभारी रणजीत चंदेलिया ने एसआईआर को लेकर मंडल के कार्यकर्ताओं और बीएलए को आवश्यक दिशा निर्देश दिये

जिला कलेक्टर ने यूरिया आपूर्ति और योजनाओं की मॉनिटरिंग पर दिए निर्देश

भीलवाड़ा(निसं)। कृषि एवं उद्यान विभाग की फ्लैगशिप योजनाओं एवं विभागीय योजना की प्रगति की जिला कलक्टर श्री जसमीत सिंह संधू ने समीक्षा की।समीक्षा के दौरान उपनिदेशक उद्यान डॉ. शंकर सिंह राठौड़ ने वर्तमान में रबी फसल बुवाई, उर्वरकों की उपलब्धता, फसल बीमा, पी एम कुसुम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना एवं अन्य विभागीय योजनाओं की प्रगति से जिला कलक्टर को अवगत कराया।बैठक में जिल कलक्टर संधू ने निर्देशित किया कि वर्तमान में यूरिया खाद की आपूर्ति एवं इसकी प्रॉपर मॉनिटरिंग की जाए ताकि किसी भी प्रकार की कालाबाजारी नहीं हो।

'योजना पर्व 2.0' के अंतर्गत अभिव्यक्ति और लेखन कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

■ कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास और अभिव्यक्ति कौशल को सशक्त करना रहा

अजमेर(कासं)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर के योजना मंच के तत्वावधान में आयोजित 'योजना पर्व 2.0' के आयोजन की श्रृंखला में दूसरे दिन के कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास और अभिव्यक्ति कौशल को सशक्त करना रहा। योजना मंच की सचिव रिया पोसवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के तहत आशुलेखन, कहानी लेखन और आशुभाषण तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें महाविद्यालय के लगभग 270 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आशुलेखन प्रतियोगिता में 110 प्रतिभागियों ने 'युवा विचार निर्माण पर सोशल मीडिया का प्रभाव' विषय पर अपनी लेखन क्षमता का प्रदर्शन किया, वहीं कहानी लेखन में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने रचनात्मकता दिखाई। इसके साथ ही 62 विद्यार्थियों ने आशुभाषण प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों पर त्वरित विश्लेषण और आत्मविश्वासपूर्ण वक्तव्य कला का परिचय दिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में डॉ. अल्का पंवार, भूपेन्द्र उबाना, डॉ. सुमिता गुरनानी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में हितेश प्रजापति, अनुराधा भारद्वाज, हार्दिक बरोठिया, कुणाल शर्मा, आयुष तिवारी, गौरव, आदित्य,लोकेश आदि विद्यार्थियों ने सक्रिय योगदान दिया।

प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार बहरवाल ने परिणामों की घोषणा करते हुए सभी विजेता रहे विद्यार्थियों को बधाई दी। आशुलेखन प्रतियोगिता में ऋतंभरा गुप्ता ने प्रथम, प्रदीप सिंह राठौड़ व समन्यु वर्मा ने द्वितीय स्थान, आदित्य तथा गायत्री तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हुनर अग्रवाल व अजीत चौधरी को सांत्वना पुरस्कार दिया गय। आशुभाषण प्रतियोगिता में महक खंडेलवाल ने प्रथम, खुशी जैन व दीपक कुमावत ने द्वितीय, हुनर अग्रवाल व समन्यु वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मनोज्ञ चिंतन, दीपक जांगिड व कंचन भंवर जोधा ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

हेल्पलाइन नंबर 14490 जारी

अजमेर(निसं)। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए नया हेल्पलाइन नंबर 14490 जारी किया है। यह नंबर 24 घंटे सेवा में उपलब्ध रहेगा। यह टोल-फ्री नंबर आयोग की पहले से चालू हेल्पलाइन 7827170170 से जुड़ा हुआ है, जिससे महिलाएं आसानी से और बिना किसी शुल्क के मदद प्राप्त कर सकती हैं। महिला सशक्तिकरण की प्रांतीय सभापति लायन आभा गांधी ने बताया कि नया शॉर्ट कोड उन महिलाओं के लिए बड़ी राहत है जो हिंसा, उत्पीडन या किसी भी तरह की आपात स्थिति का सामना कर रही हों। यह हेल्पलाइन महिलाओं की पहली संपर्क सुविधा के रूप में मार्गदर्शन देने, संबंधित अधिकारियों से समन्वय कराने और समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित करने का काम जारी रखेगी। राष्ट्रीय महिला आयोग ने नागरिकों, सामुदायिक संगठनों, संस्थानों और साझेदारों से अपील की है कि इस हेल्पलाइन नंबर को अधिक से अधिक साझा करें ताकि जरूरतमंद महिलाओं तक यह सेवा हर समय पहुंचे।

आम सूचना

मैसर्स मैसर्स पिताम्बरा ग्रेनाइटस पता C/O राघव मार्बल के पास ग्रेनाईट जोन, कालीडुंगरी, तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर भागीदारी फर्म है, जिसका फर्म रजि. नम्बर 17/01/172/2016 दिनांक 29 जनवरी 2016 है। यह है कि पूर्व में इस फर्म में हम तीन भागीदार थे। जो की (1) श्रीमति मीनू यादव (2) श्रीमति कविता बंसल (3) श्री रवि विजयवर्गीय है। दिनांक 01 अप्रैल 2025 से श्री रवि विजयवर्गीय स्वेच्छा से फर्म से रिटायर्ड हो रहे है और दिनांक 01 अप्रैल 2025 से श्री मनोज यादव फर्म में नये भागीदार के रूप में शामिल हो रहे है। जिसमे हम सभी भागीदारो की सहमति है। (1) श्रीमति मीनू यादव (2) श्रीमति कविता बंसल (3) श्री मनोज यादव। इस आम सुचना में अगर किसी को आपति हो तो सुचना के प्रकाशन की दिनांक से 7 दिवस में रजिस्ट्रार ऑफ फर्म कार्यालय जिला उद्योग केन्द्र अजमेर में सुचित करे, अन्यथा बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा। -श्रीमति कविता बंसल, पीतांबरा ग्रेनाइट्स

आम सूचना

सर्व आम को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी श्री महेन्द्र कुमार टांक निवासी राजारेड्डी, मदनगंज-किशनगढ़, राजकुमार टांक पुत्र श्री महेन्द्र कुमार टांक की जन्मदाता माता होकर उनकी हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 के प्रावधानों अनुसार प्रथम श्रेणी की मृतक की पत्नी एवं पुत्री के साथ समअनुपात की विधिक उत्तराधिकारी है। अतः सर्वआम को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त राजकुमार टांक की समस्त अचल सम्पतिया, कृषि-भूमि, आवासीय प्लाट आदि के बाबत् कोई भी व्यक्ति मेरी अभिभाष्या की सहमति के बिना कोई संव्यवहार नही करे। ऐसा संव्यवहार कानूनन मान्य नही है। जिसके लिये वह सम्बन्धित संव्यहवारकर्ता ही पूर्णतः दायित्वाधीन रहेगा। भवदीय-एडवोकेट इन्द्रेश के. रामचन्दानी

निशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 138 रोगी हुए लाभान्वित

अजमेर,(कासं)। श्री प्राज्ञ मृगी रोग निवारक समिति गुलाबपुरा द्वारा माह के चतुर्थ मंगलवार को आयोजित कैंप संस्था परिसर में लगाया गया।

संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने बताया की कैंप में जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी कॉलेज एवं हॉस्पिटल जयपुर के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉक्टर आर के सुरेखा ने अपनी सेवाए प्रदान करते हुए 138 मरीजों को सेवा प्रदान की जिसमें 21 नए मरीज थे एवम निशुल्क दवा का वितरण किया गया।

यह कैंप के स्वर्गीय प्रेम कवर धर्मपत्नी स्वर्गीय जयसिंह चौधरी की पुण्य स्मृति में पुखराज चौधरी व विमला देवी चौधरी द्वारा आयोजित किया गया था।

सफलता की कहानी मन्जू जीनगर की जुबानी

भीलवाड़ा(निसं)। मन्जू जीनगर पत्नी ओमप्रकाश जीनगर निवासी बैरवा समाज का नोहरा, जुनावास भीलवाड़ा ने बताया कि मैं पहले सीट व कार कवर बनाने वाली कम्पनी में काम करती थी। लेकिन मैं अपना स्वयं का काम करना चाहती थी, इसी चक में मुझे पी.एम.अजय योजना के अन्तर्गत मैनें ऋण के लिए अनुजा निगम कलेक्ट्रेट भीलवाड़ा में आवेदन किया।

इस योजना के तहत मुझे बैंक से पहले 1 लाख का ऋण मिला व उसके उपरान्त अनुजा निगम भीलवाड़ा द्वारा मुझे 50 हजार रू. की अनुदान राशि प्राप्त हुई, अब मैंने 2 बड़ी मशीन लगाकर स्वयं से सीट कवर व सोफा कवर बनाना प्रारम्भ किया अब मैं मासिक लगभग 20 हजार रू. आय सृजित करने लगी हु इसके लिए मै राज्य सरकार, जिला प्रशासन व अनुजा निगम को बहुत बहुत धन्यवाद देती हूँ।

जेएलएन अस्पताल की पीडियाट्रिक बिल्डिंग में लगी आग, मॉकड्रिल

■ मॉकड्रिल के निरीक्षण के दौरान निदेशालय चिकित्सा विभाग की टीम को कई कमियां नजर आई। इस पर चिकित्सा अधिकारियों को व्यवस्थाएं और बेहतर बनाने के निर्देश जारी किए गए

अजमेर,(निसं)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल की पीडियाट्रिक बिल्डिंग में मंगलवार को आग लगने और एक बच्चे के फंसे होने की स्थिति को आधार बनाकर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान रेस्क्यू टीम ने बच्चे को लगभग 20 से 25 मिनट में सुरक्षित नीचे उतार लिया।

मॉकड्रिल के निरीक्षण के दौरान निदेशालय चिकित्सा विभाग की टीम को कई कमियां नजर आईं। इस पर चिकित्सा अधिकारियों को व्यवस्थाएं और बेहतर बनाने के निर्देश जारी किए गए। मॉक ड्रिल के अनुसार बिल्डिंग की टेरेस पर आग लगने से एक मासूम बच्चा फंस गया था। सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन और अग्निशमन विभाग सक्रिय हो गए। एयरलिफ्ट प्रक्रिया सुबह 11 बजकर 36 मिनट पर शुरू हुई। इस दौरान जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया, अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे, उपाध्यक्ष डॉ. अमित यादव सहित चिकित्सा कर्मचारी और फायर टीम मौके पर मौजूद रहे। डॉक्टर और फायर टीम ने करीब 11 बजकर 50 मिनट पर टेरेस पर पहुंचकर आग पर नियंत्रण पाया और दोपहर 12 बजे तक एयरलिफ्ट के जरिए बच्चे को सुरक्षित नीचे लाकर उपचार के लिए भेज दिया। मॉक ड्रिल में पाई गई खामियों पर कंसल्टेंसी की सहायक निदेशक डॉ. नेहा शर्मा ने बताया कि स्टाफ को पहले ब्रीफ करना आवश्यक था। कम लोगों के टेरेस पर जाने से प्रक्रिया और बेहतर होती। यदि अस्पताल स्टाफ भी शामिल होता तो उन्हें भी व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलता। उन्होंने सुझाव दिया कि मॉक ड्रिल से पहले स्टाफ की ब्रीफिंग की जाए तथा समूहों में कर्मचारियों को शामिल किया जाए ताकि अस्पताल की नियमित सेवाएं बाधित न हों।

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक-न.पा.वि./निमार्ण स्वी./2025/4475 | आम सूचना | दिनांक: 3-11-25

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते हैं, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्ज/आपति मान्य नहीं होगी।-

भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
136	कालूराम सेन पुत्र बिरदीचन्द सेन	राधाकृष्ण कॉलोनी बिजयनगर ख.सं. 3953/3956 भू.सं. 11 का उत्तरी हिस्सा प्रा. प्लाट नं. 11-ए	66.91 SQ.MTR	आवासीय

-अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/नामान्तरण/2025/2257 | आम सूचना | दिनांक: 25-11-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा सं. 417/5, 417/6 पर स्थित आवासीय (भूखंड सं. 50 क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज) पर श्री विनोद शर्मा पुत्र श्री कमल किशोर ने आवेदन प्रस्तुत कर हस्तान्तरण चाहा गया है।

उक्त भूखंड की सीमाएं निम्नानुसार है-

पूर्व में- 15 फीट की गली पश्चिम में- भूखण्ड संख्या 43 (किशनगोपाल का मकान)

उत्तर में- भूखण्ड संख्या 49 दक्षिण में- भूखण्ड सं. 51 (रामेश्वरजी पारीक का मकान)

अतः उक्त नामान्तरण प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। -प्रभारी, नगर परिषद किशनगढ़

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक: 1655 | जाहिर आम सूचना | दिनांक-25-11-25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1-क-32, अजयनगर, अजमेर क्षेत्रफल 228.00 व.गज मूल आवंटी श्रीमती पार्वती पत्नि श्री जेठानन्द को आंवटित कर दिनांक 6.2.1978 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्रीमती पार्वती पत्नि श्री जेठानन्द द्वारा दिनांक 29.8.1990 को आवास का पंजीयन करवा लिया गया। श्रीमती पार्वती पत्नि श्री जेठानन्द की मृत्यु दिनांक 9.1.1999 एवं श्री जेठानन्द की मृत्यु 12.06.1992 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार राधानी पुत्र स्व. श्री जेठानन्द राधानी द्वारा हकत्याग पत्र (रजिस्टर्ड) प्रस्तुत कर मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया था। श्री नरेन्द्र कुमार राधानी के पक्ष में श्री नरेश कुमार राधानी व श्री किशोर कुमार राधानी पुत्रगण स्व0 श्री जेठानन्द राधानी, श्रीमती जानकी देवी पत्नि श्री श्री महिंदर पाल, श्रीमती कविता खुराना पत्नि श्री सुरेश कुमार श्रीमती ज्योति पंजाबी पत्नि श्री प्रकाश पंजाबी पुत्रियां स्व0 श्री जेठानन्द राधानी द्वारा रजिस्टर्ड हकायाग पत्र प्रस्तुत किया गया था। मण्डल द्वारा दिनांक 21.02.2025 को श्री नरेन्द्र कुमार राधानी पुत्र स्व श्री जेठानन्द राधानी के पक्ष में मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण के आदेश जारी किये गये। पुनः श्री नरेन्द्र कुमार राधानी पुत्र स्व. श्री जेठानन्द राधानी द्वारा आवास का बैचान श्री कमलेश कुमार पुत्र स्व. श्री एम.सी. धनवानी एवं श्रीमती रेशमा धनवानी उर्फ दीपा धनवानी पत्नि श्री कमलेश कुनार बनवानी को दिनांक 25.07.2025 को कर दिया गया है। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 990 में क्रम संख्या 202503002108370 पृष्ठ संख्या 167 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा पुस्तक संख्या 01 जिल्द सख्या 3960 के पृष्ठ संख्या 379 से 390 पर दिनांक 25.07.2025 को चस्पा किया गया। श्री कमलेश कुमार व श्रीमती रेशमा धनवानी उर्फ दीपा धनवानी ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री कमलेश कुमार व श्रीमती रेशमा धनवानी उर्फ दीपा धनवानी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुंजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। - सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन खण्ड अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक: 1654 | जाहिर आम सूचना | दिनांक-25-11-25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3/105, पंचशील, अजमेर क्षेत्रफल 92.25 वर्गमीटर मूल आवंटी श्रीमती उषा गुप्ता पत्नि श्री दिनेश कुमार गुप्ता को आवंटित कर दिनांक 9.11.2009 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्रीमती उषा गुप्ता पत्नि श्री दिनेश कुमार गुप्ता द्वारा दिनांक 7.6.2010 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया है। पंजीयन पश्चात श्रीमती उषा गुप्ता पत्नि श्री दिनेश कुमार गुप्ता द्वारा आवास का बैचान श्री जय प्रकाश सांखला पुत्र श्री सोहन लाल सांखला को 3.3.2016 को कर दिया गया। पुनः श्री जय प्रकाश सांखला पुत्र श्री सोहन लाल सांखला द्वारा आवास का बैचान श्रीमती अक्षी टांक पत्नि श्री विकास टांक को दिनांक 8.1.2025 कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 949 में क्रम संख्या 202503002100127 पृष्ठ संख्या 86 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 3795 के पृष्ठ संख्या 62 से 72 पर दिनांक 8.1.2025 को चस्पा किया गया। श्रीमती अक्षी टांक पत्नि श्री विकास टांक ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्रीमती अक्षी टांक पत्नि श्री विकास टांक का नाम मण्डल रिकॉर्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुंजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

- सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन खण्ड अजमेर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक-न.पा.वि./नामा/2025/4596 | आम सूचना | दिनांक: 10-11-25

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान व प्लाट गृहकर पंजिका में अन्तरण हेतु निम्न विरासत पत्रावली प्राप्त हुई है। अगर किसी को आपति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते हैं, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्ज/आपति मान्य नहीं होगी।-

नामान्तरण

फाइल नं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ नामान्तरण	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
313	मनीष बडौला पुत्र मनोहरसिंह बडौला	हरिकृष्णा मानसिंहका पुत्र रघुनाथसिंह मानसिंहका	राजस्व ग्राम बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 1086/1 भू.सं. 103	138.88 SQ.Yard	आवासीय
314	मनीष बडौला पुत्र मनोहरसिंह बडौला	हरिकृष्णा मानसिंहका पुत्र रघुनाथसिंह मानसिंहका	राजस्व ग्राम बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 1086/1 भू.सं. 104	138.88 SQ.Yard	आवासीय

-अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष चौधरी के स्वागत में सैलाब उमड़ा

■ जयपुर से काफिले के साथ रवाना हुए जिलाध्यक्ष चौधरी का बगरू में कार्यकर्त्ताओ ने साफा बंधवाकर हर्ष व्यक्त किया

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। अजमेर देहात कांग्रेस नवनियुक्त जिलाध्यक्ष एवं किशनगढ़ विधायक डॉ. विकास चौधरी के आगमन पर स्वागत सत्कार के लिये सैलाब उमड़ पड़ा। जयपुर से काफिले के साथ रवाना हुए जिलाध्यक्ष चौधरी का बगरू में कार्यकर्त्ताओ ने साफा बंधवाकर हर्ष व्यक्त किया। बाद काफिले ने जैसे ही अजमेर का रुख किया, कार्यकर्ताओं का उत्साह आसमान छूता हुआ नजर आया। गाडोता, मोखमपुरा, दूदू, पडासोली व दांतरी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जयकारों के बिच अभिनंदन किया। अजमेर जिले की सीमा में सैकड़ों वाहनों के साथ कार्यकर्ताओं ने इनका स्वागत कर कांग्रेस संगठन की मजबूती और एकजुटता का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। बड़गांव टोल प्लाजा पर एकत्रित विधानसभा क्षेत्र किशनगढ़, पुष्कर, मसूदा, नसीराबाद व दूदू क्षेत्र के वरिष्ठ नेता, ब्लॉक अध्यक्ष, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई तथा विभिन्न मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष विकास चौधरी का ऐतिहासिक स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने साफा, माला, पुष्पवर्षा और पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया।जिलाध्यक्ष डॉ विकास चौधरी ने प्रेस से रूबरू होते हुए कहा कि यह उत्साह व्यक्ति का नहीं, पूरे कांग्रेस परिवार का सम्मान है। मेरा संकल्प है कि बूथ स्तर पर संगठन को इतना मजबूत किया जाएगा कि आने वाले नगर निकाय और पंचायती राज चुनावों में कांग्रेस प्रचंड विजय हासिल कर सके। उन्होंने कहा वर्तमान टीम उत्साही व संगठन को गति देने वाली है, सभी कार्यकर्ताओं, युवाओं और महिलाओं को साथ लेकर संगठन को नई दिशा दी जायेगी। विकास चौधरी ने तेजा धाम सुरसुरा में पूजा-अर्चना कर पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर में दर्शन किये। साथ ही अजमेर पहुंच विश्वप्रसिद्ध ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में जियारत कर देश प्रदेश में अमन, चैन और तरक्की की दुआ मांगी। इस दौरान पूर्व मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ, पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड, नवनियुक्त अजमेर शहर जिला अध्यक्ष डॉ राजकुमार जयपाल, पूर्व देहात जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड, डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी, वाजीद खान चीता,हमीदा बानो, मोहित खंडेलवाल, राहुल चोरड़िया सहित सैकड़ो कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

विभिन्न विकास कार्यों के संबंध में जिला कलेक्टर ने रखी बैठक

डीडवाना(निसं)। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में जिला कलेक्टर डॉ महेंद्र खड़गावत के द्वारा जिले के विभिन्न विकास कार्यों के संबंध में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। जिला कलेक्टर डॉ खडगावत ने कहा सरकारी कार्यालयों के लिए भूमि आवंटन किया जा चुका है। अभी हाल ही में हमने पुलिस लाइन के लिए और पुलिस लाइन की शूटिंग रेंज के लिए और कई थानों को भी जमीन आवंटन का कार्य पूर्ण किया है। इस बार हम यह कर रहे हैं कि जमीन आवंटन के साथ-साथ उनका रजिस्ट्री भी तुरंत करवा रहे हैं। ताकि समस्या किसी को ज्यादा इधर-उधर जाना ना पड़े कम से कम 8 से 10 डिपार्टमेंट ऐसे हैं जिनके पास बजट है, आने वाले महीने-दो महीने में उनके कार्यालय बनना प्रारंभ हो जाएंगे। आवंटन इस प्रकार से किया गया है कि जिले का चहुँमुखी विकास हो। चारों दिशाओं में जमीनों का आवंटन किया गया है और हमने इस चीज़ का भी ध्यान रखा है कि कोई गलत तरीके से इस आवंटन का लाभ ना ले। किसी को वास्तविक लाभ या नेचुरल बेनिफिट मिल रहा है तो मिले। हम लोग 900 से ज्यादा स्कूलों को पट्टे जारी कर चुके हैं और लगभग 1300 कुछ स्कूलें ही अपने जिले में हैं। कुछ स्कूलों के लिए खेल मैदान के लिए भी जमीन हम दे चुके हैं और दे भी रहे हैं। कुछ नई स्कूलें बननी हैं उनके लिए भी हम भूमि दे रहे हैं। हमारा उद्देश्य यही है कि स्कूलों केआज से 50-50 साल से 60-60 साल पुरानी स्कूलें हैं, उनके पास पट्टे नहीं हैं, और पट्टे नहीं होने के कारण वह राज्य सरकार और केंद्र सरकार की कई योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते। कई जगह पर ऐसा आया है कि लैंड उनके नाम से है ही नहीं या कहीं पे कब्ज़ा हो गया है। तो हमने इन सब चीजों को दरकिनार करके इसका स्वामित्व उन स्कूलों को दिया है ताकि अधिकारपूर्ण तरीके से वह किसी भी सरकारी योजना का लाभ ले सके।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में श्रमदान आज

अजमेर(कासं)। वन्देमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई वाहन रैली एवं रक्तदान शिविर के बाद बोर्ड कार्यालय की समस्त शाखाओं एवं परिसर की स्वच्छता के लिए स्वच्छता दिवस बुधवार को आयोजित किया जाएगा। बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कार्यालय में बुधवार को लंच पूर्व समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण अपनी शाखाओं में आंतरिक सफाई, फाईले, रिकॉर्ड सुव्यवस्थित करेंगे। लंच के बाद बोर्ड व रीट कार्यालय परिसर की सफाई के लिए श्रमदान करेंगे। इस संबंध में विभिन्न दलों का गठन किया है। इस अवसर पर संविधान की प्रस्तावना का पठन भी किया जाएगा।

सार-समाचार

कैंसर प्रिवेंशन शिविर में बालिकाओं के टीके लगाये

मदनगंज-किशनगढ़(निसं)। भारत विकास परिषद एवं मार्बल सिटी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में रतनलाल कंवरलाल पाटनी फाउंडेशन के आर्थिक सहयोग से आयोज्य निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर प्रिवेंशन टीकाकरण शिविर में 603 बालिकाओं को प्रथम डोज के टीके लगाये जा चुके है। अध्यक्ष प्रहलाद अग्रवाल व भगवान बाहेती ने बताया की प्रत्येक शनिवार व रविवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक टीका करण किया जा रहा है, प्रथम डोज का टीकाकरण 30 नवम्बर तक करने के साथ दिसम्बर माह से जिन बालिकाओ को प्रथम डोज लगाया गया है ऊन बालिकाओ के द्वितीय डोज लगाया जायेगा। टीकाकरण के लिये बालिका को आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य है। टीकाकरण माता-पिता की सहमति से ही लगाया जाएगा। प्रथम डोज व द्वितीय डोज के मध्य 6 माह का अंतराल रहेगा। टीकाकरण मार्बल सिटी हॉस्पिटल में कार्यरत स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ शिखा ठाकुर की देखरेख में किया जा रहा है। सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा में होता है। गर्भाशय ग्रीवा वह हिस्सा होता है जो गर्भाशय को योनि से जोड़ता है। देश में हर दिन इसकी वजह से करीब दो सौ महिलाओ की मृत्यु हो जाती है। इस हेतु 9 वर्ष से 14 वर्ष की बालिकाओ का सही समय पर वेक्सीनेशन होना अनिवार्य है। शिविर में प्रकल्प प्रभारी सुभाष जामड़, सह प्रभारी विनोद थानवी ने सेवाएं दी।

संभाग स्तरीय वाटरशेड महोत्सव 6 दिसम्बर को

अजमेर, (निसं)। संभाग स्तरीय वाटरशेड महोत्सव 2025 कार्यशाला का आयोजन आगामी 6 दिसम्बर को डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज सभागार में प्रातः 11 बजे से किया जाएगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम प्रकाश ने बताया कि कार्यक्रम में प्रातः 10 बजे कलश यात्रा एवं रंगोली का आयोजन होगा। महोत्सव के लिए सहायक अभियन्ता शलभ टण्डन को समन्वयक नियुक्त किया गया है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गुरूवार को

अजमेर, (निसं)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गुरूवार 27 नवम्बर को सायं 5 बजे जिला कलेक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता अशोक कुमार तंवर ने दी।

27 नवम्बर को अजमेर पहुचेगी यमुना प्रवाह यात्रा

अजमेर,(कासं)। भारतीय जनता पार्टी शहर जिला अजमेर जिला अध्यक्ष रमेश सोनी ने प्रेस वार्ता कर बताया कि देश की रियासतों के एकीकरण का महत्वपूर्ण कार्य करने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वी जयंती के अवसर यूनिटी मार्च के तहत देश मे एकता संदेश देने के लिए निकाली जा रही यमुना प्रवाह यात्रा की 27 नवम्बर को अजमेर पहुचेगी। सोनी ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर देश के चार हिस्सों से केंद्र सरकार चार यात्राएं निकाल रही है। इन यात्राओं के नाम देश की प्रमुख नदियों पर रखे गए हैं। दो यात्राएं गंगा प्रवाह और यमुना प्रवाह यात्रा राजस्थान से होकर निकलेंगी जो 10 जिलों को कवर करेगी। यमुना प्रवाह यात्रा को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को जयपुर के अमर जवान ज्योति से फ्लैग ऑफ करेंगे,यह यात्रा जयपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर और सिरोही जिले से होते हुए गुजरात के करमसद पहुंचेगी। जिलाध्यक्ष सोनी ने बताया कि 27 नवंबर सुबह 10 बजे अजमेर मे प्रवेश करेगी जिसका शहर जिला अजमेर द्वारा भव्य स्वागत अभिनंदन व विद्यार्थी सम्पर्क का कार्यक्रम अम्बेडकर सभागार, जे.एल.एन मेडिकल कॉलेज अजमेर मे किया जायेगा जिसमें अजमेर के सभी जनप्रतिनिधि व विद्यार्थी उपस्थित रहेंगे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे का यात्रा कार्यक्रम

अजमेर, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे का बुधवार 26 नवम्बर को अजमेर आने का कार्यक्रम है। अतिरिक्त जिला कलेक्टर नरेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि वे प्रातः 11 बजे महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके उपरांत वे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती में 137 का चयन

अजमेर,(निसं)। सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती शिविर में 137 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। कौशल नियोजन एवं उद्यिमता विभाग के संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) ने बताया कि ग्रामीण एवं शहरी शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए तहसील स्तर पर भर्ती चयन परीक्षा आयोजित की जा रही है। मंगलवार 25 नवम्बर को राजकीय आईटीआई अजमेर में आयोजित परीक्षा में 375 युवाओं ने भाग लिया। मापदंडों के आधार पर नीमच से आए भर्ती अधिकारी महिपाल सिंह सिनसिनवार ने 137 युवाओं का चयन किया। बुधवार 26 नवम्बर को परीक्षा राजकीय महिला आईटीआई अजमेर में आयोजित की जाएगी। वरिष्ठ भर्ती अधिकारी महिपाल सिंह और सहायक भर्ती अधिकारी रामेश्वर लाल प्रजापति ने बताया कि शारीरिक मापदंडों के आधार पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। संबंधित आईटीआई में प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक भर्ती परीक्षा रहेगी। अभ्यर्थी की लंबाई 168 सेमी, वजन 56 से 90 किलो, उम्र 19 से 40 वर्ष तथा 80-85 सीना माप वाले दसवीं उत्तीर्ण, अनुत्तीर्ण और ग्रेजुएट अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। जिले में एवं जिले के बाहर कार्य करने के इच्छुक चयनित उम्मीदवारों का फिजिकल परीक्षण के बाद रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। एक माह प्रशिक्षण के बाद 65 वर्ष तक नौकरी दी जाएगी। वेतन सुरक्षा जवान के लिए 14 हजार से 24 हजार, सुरक्षा सुपरवाइजर के लिए 15 हजार से 35 हजार तथा सुरक्षा अधिकारी के लिए 27 हजार से 35 हजार तक रहेगा। पीएफ पेंशन, ग्रेच्युटी, बीमा, वार्षिक वेतन वृद्धि, आवास और मैस सुविधा भी शामिल होंगी। प्रशिक्षण के बाद अभ्यर्थियों को औद्योगिक क्षेत्र, मल्टीनेशनल सेक्टर, चित्तौड़गढ़ किला, कुम्भलगढ़ किला, मेट्रो, हवाई अड्डा और बंदरगाह जैसे क्षेत्रों में नियुक्ति दी जाएगी।

ज़िला स्तरीय बैंकिंग समन्वय समिति की बैठक 26 नवंबर को

भीलवाड़ा(निसं)। ज़िला स्तरीय समीक्षा समिति एवं ज़िला स्तरीय बैंकिंग समन्वय समिति की बैठक जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में 26 नवंबर को सायं 5 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होगी। यह जानकारी मुख्य प्रबंधक अशोक कुमार पाण्डेय ने दी।

MANAPPURAM FINANCE LTD.

CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.12.2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुनः सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
अजमेर, रामगंज अजमेर, 111700700019916, 111700730032091,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 9911809139 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु

मुख्यमंत्री ने श्री मीरा-माधव व श्रीकृष्ण मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शिरकत की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा को 11 लाख रुपये का चेक सौंपा

पाली, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार सनातन संस्कृति के उत्थान, गौसेवा और युवा, महिला, मजदूर तथा किसान सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ-साथ विरासत के मंत्र को आत्मसात् करते हुए राज्य सरकार मन्दिरों और तीर्थ स्थलों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को पाली के नेतरा में भगवान श्री मीरा-माधव मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां गौशाला परिसर में बने मन्दिर में भगवान श्री मीरा-माधव सरकार की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें गौमाता की चरण धूलि से पवित्र इस पुण्य भूमि पर आने का अवसर मिला है। यहां भगवान श्रीकृष्ण और भक्त शिरोमणि मीरा बाई की आराधना होगी, जिससे नेतरा गांव की पुण्य भूमि साक्षात बैकुंठ के समान बन जाएगी।

पाली में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश में सनातन संस्कृति के संरक्षण में अनेक कार्य हुए हैं। सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण पूर्ण हुआ है। यह मंदिर सांस्कृतिक तौर पर विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। आज करोड़ों लोगों धार्मिक भावनाओं को पूरा करते हुए प्रधानमंत्री ने श्री राम मंदिर में धर्मध्वजा फहराई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर के साथ केदारनाथ एवं बद्रीनाथ जैसे आस्था धामों में विश्व स्तरीय विकास के कार्य कराए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने गौ संरक्षण और संवर्धन योजनाओं के लिए 2 हजार 791 करोड़ रुपये की अनुदान राशि दी है। प्रत्येक पंजीकृत गौशाला को प्रतिदिन प्रति गाय 50 रुपये और छोटे बछड़े के लिए 25 रुपये की सहायता दी जा रही है। 341 गौशालाओं में आधारभूत सुविधाओं का निर्माण कराया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के तहत 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा को 11 लाख रुपये का चेक सौंपा। कार्यक्रम में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद मदन राठौड़, लुम्बाराम चौधरी, विधायक छगन सिंह राजपुरोहित सहित अन्य

- **राज्य सरकार ने संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा**

जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोजत में बिलावास गोशाला सेवा समिति द्वारा आयोजित श्री कृष्ण भगवान मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में गौमाता का बड़ा महत्व है। हम पहली रोटी गौमाता को देते हैं। हम नदी, पेड़ों और पहाड़ों के साथ-साथ गौमाता को भी पूजते हैं। उन्होंने आमजन से गौवंश संवर्धन का आव्हान किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण भगवान मंदिर परिसर में भगवान श्रीकृष्ण एवं अन्य देवी देवताओं की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आयोजित यज्ञ में मंत्रोच्चार के बीच आहूति दी। उन्होंने गाय का पूजन कर गुड़ भी खिलाया। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सांसद मदन राठौड़ और पी.पी. चौधरी, विधायक शोभा चौहान सहित जनप्रतिनिधि व आमजन उपस्थित रहे।

जमीन विवाद पर बुजुर्ग पर हमला, वीडियो वायरल

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा ज़िले के आसींद थाना क्षेत्र के सुलवाड़ा गांव में ज़मीनी विवाद को लेकर एक बुजुर्ग व्यक्ति पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। यह घटना सोमवार शाम की बताई जा रही है, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, सुलवाड़ा निवासी मेवाराम गुर्जर अपने खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान महिला और पुरुष समेत दर्जनों लोगों ने मिलकर उन पर अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने लाठी और डंडों से बेरहमी से पीटा, जिससे मेवाराम गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

पीड़ित के परिजनों ने आसींद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में आरोपी गोमाराम गुर्जर, राजू गुर्जर, कालूराम गुर्जर, दयाराम गुर्जर और एक अन्य कालूराम गुर्जर सहित कई अन्य लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत दी गई है। परिवार ने सभी आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। घटना के तुरंत बाद घायल मेवाराम को आसींद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में ज़िला अस्पताल भीलवाड़ा के लिए रेफर करना पड़ा। उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

आसींद पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

राजस्थान युवा बोर्ड
(युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार)
सवाई मानसिंह स्टेडियम, प्रथम तल, जयपुर टेलीफैक्स 0141-2741489

क्रमांक :- प. 01(15)रायुबो/2025-26/00021-7863630/राजकाज 18986294 जयपुर, दिनांक :- 24/11/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26

राज्य सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2025-26 बिन्दु संख्या 13 राज्य स्तरीय "राजस्थान युवा महोत्सव" का भव्य एवं सफल आयोजन हेतु ईवेन्ट मैनेजमेंट (EVENT MANAGEMENT) के सम्पूर्ण कार्य हेतु दक्ष, प्रतिष्ठित व अनुभवी फर्मों/संस्था/कम्पनी से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26, दिनांक 15.12.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक आंमत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित पूर्ण विवरण राजस्थान युवा बोर्ड की वेबसाइट www.youthboard.rajasthan.gov.in लोक उपापन पार्टल http://sppp.rajasthan.gov.in एवं e-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/14526 सदस्य सचिव

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल-सब्जी) अजमेर

क्रमांक अजमेर /आबंटन/2025-26/645-658 दिनांक 19.11.2025

आवंटन विज्ञप्ति

कृषि उपज मण्डी समिति (फल-सब्जी) अजमेर के मुख्य मण्डी प्रांगण में कोल्डस्टोरेज हेतु चिन्हित 01 भूखण्ड साईज 6187.50 वर्गफुट के अचल सम्पत्ति आबंटन नीति 2005 के बिन्दु संख्या 14 (2) के तहत आबंटन हेतु इच्छुक/पात्र आवेदकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं, जिनमें दि. 30.01.23 को कोल्डस्टोरेज हेतु जारी विज्ञप्ति में प्राप्त आवेदनों को भी सम्मिलित किया जावेगा।

इच्छुक पात्र व्यक्ति/फर्म कोल्डस्टोरेज हेतु चिन्हित भूखण्ड के आवंटन हेतु दिनांक 28.11.25 से इस कार्यालय से आवेदन पत्र की देय शुल्क राशि रूपये 1000/- जमा करवाया जाकर आवेदन प्राप्त कर सकेंगे व आवेदन पत्र की आवश्यक प्रतिपूर्ती मय वांछित दस्तावेजों के निर्धारित धरोहर राशि परियोजना लागत का 1 प्रतिशत अथवा रूपये 10,00,000/- (जो भी कम हो) आवेदन पत्र के साथ डी.डी./पे ऑर्डर के साथ कृषि उपज मण्डी समिति (फल-सब्जी) अजमेर में दिनांक 28.12.25 तक कार्यालय समय में जमा करा सकेंगें। शेष शर्तें कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

नोट :- धरोहर राशि नकद व चैक द्वारा स्वीकार्य नहीं है (राजकीय अवकाश के दिन आवेदन पत्र प्राप्त व जमा नहीं किये जायेगें)

राज.संवाद/सी/25/14577 प्रशासक सचिव

कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली - बूंदी
(कृषि विश्वविद्यालय, कोटा), P.O. Hindoli, Distt. Bundi (Rajasthan) 323023,
Email: deancoahindoli2021@gmail.com, Mobile: 9414539008

एफ. :- एफ.13( )/कृविको/कृमविहि/टेण्डर/2025/1621 - 22 दिनांक :- 20/11/2025

खुली-बोली सूचना संख्या - 2025-26/02

कृशि महाविद्यालय हिण्डोली - बून्दी में इन्टरेक्टिव पेनल, डिजिटल पोडियम, वी.सी.पी.टी. जेड. केमरा, मिक्सर एम्पलीफायर, स्पीकर एवं माइक्रोफोन सिस्टम आदि आईटम की आपूर्ति एवं स्थापना हेतु अधिकृत बोलीदाता/संवेदको से ऑनलाईन बोलियां आमंत्रित की जाती है। बोलियों से संबंधित अन्य विवरण कृषि विश्वविद्यालय कोटा की वेबसाइट http://aukota.org राजस्थान स्टेट पोर्टल की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। टेंडर की अनुमानित कीमत 13.59 लाख है।

NIB Code: AUK2526A0072
UBN: AUK2526GLOB00077

राज.संवाद/सी/25/14508 अधिष्ठाता

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) उदयपुर

क्रमांक :- निविदा/PMFME-CIC(O&M)/2025-26/633-44 दिनांक :- 24/11/2025

ई-निविदा सूचनाः 01/ 2025-26

कृषि उपज मण्डी समिति, (फल सब्जी) उदयपुर द्वारा खाद्य प्रसंस्करण सुविधाओं के लिये दो प्रसंस्करण लाईनों (1. Fruits Pulp and Juice line and 2. Cleaning, grading, Packaging and Paste Unit of Spices) हेतु कॉमन इन्क्यूबेशन सेन्टर की स्थापना की जा रही है। इन्क्यूबेशन सेन्टर को व्यावसायिक आधार पर किसी तीसरे पक्ष/निजी संस्थान को 05 वर्ष हेतु ठेके पर संचालन एवं प्रबंधन (O&M) के लिये इच्छुक योग्य निर्माताओं/वितरकों/फर्मों/पंजीकृत संस्थाओं/कम्पनीयों से दिनांक 25.11.2025 से 09.12.2025 तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबन्धित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in / www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.agriculture.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB :- (DAM2526A0592), UBN :- (DAM2526WSOB01044)

राज.संवाद/सी/25/14527 प्रशासक सचिव

इनामी बदमाश गिरफ्तार

नदबई/भरतपुर, (निसं)। नदबई क्षेत्र में बैलारा सर्किल के समीप करीब तीन माह पहले शराब ठेका पर शराब की ओवररेट को लेकर हुए विवाद के बाद पीड़ित के घर पर फायरिंग करने के मामलें में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन माह से फरार 20 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से गिरफ्तार बदमाश को जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार बैलारा निवासी अभिषेक कुमार उर्फ शूटर पुत्र उदयसिंह को मुखबिर की सूचना से बैलारा से हिरासत में लिया। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया।

गौरतलब है कि 20 अगस्त को गांव बैलारा निवासी सरमन सिंह, बैलारा सर्किल के समीप अंग्रेजी शराब ठेका पर शराब लेने गया। इसी दौरान ओवररेट को लेकर सरमन सिंह व ठेका सेल्सकर्मी संजू उर्फ भरतसिंह के बीच विवाद होने पर ठेका सेल्सकर्मी ने सरमन सिंह से मारपीट शुरु कर दी।

पूर्व मंत्री भरत सिंह की पत्नी के खिलाफ एसीबी ने मुकदमा दर्ज किया

- **कुंदनपुर पूर्व सरपंच मीना कुमारी पर बेशकीमती जमीन के पट्टे 100 रुपए में देने का आरोप**
- **पूर्व सरपंच मीना कुमारी ने इस मामले को भाजपा के बड़े नेताओं की साजिश बताया**

कोटा, (निसं)। दिवंगत पूर्व मंत्री भरत सिंह की पत्नी मीना कुमारी के खिलाफ राज्य सरकार की अनुशंसा पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और धोखाधड़ी सहित कई धाराएं जोड़ी गई हैं। मामले में एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा ने मुकदमा दर्ज करने के लिए एफआईआर को ड्राफ्ट करवा कर जयपुर प्रेषित किया था, जहां पर मुख्यालय से 20 नवम्बर को मुकदमा दर्ज हो गया। दूसरी तरफ पूर्व सरपंच मीना कुमारी ने इस मामले को भाजपा के बड़े नेताओं की साजिश बताया है।

मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक अनीस अहमद को सौंपी गई है। अनीस अहमद का कहना है कि मुकदमा दर्ज हुआ है, लेकिन फिलहाल उनके पास पत्रावली नहीं आई है। इस मामले में पत्रावली आने पर आगे जांच पड़ताल शुरू कर दी जाएगी। इसमें शुरुआती जांच सरकार ने विभाग के स्तर पर करवाई थी। इसके बाद ही विभाग ने एसीबी में मुकदमा दर्ज करने की अनुशंसा की थी। दूसरी तरफ पूर्व सरपंच मीना कुमारी ने इस मामले को भाजपा के बड़े नेताओं की साजिश बताया है। मामले के अनुसार कुंदनपुर की पूर्व सरपंच मीना कुमारी के खिलाफ सांगोद के उप प्रधान ओम नागर अड़ूसा ने शिकायत दी थी। शिकायत मिलने के बाद पंचायत राज विभाग ने जांच करवाई थी। इस मामले में जयपुर के निर्देश पर एक जांच कमेटी बनी थी। इस कमेटी की जांच रिपोर्ट में मीना कुमारी और तत्कालीन ग्राम सचिव पर आरोप लगा है कि उन्होंने चार आवंटियों को बेशकीमती भूमि पर डीएलसी दर की जगह 100 रुपए में पट्टे आवंटित कर दिए थे। यह पट्टे दिनेश नागर, लक्ष्मण सिंह, ईश्वर सिंह और अर्जुन सिंह के नाम थे। इसके बाद अगस्त 2025 में पंचायत राज विभाग के एडिशनल कमिश्नर और उपशासन सचिव इंद्रजीत सिंह ने एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे।

इस पूरे मामले पर कुंदनपुर की पूर्व सरपंच मीना कुमारी का कहना है कि सरासर झूठा और गलत मामला है। भाजपा के बड़े नेताओं के दबाव में इस तरह का मुकदमा दर्ज हुआ है। हमने पूरी ईमानदारी से काम किया है। कुंदनपुर ग्राम पंचायत से ईमानदार ग्राम सचिव को भी हटा दिया था। इसी के चलते मैंने भी सरपंच पद से इस्तीफा दे दिया था। मेरे पति भरत सिंह पंचायत राज और पीडब्ल्यूडी सहित कई विभागों के मंत्री रहे हैं। हमारे परिवार की ईमानदारी की मिसाल पूरा गांव देता है।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दूरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www-udaipurmc.org

क्रमांकः-राजस्व/2025-26/510 दिनांकः-19.11.2025

ई-निविदा आमन्त्रण सूचना संख्या-ई-08/2025-26/503 की संशोधित सूचना

कार्य का नाम :- नगर निगम उदयपुर द्वारा निर्देशित स्थानो पर सुरक्षा गार्ड वार्षिक दर संविदा पर उपलब्ध कराने का कार्य

नगर निगम, उदयपुर द्वारा जारी ई-निविदा आमन्त्रण सूचना संख्या-ई-08/2025-26/503 दिनांक 22.09.2025 UBN No. UNP2526SLOB00106 की संशोधन सूचना (Corrigendum Notice) का अवलोकन इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर किया जा सकता है। निविदा जमा कराने कि अंतिम दिनांक 01.12.2025 समय दोपहर 01:00 बजे तक की जाती है।

आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर

राज.संवाद/सी/25/14413

बारां सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार लिमिटेड, बारां

क्रमांक :- 890 दिनांक :- 17/11/2025

BID INVITATION NOTICE

Bids for Rashan, Grocery and General Items Supply of Subject matters of Procurement are invited form interested bidders up to (E- Tender Date 08-12-2025) Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state.

UBN No. CCF2526GLOB00019

Raj.Samwad/C/25/14525 General Manager

कार्यालय नगर पालिका सपोटरा, जिला - करौली

क्रमांक :-1281 दिनांक :-19.11.25

ई निविदा सूचना

नगर पालिका सपोटरा की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई-प्रोक्यूमेट प्रकिया द्वारा ऑन लाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा से संम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in AND http://sppp.rajasthan.gov.in पर निम्न (NIB CODE-DLB2526A8239) UBN No-DLB2526WSOB24636 पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सपोटरा

राज.संवाद/सी/25/14538

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd., JAIPUR

No.NIT/2025-26/27302-17 **निविदा सूचना /2025-26** Date:24.11.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू.)	निविदा सूचना संख्या
Construction of Bridge at Km. 9/0 on Amjhar River. UBN : RRC2526WLOB00942	843.74 Lakh	अल्पकालीन ई-512/25-26
Construction of ITI Building at Mandan District Alwar. UBN : RRC2526WLOB00941	663.60 Lakh	ई-514/25-26
Construction of Guest House & Vth Class Residence in Campus of Marwar Medical University at Borawas, District Jodhpur UBN : RRC2526WLOB00932	517.09 Lakh	

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। महाप्रबंधक

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति कैलाश नगर हिण्डौन सिटी जिला करौली (राज.)

क्रमांक :- राजकाज 18975371 दिनांक :- 21/11/2025

बोली आमंत्रण सूचना संख्या-05/2025-26

इच्छुक बोलीदाताओं से बागवानी ठेका, प्रकाश व्यवस्था ठेका, मोटर पम्प चालक ठेका, इन्टरनेट डाटा ठेका, जीप किराया ठेका, गौण मण्डी प्रांगण करौली में केन्टीन संचालन ठेका (खुली बोली नीलामी) हेतु बोली /निविदा दिनांक 01.12.2025 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा के सबंध के अन्य विवरण राजस्थान राज्य की उपापन पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in पर और विभागीय वेबसाईट www.agriculture.rajasthan.gov.in/dam पर देखे जा सकते है।

UBN - क्रमशः DAM2526SSOB01035, 01036, 01038, 01039, 01040, 01041

राज.संवाद/सी/25/14531 प्रशासक सचिव

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION DHOLPUR

File No-6256-6269 Date-19.11.2025

Notice Inviting Bid

NIB code PWD2526A4382 and UBN is: PWD2526WSOB17224
NIB code PWD2526A4382 and UBN is: PWD2526WSOB17225
NIB code PWD2526A4382 and UBN is: PWD2526WSOB17227
NIB code PWD2526A4382 and UBN is: PWD2526WSOB17228
NIB code PWD2526A4382 and UBN is: PWD2526WSOB17229
NIB code PWD2526A4382 and UBN is: PWD2526WSOB17230
NIB code PWD2526A4382 and UBN is: PWD2526WSOB17231
NIB code PWD2526A4382 and UBN is: PWD2526WSOB17232

Bids For NIT No. 12/2025-26 Misc. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 19.11.2025 6.00 PM to Date 27.11.2025 upto 6.00 Noon. Other particulars of the id may be on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 138.04 Lacs..

(Naresh chand Meena)
Executive Engineer PWD
Division Dholpur

DIPR/C/17242/2025

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु/विकास शाखा/2025/8312 दिनांक :- 20.11.2025

:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-

नगर परिशद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 28.11.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2526WSOB24765) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिशद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद/सी/25/14597

आरएएस 2024 : प्रथम चरण के साक्षात्कार 1 से 12 दिसंबर तक होंगे

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आरएएस-2024 भर्ती के साक्षात्कार कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। प्रथम चरण के इंटरव्यू एक दिसंबर से 12 दिसंबर तक आयोजित किए जाएंगे। आयोग ने साक्षात्कार पत्र अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए हैं, जिन्हें अभ्यर्थी ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं। साक्षात्कार पत्र ऑफ लाइन नहीं भेजे जाएंगे।

आयोग सचिव के अनुसार इंटरव्यू में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरा गया विस्तृत आवेदन पत्र, अटेस्टेशन फॉर्म, सेवा प्राथमिकता क्रम की दो प्रतियां, सभी संलग्नक दस्तावेजों की प्रतियों के साथ मूल दस्तावेज लाना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों की सूची और दिशा-निर्देश आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इस भर्ती में कुल 1096 पद शामिल हैं। प्रारंभिक विज्ञापन में 733 पद थे, जिन्हें 17 फरवरी 2025 को बढ़ाकर 1096 किया गया। इनमें राज्य सेवा के 428 और अधीनस्थ सेवा के 668 पद शामिल हैं। भर्ती के लिए 6 लाख 75 हजार उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। दो फरवरी 2025 को प्रारंभिक परीक्षा आयोजित हुई जिसमें 3 लाख 75 हजार 657 अभ्यर्थी शामिल हुए। 20 फरवरी को जारी परिणाम में 21 हजार 539 उम्मीदवार मेन्स के लिए चयनित हुए। मेन्स परीक्षा 17 और 18 जून 2025 को आयोजित की गई थी। आठ अक्टूबर 2025 को घोषित परिणाम में 2461 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए चुना गया।

फरार आरोपी गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। करीबन पांच दिन पूर्व पुलिस की गाड़ी को देखकर प्लास्टिक की बोतल में ली दो लीटर हथकड़ शराब फैंकर फरार हुए आरोपी को राजगढ़ थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेशकर जेल भेज दिया है। थानाधिकारी राजेश कुमार बिश्नोई ने बताया कि 20 नवम्बर की शाम को पुलिस गस्त कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक जवान उम्र का युवक हाथ में प्लास्टिक की बोतल में हथकढ़ शराब लिये जा रहा है। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी युवक पुलिस की गाड़ी को देखकर फरार हो गया तथा राजेश कुमार कास्टेबल ने पीछा कर बताया कि भागने वाला युवक विकास कुमार पुत्र श्रवण कुमार नायक निवासी वार्ड 01 कस्बा राजगढ़ है, जिस अधिक मात्रा में दो लीटर हथकढ़ शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं प्रकरण में मंगलवार को अनुसंधान अधिकारी महेन्द्र सिंह हैड कास्टेबल ने आरोपी युवक विकास कुमार पुत्र श्रवण कुमार नायक निवासी वार्ड एर्ए कस्बा राजगढ को अनुसंधान के बाद गिरफ्तार किया गया तथा मंगलवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से अदालत के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया।

कार्यालय नगर पालिका, सावर जिला-अजमेर
E-mail : npsawar@gmail.com Ph. - 01467-294025

क्रमांक/नपासा/निविदा/2025-26/866 दिनांक :- 21.11.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 13/2025-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगर पालिका सावर द्वारा 01 कार्य करवाये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जा रही हैं। निविदा कॉपी दिनांक 28.11.2025 को कार्यालय समय में 10 बजे से 2 बजे तक प्राप्त की जाकर 3 बजे तक कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी। जो उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष सांय 4 बजे खोली जायेगी। निविदा/ठेको को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार नगर पालिका में निहित हैं। विस्तृत शर्ते कार्यालय में देखी जा सकती हैं। राजकीय अवकाश होने की स्थिति में उक्त प्रक्रिया आगामी दिवस में सम्पन्न की जावेगी। उक्त निविदा सूचना http://sppp.rajasthan.gov.in पॉर्टल पर भी देखी जा सकती हैं। NIB Code DLB2526A8337 UBN No. DLB2526SSOB24989

नोट :-

कार्य से सम्बन्धित आवश्यक शर्ते एवं जानकारी पालिका कार्यालय में कार्य दिवस या वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका सावर

राज.संवाद/सी/25/14541

कार्यालय नगर पालिका निवाई

क्रमांकः-न.पा.नि. /निर्माण/2025-26/11790 दिनांकः- 19.11.2025

ई. बोली सूचना संख्या :- 36/2025-2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका निवाई में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के संबंधित श्रेणी में "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in व 'http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है :-

बोली का कार्य	NIB Code:- DLB2526A8344 (कुल 1 कार्य)
Unique Bid Number	DLB2526WSOB25000
बोली की कुल लागत	Rs 49.30 लाख (सभी कार्यो की अनुमानित लागत)
बोली जारी करने की दिनाक	दिनांक 24.11.2025 को 13:00 बजे से
बोली दस्तावेजो को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	दिनांक 24.11.2025 को 13:00 बजे से
ऑन लाईन बोली जमा कराने की अन्तिम दिनांक	दिनांक 08.12.2025 सांय 18.00 बजे तक
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	दिनांक 09.12.2025 को अपराह 12:00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	120 Day

अध्यक्ष
नगर पालिका निवाई

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका निवाई

राज.संवाद/सी/25/14544

निर्माणाधीन कुएं में मिट्टी ढहने से दो मजदूर दबे, एक की मौत

दूसरा मजदूर गंभीर घायल, गंभीरावस्था के चलते बारां रैफर किया

घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन व ग्रामीण चिकित्सालय पहुंच गये।

छबड़ा, (निसं)। सेमला गांव में निर्माणाधीन कुएं में कार्य करते समय मिट्टी ढहने से दो मजदूर दब गए, जिसमें से एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं, दूसरा गंभीर घायल हो गया, जिसे गंभीरावस्था के चलते बारां रैफर किया गया है। पाली पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है। वहीं, मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार सेमला गांव में निर्माणाधीन कुएं की मिट्टी ढहने से यहां कार्य कर रहे दो मजदूर मलबे में दब गए। जिन्हें अन्य श्रमिक व मजदूर बाहर निकालकर चिकित्सालय लेकर आए, जहां सेमला निवासी हेमराज (48) पुत्र मदनलाल लोधा को जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया। वही, जगदीश (32) पुत्र जगन्नाथ की हालत गंभीर होने के कारण उसे उपचार के लिए बारां रैफर कर दिया।

परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हालः- घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन व ग्रामीण चिकित्सालय पहुंच गए थे। यहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। हर कोई इस घटना से स्तब्ध था।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) बीकानेर

क्रमांक :- राजकाज 18965829 दिनांक :- 20/11/2025

ई-बोली आमंत्रण सूचना 10/2025-26

कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज)बीकानेर द्वारा मणी प्रांगण में सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था के संचालन के लिए उपापन ठेका पद्वति द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुभवी फर्मो/ठेकेदारों/सद्भावी व्यवहारियों से ई-टेण्डरिंग के अन्तर्गत ऑनलाईन बोली आमंत्रण सम्बन्धित विवरण एवं शर्तो को वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनु. ठेका राशि (लाखों में)	बिड ऑनलाइन डाउनलोड करने की अन्तिम दिनांक एवं समय	ऑनलाईन बिड भरकर कार्यालय में जमा कराने की दिनांक	ऑनलाईन बिड खोलने की दिनांक	ई-प्रोसेसिंग शुल्क	बोली प्रतिभूति राशि रु.	निविदा शुल्क
1	मुख्य मण्डी प्रांगण में सफाई व्यवस्था	48.00	03.12.2025 प्रातः 11.00 बजे तक	03.12.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	03.12.2025 दोपहर 01.00 बजे से	500	96,000	1180
2	मुख्य मण्डी प्रांगण में सुरक्षा व्यवस्था	55.00				1000	1,10,000	1180

बोली की शर्तेः- कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) बीकानेर के मुख्य मण्डी प्रांगण में सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था के संचालन हेतु रजिस्टर्ड फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से ऑनलाईन निविदाऐं आमत्रित की जाती है। बोली सम्बन्धित नियम/शर्ते किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में प्राप्त कर सकतें है। बोली दस्तावेजों को राज्य उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in (UBN No. DAM2526SLOB01013, DAM2526SLOB01014 पर भी देखा जा सकता है। तकनीकी बोली दस्तावेज के साथ बोली प्रपत्र शुल्क, प्रतिभूति राशि का डी.डी. एव ई-टेण्डरिंग के लिए ई प्रोसेसिंग शुल्क का चालान बोली जमा करने की निर्धारित दिनांक व समय तक कार्यालय में जमा करवाया जाना अनिवार्य है एवं देर से प्राप्त होने वाले दस्तावेजों/शुल्क को स्वीकार नहीं किया जावेगा। बोली प्रपत्र शुल्क एवं प्रतिभूति राशि के अभाव में ई-निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) बीकानेर

राज.संवाद/सी/25/14528

''चीफ लोको इंस्पेक्टर'' विभागीय पदोन्नति परीक्षा धांधली में एक आरोपी को राहत मिली

दिल्ली हाईकोर्ट ने माना कि, लोकपाल ने जांच शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता को अनिवार्य सुनवाई का अवसर नहीं दिया

- ज्ञात रहे कि पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा ''चीफ लोको इंस्पेक्टर'' पद के लिए विभागीय पदोन्नति परीक्षा वर्ष 2023 में 13 तथा 17 मई को करवाई थी।
- इस परीक्षा को लेकर आरोप थे कि, रेलवे ऑफिसर्स ने घूस लेकर ओएमआर शीट में हेरफेर की और कुछ अभ्यर्थियों को पुनर्मूल्यांकन में लाभ पहुंचाया
- इस मामले में लोकपाल ने सी.बी.आई. को जांच सुपुर्द की थी, फिलहाल 5 अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच जारी रहेगी

नई दिल्ली/जयपुर (कासं)। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा आयोजित ''चीफ लोको इंस्पेक्टर'' पद के लिए विभागीय पदोन्नति परीक्षा 13 मई 2023 तथा 17 मई 2023 को करवाई गयी थी। इसमें कुल 96 उम्मीदवारों ने भाग लिया था और परिणाम 15 सितंबर 2023 को जारी किए गए। बाद में 6 सितंबर 2024 को लोकपाल के समक्ष शिकायत दर्ज की गई कि, इस परीक्षा में ओएमआर शीट में हेराफेरी की गई। शिकायत में आरोप यह भी लगाया गया था कि, रेलवे अधिकारियों ने रिश्वत लेकर कुछ उम्मीदवारों को लाभ दिया और मूल्यांकन अधिकारी तथा उम्मीदवार के बीच संदिग्ध कॉल रिकॉर्ड पाए गए।

लोकपाल ने इस मामले की प्राथमिक जांच सी.बी.आई. को सौंपी, जिसकी फोरेंसिक जांच में सामने आया कि, ओ.एम.आर. शीट में वाकई हेराफेरी की गई थी। मूल्यांकन अधिकारी भी कुछ अभ्यर्थियों से फोन पर बातचीत करता था। इसके प्राथमिक जांच के बाद सीबीआई को विस्तृत जांच करने के आदेश दिए गए थे, जिसकी रिपोर्ट 9 सितंबर 2025 को लोकपाल को सौंपी गई। जिसमें पांच रेलवे अधिकारी, जिन्हें पहले लोकपाल ने सुनवाई के लिए बुलाया था, के अलावा मुजाहत अली खान को भी आरोपी बनाया और मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश की गई। लोकपाल ने पश्चिम मध्य रेलवे के प्रवर्तन अधिकारी को मुजाहत अली खान से उसका जवाब लेकर लोकपाल के समक्ष प्रस्तुत करने के आदेश दिए थे। परंतु इस कार्रवाई के बीच मुजाहत को एफ.आई.आर. में आरोपी घोषित कर दिया गया था। जिस पर आपत्ति करते हुए मुजाहत अली खान ने दिल्ली हाईकोर्ट के समक्ष याचिका दायर की थी। अदालत ने कहा कि, लोकपाल द्वारा जांच के आदेश वहां तक सीमित किए जाते हैं, जहां तक याचिकाकर्ता मुजाहत अली खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की बात की गई है। क्योंकि उससे पक्ष सुना नहीं गया है। परंतु शेष 5 आरोपियों के खिलाफ जांच जारी रहेगी।

राजस्थान यूनिवर्सिटी की प्रोफ़ेसर नीलिमा गुप्ता को राष्ट्रीय सम्मान

''एस.एम.सी-मेंटर्स अवार्ड'' मुख्यत: राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिकों को मिलता रहा है, किसी भी विश्वविद्यालय से इस सम्मान को पाने वाली पहली प्रतिनिधि है।

जयपुर। राजस्थान के विश्वविद्यालयों में अक्सर रसायनशास्त्र विषय केवल परीक्षा तक सीमित रह जाता है, लेकिन राजस्थान विश्वविद्यालय की प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने इसे शोध और संभावनाओं का क्षेत्र बना दिया है। उनके मार्गदर्शन में सैकड़ों छात्र-छात्राएँ अब स्वयं को भविष्य के शोधकर्ता के रूप में देख रहे हैं। चुपचाप चलती रही इस यात्रा को इस सप्ताह मुंबई में राष्ट्रीय मंच पर मान्यता मिली, जब राजस्थान विश्वविद्यालय के रसायन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता को मुंबई में आयोजित 7वीं मैटेरियल कैमेस्ट्री राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान ''एस.एम.सी-मेंटर्स अवार्ड 2025'' से सम्मानित किया गया।

किसी भी विश्वविद्यालय से इस सम्मान को पाने वाली पहली प्रतिनिधि है; इससे पहले यह पुरस्कार मुख्यत: राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिकों के हवाले रहा है। पिछले 40 वर्षों से प्रोफेसर गुप्ता ने कॉलेज के लेक्चर हॉल तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न मंच से छात्रों को लगातार यही संदेश दिया है, कि स्नातक तथा स्नातकोत्तर डिग्री पर न रुको, आगे बढ़ो और उच्च स्तर के शोधकर्ता बनो। उन्होंने देश-विदेश में लगभग 75 आमंत्रित व्याख्यान दिए और जयपुर में अनेक 100 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया, जिनकी संगोष्ठियों और कार्यशालाओं से हज़ारों विद्यार्थियों को अत्याधुनिक रसायन और फ़ार्मा शोध से रूबरू होने का मौक़ा मिला। इनमें एक बड़ी संख्या ग्रामीण क्षेत्रों की उन छात्राओं की है, जो पहले खुद को केवल 'ग्रेजुएट' मानती थीं और अब शोध और अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं में रिसर्च करियर की कल्पना कर रही हैं।

पुरस्कार समिति और एसएमसी के अध्यक्ष प्रोफेसर ए. के. त्यागी ने कहा कि यह सम्मान प्रोफेसर गुप्ता की प्रभावशाली वैज्ञानिक मेंटरशिप और चार दशकों से अधिक समय तक अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों को संवारने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रोफेसर अल्पना कटेजा ने भी इसे विभाग तथा विश्वविद्यालय में शोध-संस्कृति स्थापित करने की उनकी दीर्घ साधना की राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त करना बताया। प्रोफेसर गुप्ता ने इसे राजस्थान विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए देश के प्रमुख संस्थानों तथा वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़े होने का सम्मान बताया और कहा कि यह मुझे और अधिक छात्रों को शोध और नवाचार की राह दिखाने के लिए प्रेरित करता है।

आधुनिक तकनीक से लैस होगी राजस्थान पुलिस

अपराधियों की कुंडली निकालना अब होगा आसान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस अब अपराध और अपराधी ट्रैकिंग में एक महत्वपूर्ण तकनीकी छलांग लगाने की तैयारी में है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध शाखा हवा सिंह घूमरिया के निर्देशन में राज्य की समस्त फील्ड यूनिट्स के लिए एनसीआरबी नई दिल्ली द्वारा एक गहन ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को नवीनतम तकनीक और कानूनी उपकरणों से लैस करना है ताकि अनुसंधान की गुणवत्ता और गति बढ़ाई जा सके।

इस महत्वपूर्ण सत्र का संचालन एनसीआरबी, नई दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर आईजी जनमेजय खंडूरी और उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण में जिला पुलिस अधीक्षक, डीसीपी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, वृत्ताधिकारी, थानाधिकारी, और सीसीटीएनएस ऑपरेटर सहित पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने भाग लिया।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध शाखा हवा सिंह घूमरिया के निर्देशन में राज्य की समस्त फील्ड यूनिट्स के लिए एनसीआरबी नई दिल्ली द्वारा गहन ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

आईजी खंडूरी ने एनसीआरबी के विभिन्न नए ऐप्स और डैशबोर्ड के उपयोग के बारे में बताया जो पुलिस के दैनिक कार्यों को सरल बनाएंगे। इस आधुनिक प्रशिक्षण से पुलिस को वांछित अपराधियों और महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के मामलों की जाँच में सहायता मिलेगी।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि अब पुलिस अधिकारी अपराधियों की पूरी जानकारी को अधिक प्रभावी ढंग से निकाल और उपयोग कर सकेंगे। महानिरीक्षक एससीआरबी अजयपाल लाम्बा ने भी इन नवीन प्रावधानों और आधुनिक तकनीकी ऐप्स के महत्व पर जोर दिया।

यह कार्यशाला राजस्थान पुलिस को स्मार्ट पुलिसिंग की ओर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नवीनतम कानूनों और तकनीकी उपकरणों का ज्ञान पुलिस बल को डिजिटल युग की चुनौतियों का सामना करने और आपराधिक न्याय प्रणाली को और अधिक कुशल बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

पुलिस जांच को मिलेगी नई धार

विप्र फाउंडेशन ने दी कानूनी लडाई की चेतावनी

जयपुर। विप्र फाउंडेशन ने मध्य प्रदेश में सेवारत अधिकारी संतोष वर्मा की ब्राह्मण बेटियों के बारे में विवादित टिप्पणी की कड़ी भर्त्सना की है। साथ ही कहा है कि जरूरत पड़ी तो कानूनी लडाई भी लडेंगे। विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा ने यहां जारी वक्तव्य में कहा है कि बेटियों के बारे में ऐसी घटिया सोच निश्चित रूप से किसी जाति या समाज की नहीं हो सकती। ये संतोष वर्मा जैसे गंदी मानसिकता वाले बीमार लोगों के विचार है। इनका समुचित उपचार करवाया जाना चाहिये। हम कानूनी तौर पर इलाज करेंगे। उन्होंने कहा कि विप्र फाउंडेशन सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने हेतु कृत-संकल्पित है, सदा रहेगा। उम्मीद है अजाक्स संगठन इसे प्रांतीय अध्यक्ष पद से बर्खास्त कर इसके ख़िलाफ छवि बिगाड़ने का मुकदमा दर्ज करवाएगा।

अखिल अरोड़ा से मिले महासंघ के प्रतिनिधि

जयपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के शिष्टमंडल ने प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में मंगलवार को मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा तथा कार्मिक शासन सचिव अर्चना सिंह से मुलाकात की। उन्होंने विश्वास जताया कि अब कर्मचारी समस्याओं को और तुरंत गति से निराकरण में सफलता मिलेगी। शिष्टमंडल में कुलदीप यादव, देवेंद्र सिंह नरूका, सुभाष यादव, नरपत सिंह, शेर सिंह यादव, कुलदीप, शर्मा, राहुल यादव, ओम प्रकाश चौधरी, बहादुर सिंह, सुरेश नारायण शर्मा आदि कर्मचारी नेता शामिल थे।

औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटित भूखंड़ों का अनुमति उपयोग बदलवा सकेंगे आवंटी

- रीको प्रशासन के ईआरपी पोर्टल पर 26 नवंबर से आवेदन कर सकेंगे इच्छुक पट्टाधारी
- रीको की इस पहल से पट्टाधारियों को अतिरिक्त सुविधा तथा राज्य सरकार को राजस्व मिलेगा
- रीको प्रशासन की इस पहल से प्रदेश में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा मिलेगा एवं नवीन रोजगारों का सृजन होगा

जयपुर (कासं)। रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटित भूखण्डों पर एक अनुमत उपयोग से दूसरे अनुमत उपयोग की स्वीकृति निर्धारित शुल्कों पर प्रदान की जा सकेगी। इस आदेश के अंतर्गत इच्छुक पट्टाधारियों को आवेदन प्रस्तुत करने के लिए रीको का ईआरपी पोर्टल 26 नवम्बर 2025 को प्रात: 10 बजे से खोला जायेगा। ज्ञात रहे कि रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटित भूखण्डों की उपयोगिता और अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी व समयानुकूल बनाने के लिए ''रीको भू-निपटान नियम, 1979 के नियम 20(सी)'' के सम्बन्ध में निदेशक मण्डल ने 24 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी किए थे। आदेश के मुताबिक, अब इच्छुक पट्टाधारी अपने भूखण्ड पर एक अनुमत गतिविधि से दूसरी अनुमत गतिविधि परिवर्तित करना चाहें तो वे अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से रीको ऑनलाईन पॉर्टल पर आवेदन मय शुल्क 25 हजार रुपए तथा विहित दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते है। प्राप्त आवेदनों को परीक्षणोपरांत निर्धारित राशि जमा कराने पर एक अनुमत उपयोग/गतिविधि से दूसरे अनुमत उपयोग/गतिविधि की स्वीकृति जारी की जा सकेगी। रीको भू-निपटान नियम, 1979 के नियम 20 (सी) के अन्तर्गत प्राप्त आवेदनों का निस्तारण ''फर्स्ट कम फर्स्ट आउट (फीफो)'' के सिद्धांत पर निर्णय किया जाएगा।

विस्तृत नियम रीको की वेबसाइट पर उपलब्ध है। रीको की इस पहल से पट्टाधारी अपने भूखण्डों पर अन्य अनुमत गतिविधि का संचालन स्वीकृति के उपरान्त कर सकेंगे, जिससे न केवल उन्हें अतिरिक्त सुविधा प्राप्त होगी, बल्कि राज्य सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी भी होगी। इसके साथ ही इससे प्रदेश में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा मिलेगा एवं नवीन रोजगारों का भी सृजन होगा।

जयपुर में 30 लाख से अधिक परिगणना प्रपत्र डिजिटल हुए

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र सोनी ने 95 बीएलओ को किया सम्मानित

जयपुर कलेक्ट्रेट में मंगलवार को उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ का सम्मान हुआ।

जयपुर (कासं)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत परिगणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जुझारू, समर्पित एवं प्रेरक 95 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

सम्मानित बीएलओ में दिव्यांग बीएलओ, पहली बार जिम्मेदारी संभालने वाले बीएलओ, सेवानिवृत्ति के निकट पहुंच चुके बीएलओ तथा वे

- विपरीत परिस्थितियों में भी लक्ष्य हासिल करने वाले बीएलओ प्रेरणास्त्रोत बने : डॉ. जितेन्द्र सोनी

अधिकारी भी शामिल हैं जिन्होंने भौगोलिक, शारीरिक व भावनात्मक चुनौतियों तथा सीमित संसाधनों के बावजूद लक्ष्य हासिल करने का जज्बा दिखाया। कई बीएलओ ने तो ऐसे क्षेत्रों में भी शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण कर मिसाल कायम की, जहां इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र सोनी ने बीएलओ से संवाद के दौरान उन्होंने न केवल उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना की, बल्कि यह भी कहा कि उनकी यह प्रतिबद्धता पूरे जिले के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने आग्रह किया कि वे अपने अनुभव, ऊर्जा और कार्यकुशलता को अन्य साथी बीएलओ तक पहुँचाकर उन्हें भी लक्ष्य प्राप्ति में मार्गदर्शन दें, ताकि पूरे जिले में पुनरीक्षण अभियान की गति और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली रूप में आगे बढ़ सके।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि सम्मान समारोह में चाकसू विधानसभा क्षेत्र के 23 बीएलओ, बस्सी विधानसभा क्षेत्र के 17 बीएलओ, आमेर विधानसभा क्षेत्र के 16 बीएलओ, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के 10 बीएलओ, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के 9 बीएलओ, दूदू विधानसभा क्षेत्र के 7 बीएलओ, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के 6 बीएलओ, बगरू विधानसभा क्षेत्र के 4 बीएलओ तो वहीं, चौमूं, फुलेरा एवं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के 1-1 बीएलओ को सम्मानित किया गया।

इससे पूर्व भी विगत सप्ताह भी शत प्रतिशत डिजिटलीकरण का लक्ष्य हासिल करने वाले 4 बीएलओ को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया था।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि 30 लाख 75 हजार 806 यानी 63.77 फीसदी से अधिक परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 96 हजार 216, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 98 हजार 474, चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 9 हजार 42, चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 86 हजार 198, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 5 हजार 869, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 3 हजार 858, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 26 हजार 410, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 77 हजार 526, हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 59 हजार 273 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 11 हजार 53, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 50 हजार 658, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 48 हजार 346, बगरू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 4 हजार 271, सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 28 हजार 706, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 15 हजार 472, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 80 हजार 685 एवं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 73 हजार 749 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

अभ्यर्थियों को बैक डेट की फर्जी डिग्री बेचने वाला बदमाश गिरफ्तार

पी.टी.आई. भर्ती परीक्षा फर्जीवाडे मामले में एस.ओ.जी. ने 25 हजार रुपए का इनामी बदमाश दबोचा

- आरोपित रवि त्यागी को पुलिस ने नोएडा से पकड़ा हैं, वह गिरफ्तारी से बचने के लिए देशभर के धार्मिक स्थलों पर छिपता रहा
- इस मामले में ओपीजेएस विश्वविद्यालय चूरू और जेएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद उत्तर प्रदेश के चांसलर, संचालक तथा पूर्व रजिस्ट्रार सहित कई आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी)ने कार्रवाई करते हुए शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) भर्ती परीक्षा-2022 में अभ्यर्थियों को बैक डेट की फर्जी डिग्री बेचने के आरोप में 25 हजार रुपए का इनामी आरोपित रवि कुमार उर्फ रवि त्यागी को गिरफ्तार किया।

एसओजी की पूछताछ में सामने आया कि आरोपित फर्जी डिग्री देने वाली निजी यूनिवर्सिटी में रेगुलर स्टूडेंट का नाम काटकर रुपए देने वाले का नाम जोड़ देते या खाली सीट पर ऐसे युवाओं का नाम भरकर फर्जी डिग्री बनवा देते थे। फिलहाल एसओजी की ओर से मांगने पर भी इन डिग्रियों का रिकॉर्ड मुहैया नहीं करवाया जाता है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एडीजी एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि आरोपित रवि त्यागी को नोएडा से पकड़ा गया। जो गिरफ्तारी से बचने के लिए देशभर के धार्मिक स्थलों पर छिपता रहा।

इस गिरोह ने विभिन्न विश्वविद्यालयों के माध्यम से बेक डेट की फर्जी डिग्रियां और अंकतालिकाएं तैयार करवाकर हजारों छात्रों तक पहुंचाई हैं। इस मामले में ओपीजेएस विश्वविद्यालय चूरू और जेएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद उत्तर प्रदेश के चांसलर,संचालक,पूर्व रजिस्ट्रार सहित कई आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

एडीजी बंसल ने बताया कि आरोपित रवि त्यागी जेएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद में नौकरी करते हुए फर्जी डिग्रियां बनवाने में मुख्य भूमिका निभाता। ओपीजेएस विश्वविद्यालय पर एसओजी की कार्रवाई की जानकारी लगते ही रवि त्यागी फरार हो गया था। रवि की गिरफ्तारी पर एसओजी ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। आरोपी के नोएडा में आने की जानकारी मिलने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी रवि ने ओपीजेएस विश्वविद्यालय से खुद के लिए लॉ में पीएचडी की डिग्री बनवा रखी है। इस डिग्री पर भी संदेह है। इसके आधार पर उसकी पीएचडी की डिग्री की भी जांच की जा रही है।

एडीजी ने बताया कि बैक डेट में फर्जी डिग्रियां बेचने का खेल पीटीआई भर्ती परीक्षा 2022 में तेजी से चला था। जहां अलग-अलग निजी विश्वविद्यालयों के संचालकों ने दलालों के जरिए हजारों छात्रों को बैक डेट में फर्जी डिग्रियां बेची गई। पीटीआई भर्ती 2022 में चयनित अभ्यर्थियों का फर्जीवाड़ा सामने आने पर एसओजी ने केस दर्ज कर जांच शुरू की और जांच के दौरान अलग-अलग विभागों की भर्तियों में भी फर्जी डिग्रियों से नौकरी हासिल करने की जानकारी सामने आई हैं।

फिलहाल फर्जी डिग्री जारी करने के मामले में एसओजी टीम जांच कर रही है। माना जा रहा है कि जांच के दौरान और कई खुलासे हो सकते हैं।

गौरतलब है कि राजस्थान में सरकारी विभागों में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक,डमी अभ्यर्थी बिठाकर परीक्षा पास कराने और फर्जी दस्तावेज के जरिए नौकरी हासिल करने के मामले में एसओजी की जांच लगातार जारी है।

अपात्रों को शिक्षक पद पर नियुक्ति देने पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2021 में दो साल वाले डिप्लोमा से कम पात्रता रखने वालों को नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश मोहन सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विश्वास शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने 31 दिसंबर, 2021 को प्राइमरी और अपर प्राइमरी शिक्षकों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया। जिसमें अनिवार्य शर्त रखी गई कि अभ्यर्थी के पास प्राथमिक शिक्षा में दो साल का डिप्लोमा होना जरूरी है। याचिका में कहा गया कि पात्रता संबंधी विवाद को पूर्व में हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। वहीं इसके खिलाफ खंडपीठ में पेश अपील और सुप्रीम कोर्ट में दायर एसएलपी भी खारिज हो गई थी। ऐसे में यह पूर्व में ही तय हो चुका है कि तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के लिए दो साल का बीएसटीसी डिप्लोमा होना जरूरी है। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार अब एक साल का प्रमाण पत्र रखने वाले अभ्यर्थियों को इस पद पर नियुक्त कर रही है। जबकि उनके पास दो साल की अवधि का बीएसटीसी डिप्लोमा भी नहीं है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार भर्ती विज्ञापन की शर्त में तय पात्रता की पालना सुनिश्चित करे और किसी भी अपात्र की भर्ती प्रक्रिया को आगे नहीं बढाए।

अपूर्वा स्मार्टफोन एप से पेशेंट की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी संभव

जयपुर (कासं)। भगवान महावीर कैंसर अस्पताल की गाइनेकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. अपूर्वा टाक ने केपटाउन में आयोजित इंटरनेशनल गाइनेकोलॉजिकल कैंसर सोसाइटी की ग्लोबल समिट में अपूर्वा स्मार्टफोन ऐप को प्लेनरी सेशन में प्रस्तुत किया। डॉ अपूर्वा एकमात्र भारतीय है जिन्हें यह मौका मिला। समीट में एप की सराहना करते हुए इसे मरीज-केंद्रित डिजिटल केयर के नए युग की शुरुआत बताया गया। राजस्थान की पहली एमसीएच सुपरस्पेशेयलाइज्ड गाइनी ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ अपूर्वा ने बताया कि आज के समय में चिकित्सा क्षेत्र में एआई टूल्स और सर्जरी में रोबोटिक्स का उपयोग बढ रहा है, ऐसे में अपूर्वा एप मरीजों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से बनाया गया है। यह एप मरीजों को अपने लक्षणों और तकलीफों को सरलता से रिकॉर्ड करने की सुविधा देता है। एप से प्राप्त डेटा को मरीजों के इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड (ईएमआर) से जोड़कर बीमारी और जीवन-गुणवत्ता से जुड़ा वास्तविक दुनिया का डेटा प्राप्त किया जा सकेगा। इससे उनकी रियल-टाइम मॉनिटरिंग, बेहतर संवाद और सही समय पर उपचार की शुरूआत का फायदा मिलने के साथ ही यह एप क्लीनिकल ट्रायल्स में डाटा संग्रह करने मे भी सहायक होगा। अपूर्वा (ऑटो इलेक्टानिक पेशेंट रिपोर्टेड आउटकम्स ऑन रियल टाइम वाया ईएमआर अमाल्गमेशन) को यूरोपियन सोसायटी ऑफ मेडिकल ऑन्कोलॉजी की गाइडलाइन के अनुसार तैयार किया गया है। डॉ अपूर्वा का चयन नेशनल कैंसर ग्रिड के प्रोग्राम इंटरनेशनल कोलोब्रेशन फॉर रिसर्च मैथडोलॉजी डवलपमेंट इन ऑन्कॉलोजी में 2024 में हुआ था। इसके तहत डॉ अपूर्वा ने यह एपअंतरराष्ट्रीय मेंटर्स जिसमें अमेरिका के कार्लोस रोड्रिगेज, कनाडा के क्रिस्टोफ़र बूथ, पेरिस के ज़ेवियर पाओलेटी के साथ ही चेन्नई के ए. एस. रामकृष्णन के मार्गदर्शन में पूरा किया गया है।

लग्जरी बस ने खड़े ट्रक को टक्कर मारी, दो की मौत, 20 यात्री घायल

दिल्ली से अहमदाबाद जा रही बस में 36 लोग सवार थे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा

अलवर, (निसं)। अलवर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर लग्जरी बस ने खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। बस का आगे का हिस्सा ट्रक के पिछले हिस्से में घुस गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का आगे का पूरा हिस्सा चकनाचूर हो गया। हादसे में बस कंडक्टर और ट्रक के खलासी की मौके पर ही मौत हो गई। बस और ट्रक के ड्राइवर समेत 20 लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार हादसा मंगलवार सुबह छह बजे पिनान कट के पास हुआ। दिल्ली से अहमदाबाद जा रही बस में 36 लोग सवार थे। एक्सीडेंट के बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से घायलों को बस से निकाला और एम्बुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचाया। बस में आगे के हिस्से में बैठे यात्रियों को ज्यादा चोट आई है।

राजगढ़ थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि सुबह बस और ट्रक का एक्सीडेंट हुआ था। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। कुछ घायलों को अलवर जिला अस्पताल तो कुछ को दूसरे हॉस्पिटल्स में भर्ती कराया गया है।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का आगे का पूरा हिस्सा चकनाचूर हो गया।

- हादसे में बस कंडक्टर और ट्रक के खलासी की मौके पर ही मौत हो गई
- ट्रक का पंचर टायर बदल रहा था खलासी, तभी बस ने ट्रक को टक्कर मार दी

जानकारी के अनुसार, ट्रक का टायर पंचर हो गया था। खलासी टायर बदलने में लगा हुआ था। तभी अचानक तेज रफ्तार बस ने ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। ट्रक खलासी हारून पुत्र अब्दुल निवासी नूंह और लग्जरी बस के कंडक्टर रोशन (30) निवासी कोटपूतली की मौके पर मौत हो गई। 20 घायलों को एम्बुलेंस से पिनान अस्पताल पहुंचाया, जहां से कुछ घायलों को गंभीर हालत में अलवर जिला अस्पताल लेकर गए। गंभीर घायल बस ड्राइवर विराट नगर निवासी भैरूराम को अलवर से जयपुर के लिए रेफर किया है। घायलों के परिजन भी हॉस्पिटल पहुंचे। ट्रक में लकड़ियां भरी हुई थी।

अलवर जिला अस्पताल में निरीक्षण के दौरान टीम के अधिकारी हुए नाराज

अलवर जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में राजमेस की टीम निरीक्षण करने पहुंची।

अलवर, (निसं)। अलवर जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को राजमेस की टीम औचक निरीक्षण करने पहुंची। निरीक्षण में पता चला कि 7 में से केवल 3 ऑपरेशन टेबल चालू है, बाकी 4 टेबल सिविल कार्य के चलते बंद है। इस कारण आधे ऑपरेशन भी नहीं हो पा रहे हैं, जिससे आमजन को बड़ी परेशानी हो रही है।

जिला अस्पताल में जारी सिविल कार्य के कारण अगले तीन महीने तक यही हाल रहने का अनुमान है। राजमेस के एसोसिएट प्रो. गुरुशरण पुरी के नेतृत्व में टीम ने ऑपरेशन थिएटर की स्थिति की समीक्षा की। जहां सिविल कार्यों के चलते सभी ऑपरेशन टेबलों पर कार्य संभव नहीं हो पा रहा था। केवल तीन टेबलों पर ही ऑपरेशन हो रहे हैं, जिसे लेकर डॉ. पुरी ने गहरी नाराजगी जताई।

- सात में से केवल तीन ऑपरेशन टेबल चालू मिली, तीन महीने का अल्टीमेटम

डॉ. पुरी ने बताया कि मरम्मत और निर्माण कार्यों के कारण ऑपरेशन थिएटर की क्षमता पर सीधा असर पड़ा है, जिससे आमजन को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने इस स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील चौहान को तीन महीने का समय दिया है। इसके अलावा अस्पताल परिसर में चल रहे सिविल कार्यों में देरी को लेकर भी राजमेस टीम ने चिंता व्यक्त की। सार्वजनिक निर्माण विभाग और इलेक्ट्रिक विभाग को निर्माण और मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि चिकित्सा सेवाओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

कोलायत के गंगा सरोवर कैचमेंट एरिया में अवैध खनन गतिविधियों का ड्रोन सर्वे शुरू

बीकानेर, (निसं)। खान विभाग ने बीकानेर के कोलायत क्षेत्र के गंगा सरोवर कैचमेंट एरिया में अवैध खनन के आकलन के लिए मंगलवार से ड्रोन सर्वे का कार्य शुरू कर दिया है। अवैध खनन गतिविधियों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा तकनीक के युग में अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए ड्रोन जैसी नवीनतम तकनीक के उपयोग पर जोर देते रहे हैं। कोलायत के गंगासागर कैचमेंट एरिया में खनिज क्ले के अवैध खनन की जानकारी प्राप्त होते ही संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों की टीम बनाकर ड्रोन सर्वे के निर्देश दिए गए। ड्रोन सर्वे में माइनिंग व जियोलॉजी विंग के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाई गई है, जिससे पारदर्शिता के साथ तय समय-सीमा में वास्तविक आकलन हो सके।

- ड्रोन सर्वे में माइनिंग व जियोलॉजी विंग के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाई गई है
- अनुमान के अनुसार 70-75 हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन सर्वे के माध्यम से अवैध खनन का आकलन किया जाएगा

प्रमुख सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकांत खान विभाग के अधीक्षण अभियंताओं सहित फील्ड अधिकारियों को अवैध खनन गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई के साथ ही ड्रोन से सर्वे कराते हुए निगरानी रखने के निर्देश समीक्षा बैठकों में देते रहे हैं। कोलायत के गंगासरोवर कैचमेंट एरिया में अवैध खनन की जानकारी संज्ञान में आते ही अधीक्षण खनि अभियंता एनके बैरवा के मार्गदर्शन में मंगलवार से ड्रोन सर्वे आरंभ हो गया है।

खनि अभियंता धीरज पंवार, वरिष्ठ भू वैज्ञानिक मनोहर सिंह राठौड़ व करणवीर सिंह द्वारा ड्रोन सर्वे विशेषज्ञों के साथ सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 70-75 हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन सर्वे के माध्यम से अवैध खनन का आकलन किया जाएगा। इसमें तीन से चार दिन का समय लगने की संभावना है। गौरतलब है कि पिछले दिनों कोलायत के गंगा सरोवर कैचमेंट एरिया में खनिज क्ले आदि के अवैध खनन गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हुई है। राज्य सरकार द्वारा प्रकरण संज्ञान में आते ही सख्त कदम उठाते हुए तत्काल प्रभाव से कार्रवाई शुरू कर दी है।

ड्रोन सर्वे की रिपोर्ट प्राप्त होने पर वास्तविक अवैध खनन का आकलन हो पाएगा। इसके साथ ही रिपोर्ट का परीक्षण कर विभाग द्वारा संबंधित के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने सभी अधीक्षण खनि अभियंताओं व फील्ड अधिकारियों को अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई में किसी तरह की कोताही नहीं बरतने के निर्देश देने के साथ ही आधुनिक नवीनतम तकनीक के उपयोग के निर्देश दिए हैं।

अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार शीघ्र कराने की मांग की

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा 2023 के अंतर्गत वाणिज्य संकाय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार अब तक आयोजित नहीं किया गया है, जिससे अभ्यर्थी भविष्य को लेकर चिंतित हैं। अन्य विषयों के साक्षात्कार 2024 में प्रारंभ किए जा चुके, किंतु वाणिज्य संकाय अब भी लंबित है। अभ्यर्थी एस.के. चौधरी द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि इस भर्ती में 15 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए सफल घोषित किया गया था, जिनमें से लगभग 7,500 का साक्षात्कार हो चुका है। यदि प्रक्रिया में और देरी हुई तो चयन 2026 तक भी पूर्ण नहीं हो सकेगा, जिससे कॉलेजों में पद रिक्त रहेंगे। अभ्यर्थियों ने आयोग से निष्पक्ष एवं समयबद्ध साक्षात्कार आयोजित कर अंतिम परिणाम जारी करने की अपील की है।

बीकानेर से जयपुर जाने वाली ट्रेन खातीपुरा स्टेशन भी रुकेगी

लालगढ़-प्रयागराज सुपरफास्ट का दो मिनट होगा ठहराव, रेलवे ने निर्देश जारी किए

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर से जयपुर की ओर जाने वाली रेल गाड़ियों में एक और रेल का ठहराव खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर किया गया है। अस्थायी तौर पर प्रयागराज-लालगढ़-प्रयागराज (सप्ताह में 4 दिन) और प्रयागराज-लालगढ़-प्रयागराज त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा का खातीपुरा स्टेशन पर अस्थाई ठहराव किया गया है।

रेलवे के प्रवक्ता की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे द्वारा प्रयागराज-लालगढ़-प्रयागराज (सप्ताह में 4 दिन) एवं प्रयागराज-लालगढ़-प्रयागराज त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा खातीपुरा स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर आगामी आदेशों तक अस्थाई ठहराव दिया जा रहा है। गाड़ी संख्या 12403, प्रयागराज-लालगढ़ (सप्ताह में 04 दिन) सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा जो दिनांक 26 नवम्बर .11.25 से प्रयागराज से प्रस्थान करेगी वह खातीपुरा स्टेशन पर 11.41 बजे आगमन व 11.43 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 20404, लालगढ़-प्रयागराज (त्रि-साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा जो 27 नवम्बर से लालगढ़ से प्रस्थान करेगी वह खातीपुरा स्टेशन पर 15.10 बजे आगमन व 15.12 बजे प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 20403, प्रयागराज-लालगढ़ (त्रि-साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा जो दिनांक 26 नवम्बर .11.25 से प्रयागराज से प्रस्थान करेगी वह खातीपुरा स्टेशन पर 11.41 बजे आगमन व 11.43 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 20404, लालगढ़-प्रयागराज (त्रि-साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा जो 27 नवम्बर से लालगढ़ से प्रस्थान करेगी वह खातीपुरा स्टेशन पर 15.10 बजे आगमन व 15.12 बजे प्रस्थान करेगी।

देसूला गांव में गोचर भूमि पर भूमाफिया कर रहे अवैध प्लाटिंग

अलवर, (निसं)। अलवर में इन दिनों भूमाफिया सरकारी भूमि, गोचर भूमि और कृषि भूमि पर अवैध कब्जा कर उसमे प्लाटिंग करने से बाज नहीं आ रहे हैं। वहीं इनकी करतूतों का अधिकारियों को पता नहीं है, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते यहां भूमाफिया अधिकारियों पर हावी है। ऐसा ही नजारा आज अलवर तहसील अंतर्गत देसूला गांव में रोड पर खसरा नंबर 534 गोचर भूमि पर कुछ लोगों ने नाजायज कब्जा कर लिया है और ये भूमाफिया अब इस भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग करने में लगे हुए हैं।

सूत्रों से पता चला है कि इन भूमाफियाओं ने अब तक करीब 35 लाख रुपये के प्लाट काट कर बेच भी दिए हैं। सरकारी कानून के अनुसार किसी भी गोचर भूमि पर होने वाले निर्माण कार्य की रजिस्ट्री नहीं की जा सकती, लेकिन ये भूमाफिया रजिस्ट्री करवाने का वायदा कर प्लाट बेचने में लगे हुए हैं और जनता को गुमराह करते हुए उनकी कमाई को हड़पने में लगे हुए हैं।

- कुछ दिन काम रुकने के बाद फिर शुरू हो जाती है प्लाटिंग, सूत्रों से पता चला है कि इन भूमाफियाओं ने अब तक करीब 35 लाख रुपये के प्लाट काट कर बेच भी दिए हैं

यहां पर उल्लेखनीय है कि यह गोचर भूमि है और यह कानून की नजर में गैर मुमकिन कहलाती है। इस भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य आदि नहीं किया जा सकता, लेकिन राजनेताओं से मिले संरक्षण के कारण भूमाफिया इस भूमि पर अवैध प्लाटिंग करने में लगे हुए हैं। इस भूमि पर बढ़ते निर्माण कार्य को देखते हुए ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस गोचर भूमि से भू माफियाओं के अवैध प्लाटिंग को तुरंत प्रभाव से हटाया जाए और इनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाए। वहीं ग्रामीणों ने जिला प्रशासन पर भूमाफियाओं से मिलीभगत का भी आरोप लगाया है।

दिनेश कुमार, पटवारी देसूला का कहना है कि यह गोचर भूमि है और इस पर किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता। मैं आपकी शिकायत पर मौके पर पहुंचा और वहां मैने देखा कि कुछ मजदूर और मिस्त्री निर्माण कार्य कर रहे थे। उन्हें काम रोकने के लिए कहा गया और जब उनसे जमीन पर काम कराने वाले का नाम पूछा तो उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया। मैं उन्हें पाबंद करके आया हूं फिर भी अगर यहां निर्माण कार्य होगा तो मैं उच्च अधिकारियों से बात करके पुलिस फोर्स के साथ इस अतिक्रमण को ध्वस्त करवाउंगा और भूमाफियाओं पर कानूनी कार्यवाही करूगां। मैने अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी है।

बाइक चोरी मामले में तीन गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने बाइक चोरी कर खुर्द-बुर्द करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। साथ ही तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पुलिस ने चोरी की गई बाइक के टुकड़े और अन्य संबंधित सामान भी बरामद किया है।

मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी सोहनलाल ने बताया कि 5 नवंबर को मैड निवासी पीड़ित सतीश कासलीवाल ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मैड पुलिस चौकी क्षेत्र के बाणगंगा स्थित कपासन माता मंदिर परिसर से बाइक चोरी का मामला दर्ज कराया था। इसके बाद मैड चौकी प्रभारी विनोद कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई, जिसने जांच शुरू की। टीम ने मंदिर परिसर के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने महेंद्र मीणा पुत्र भरतलाल मीणा निवासी तेवड़ी और लोकेश गुर्जर निवासी सेवरा तन तेवड़ी को गिरफ्तार किया व सख्ती से पूछताछ करने पर पूरे मामले का खुलासा हुआ और एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हो सका।

जूनियर को चार्ज दिए जाने से आहत प्रो. रमेश बैरवा कॉलेज शिक्षा आयुक्त से मिले

गंगापुर सिटी। राजकीय पीजी महाविद्यालय गंगापुर सिटी के प्रो.रमेश बैरवा ने कॉलेज शिक्षा आयुक्त डॉ. ओमप्रकाश बैरवा से मिलकर परिवेदना दी है। इसकी प्रति अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा को भी भेजी गई है। मांग की है कि प्राचार्य प्रो. सुमित्रा मीणा को एपीओ किए जाने के उपरांत सबसे वरिष्ठ संकाय सदस्य होने के कारण महाविद्यालय का चार्ज दिनांक 19.11.2025 से इनके पास था। इन्होंने प्राचार्य विद्यार्थी संवाद आयोजित कर नियमित क्लासेस का माहौल बनाया जिसे विद्यार्थियों ने पसंद किया। लेकिन कॉलेज शिक्षा संयुक्त निदेशक एच आर डी ने दिनांक 20.11.2025 को शाम कार्यालय बंद होने के बाद प्रो.बी एल मेनावत के लिए पीजी कॉलेज के अतिरिक्त चार्ज के आदेश भेज दिए।

प्रो. रमेश बैरवा का कहना है कि राजकीय कन्या महाविद्यालय गंगापुर सिटी में प्राचार्य पद के विरुद्ध प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत आज भी पीजी कॉलेज में ही पदस्थापित प्रो. मेनावत का पदनाम आज भी आचार्य का ही है ना कि प्राचार्य का। मेनावत इनसे बहुत ज्यादा जूनियर है। रमेश बैरवा का कॉलेज सेवा में चयन वर्ष 1995 का है जबकि मेनावत 1998 के हैं। 2017 में जारी वरीयता सूची में प्रो मेनावत का स्थान 1506 पर है जबकि प्रो बैरवा का स्थान 159 पर है। अर्थात डॉ. मेनावत वरीयता में इनसे 1347 पायदान नीचे हैं।

- कॉलेज शिक्षा आयुक्त डॉ. ओमप्रकाश बैरवा को परिवेदना देकर संशोधित आदेश निकाल चार्ज दिए जाने की मांग की

आयुक्त को दिए प्रतिवेदन में प्रो. बैरवा ने लिखा है कि वरिष्ठता की खुली अनदेखी कर राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी का चार्ज इनसे छीनकर, तथ्यों की खुली अनदेखी कर प्रो. बनवारी लाल मैनावत को चार्ज दिए जाने के कॉलेज शिक्षा संयुक्त निदेशक एचआरडी के नियम विरुद्ध, मनमाने आदेश से ये बुरी तरह आहत है। इन्हें घोर मानसिक पीड़ा हुई है। सामाजिक प्रतिष्ठा को बहुत ठेस पहुंची है।

पूर्वाग्रह की पराकाष्ठा है कि डॉ. मैनावत द्वारा खुद ही चार्ज लेने के उपरांत बनाए महाविद्यालय के ऑफिशियल व्हाट्सएप ग्रुप में जानबूझकर इनका नाम तक नहीं जोड़ा। इनका आरोप है कि अनुसूचित जाति के प्रोफेसर के साथ किया गया यह भेदभाव एवं अन्याय संविधान और कानून की दृष्टि से तो और भी चिंताजनक है। राजकीय सेवा नियमों का ही नहीं, समानता के मौलिक अधिकार का खुला उल्लंघन है। राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ रूक्टा डेमोक्रेटिक के प्रदेश संयोजक होने के नाते वैचारिक एवं जातिगत द्वेषतावश मिलभगत से इनके साथ किया उच्च शिक्षा के अधिकारियों का यह मनमाना, साजिशन कृत्य प्रतीत होता है।

प्रो. रमेश बैरवा ने प्रतिवेदन में यह भी लिखा है कि 20.11.2025 को महाविद्यालय कार्यालय समय के पश्चात रात्रि करीब 8 बजे प्रो. बनवारी लाल मेनावत इनकी अनुमति के बिना जबरन महाविद्यालय में घुसे। इनके साथ राजकीय महाविद्यालय वजीरपुर के नोडल अधिकारी संस्कृत सह आचार्य रामकेश मीना, राजनीति विज्ञान के सहायक आचार्य धर्मवीर मीना एवं अन्य लोग भी थे। इन्होंने इनकी अनुमति के बिना अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी राधेश्याम गुर्जर जो कि हार्ट के मरीज हैं पर दबाव बनाकर जबरन डिस्पैच रजिस्टर एवं अन्य कागजात लिए। संविदाकर्मी विजय गुप्ता पर भी दबाव बनाकर पत्र टाइप एवं अन्य कार्य करवाए। कागज फाड़े। सरकारी दस्तावेजों से छेड़छाड़ की। प्राचार्य कक्ष तक खोलकर आपराधिक कृत्य किया। रात के 10 बजे बाद तक महाविद्यालय में रहे। आयुक्तालय के आदेश बारे में प्रो. मैनावत ने इन्हें किसी भी तरह से सूचित नहीं किया। आदेश इन्हें व्हाट्सएप पर भी नहीं भेजा। अनाधिकृत रूप से इन लोगों के महाविद्यालय में घुसकर नियमविरुद्ध कृत्य की सूचना उचित कार्यवाही हेतु इन्हें मजबूरन आयुक्त कॉलेज शिक्षा, संयुक्त निदेशक एवं पुलिस में देनी पड़ी। प्रो बैरवा की चिंता थी कि इस अवधि में यदि कोई अप्रिय घटना घटित हो जाती तो जिम्मेदारी तो कार्यवाहक प्राचार्य के तौर पर इन पर ही थोपी जाती। पूर्व में इस महाविद्यालय में चोरी एवं अप्रिय घटनाएं हो चुकी हैं।

विराटनगर के सूरजपुरा को पंचायत समिति नहीं बनाने पर ग्रामीणों में आक्रोश

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के ग्राम सूरजपुरा को पंचायत समिति का दर्जा नहीं दिए जाने पर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों को पूरा करने की अपील की।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम सूरजपुरा आबादी और अन्य सभी मापदंडों को पूरा करता है, फिर भी इसे पंचायत समिति नहीं बनाया जा रहा है। उनका कहना था कि कुछ अन्य ग्राम पंचायतों को, जो मापदंड पूरे नहीं करतीं, उन्हें भी यह दर्जा दिया गया है। ग्रामीणों ने इसे राजनेताओं द्वारा अपने राजनीतिक हितों को साधने का प्रयास बताया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि ग्राम सूरजपुरा से बहादुरपुरा तक कोई सीधा रास्ता नहीं है, आने जाने के लिए 6 किलोमीटर घूमकर आना जाना पड़ता है। ग्राम सूरजपुरा की जनसंख्या बहादुरपुरा से अधिक है। पंचायत मुख्यालय बहुत दूर है ज्यों कि समय व पैसे की बर्बादी करता है। ग्राम सूरजपुरा में स्कूल, अस्पताल सहित सभी सुविधाएं है, लेकिन अपने फायदे के लिए नियमों की अवहेलना करते हुए ग्राम सूरजपुरा की जगह बहादुरपुरा को ग्राम पंचायत बनाया गया है। जिसे लेकर ग्रामीणों द्वारा धरना प्रदर्शन व चार लोगों हितेंद्र सिंह, नवदीप सिंह, हितेंद्र, सुभाष द्वारा आमरण अनशन शुरू किया गय, जिनकी ब्लड प्रेशर व ब्लड शुगर की जांच करवाई गई। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक हमारी मांगें ग्राम सूरजपुरा को स्वतंत्र ग्राम पंचायत घोषित किया जाए, पंचायत पुनर्गठन प्रस्ताव की निष्पक्ष समीक्षा की जाए, नियमों के हिसाब से ग्राम सूरजपुरा ग्राम पंचायत के लिए संपूर्ण मापदंड पूरे करता है, ग्राम सूरजपुरा में पंचायत भवन हेतु पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध है, पूरा नहीं किया जाता है तब तक पंचायत गठन सूरजपुरा के अन्याय व न्याय तक संघर्ष जारी रखते हुए धरना प्रदर्शन व आमरण अनशन जारी रहेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण व महिलाएं मौजूद रही।

- ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी

मांगों को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गईं, तो वे एक बड़ा और व्यापक आंदोलन शुरू करेंगे।

मकान ढहने के मामले में केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के नई सड़क स्थित सनसिटी मार्केट में रविवार की शाम को भरभरा गिरे दो मंजिला भवन को लेकर घर मालिक ने अब ठेकेदार के खिलाफ केस दर्ज कराया है। आरोप है कि ठेकेदार ने भवन के नीचे चल रहे निर्माण कार्य को समय पर नहीं किया और रूक रूक कर काम करवाता रहा, जिससे उसे हानि हुई है। भील बस्ती नई सड़क निवासी साबिर पुत्र अब्दुल गफूर की तरफ से यह केस ठेकेदार मो. इकबाल पुत्र मो. इस्माइल के खिलाफ कराया गया है। जानकारी के अनुसार रविवार की देर शाम को नई सड़क स्थित सनसिटी मार्केट में पांच मंजिला मकान के नीचे दो मंजिला इमारत और आधे हिस्से की छत भरभराकर गिर गई थी। हालांकि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई थी, मगर घर में शादी के लिए लाया गया काफी सामान दबकर नष्ट हो गया। इस घटना के बाद नगर निगम, आपदा प्रबंधन की टीमें वहां पहुंची थी। सोमवार को नगर निगम के बुलडोजर और जेसीबी की तरफ शेष इमारत को हटाने के साथ मलबा दूर किया गया था।

कोटा मंडल से गुजरने वाली विशेष ट्रेनों की संचालन अवधि बढ़ाई

कोटा, (निसं)। सर्दियों के दौरान बढ़ते यात्री दबाव को ध्यान में रखते हुए कोटा मंडल से गुजरने वाली विशेष ट्रेनों की अवधि को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह निर्णय यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने तथा शीतकालीन भीड़ को नियंत्रित करते हुए सुचारु रेल संचालन को बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है।

- सर्दियों के दौरान बढ़ते यात्री दबाव को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों की अवधि को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है

गाड़ी संख्या 04715 बीकानेर-साईं नगर शिर्डी साप्ताहिक एक्सप्रेस (शनिवार) को 06 दिसम्बर 2025 से 27 दिसम्बर 2025 तक 04 ट्रिप के लिए विस्तारित किया गया है, गाड़ी संख्या 04716 साईं नगर शिर्डी-बीकानेर साप्ताहिक एक्सप्रेस (रविवार) को 07 दिसम्बर 2025 से 28दिसम्बर 2025 तक 04 ट्रिप के लिए विस्तारित किया गया है, गाड़ी संख्या 09621 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक एक्सप्रेस (रविवार) को 07 दिसम्बर 2025 से 28 दिसम्बर 2025 तक 04 ट्रिप के लिए विस्तारित किया गया है, गाड़ी संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर साप्ताहिक एक्सप्रेस (सोमवार) को 08 दिसम्बर 2025 से 29 दिसम्बर 2025 तक 04 ट्रिप के लिए विस्तारित किया गया हैं, गाड़ी संख्या 09625 अजमेर-दौंड साप्ताहिक एक्सप्रेस (गुरुवार) को 04 दिसम्बर 2025 से 25दिसम्बर 2025 तक 04 ट्रिप के लिए विस्तारित किया गया है। गाड़ी संख्या 09626 दौंड-अजमेर साप्ताहिक एक्सप्रेस (शुक्रवार) को 05 दिसम्बर 2025 से 26 दिसम्बर 2025 तक 04 ट्रिप के लिए विस्तारित किया गया है, गाड़ी संख्या 09627 अजमेर-सोलापुर साप्ताहिक एक्सप्रेस (बुधवार) को 03दिसम्बर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक 05 ट्रिप के लिए विस्तारित किया गया है, गाड़ी संख्या 09628 सोलापुर-अजमेर साप्ताहिक एक्सप्रेस (गुरुवार) को 04 दिसम्बर 2025 से 01 जनवरी 26 तक 5 ट्रिप के लिए विस्तारित किया गया है।

कोहरे के कारण 4 पैसेंजर गाड़ियां निरस्त : घने कोहरे के चलते सुरक्षित संचालन की दृष्टि से कोटा मंडल से होकर गुजरने वाली गाड़ी संख्या 51907 ईदगाह-भरतपुर पैसेंजर, गाड़ी संख्या 51908 भरतपुर-ईदगाह पैसेंजर, गाड़ी संख्या 51909 इदगाह-भरतपुर पैसेंजर, गाड़ी संख्या 51910 भरतपुर-ईदगाह पैसेंजर गाड़ियां 1 दिसम्बर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक निरस्त रहेंगी।

दक्षिण अफ्रीकी बॉलिंग यूनिट द्वारा बनाए गए लगातार दबाव और यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल अपने जोन में फंसकर आउट हुए।
- डेल स्टेन

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज, अपनी टीम की गेंदबाजी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने रोहित शर्मा को पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टूर्नामेंट एंबेसडर घोषित किया है। 7 फरवरी से 8 मार्च तक चलने वाले 2026 टी20 विश्व कप को भारत और श्रीलंका मिलकर होस्ट करेंगे। मेजबान भारत और श्रीलंका के अलावा टी20 विश्व कप में भाग लेने वाली अन्य 18 टीमें हैं: अफ़ग़ानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बंगलादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा, इटली, नीदरलैंड, नामीबिया, ज़िम्बाब्वे, नेपाल, ओमान और यूएई।

क्या आप जानते हैं ?... टेम्बा बावुमा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका की टीम ने अब से करीब 31 साल पुराना ऑस्ट्रेलियाई टीम का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया।

भारत सीरीज गंवाने और क्लीन स्वीप झेलने के संकट में

गुवाहाटी, 25 नवम्बर। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी चौथे दिन मंगलवार को पांच विकेट पर 260 रन पर घोषित कर भारत के सामने जीत के लिए 549 रन का बेहद मुश्किल लक्ष्य रखा जिसका पीछा करते हुए भारत ने स्टंप्स तक तक दो विकेट पर 27 रन बना लिए हैं। भारत अभी लक्ष्य से 522 रन पीछे है।

भारत की दूसरी पारी में खराब शुरुआत हुई और उसके दोनों ओपनर 21 रन तक पवेलियन लौट गए। पहली पारी में छह विकेट लेने वाले मार्कं यानसन ने यशस्वी जायसवाल को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया जबकि स्पिनर साइमन हार्मर ने केएल राहुल को बोल्ड किया। जायसवाल ने 13 और राहुल ने छह रन बनाये। स्टंप्स के समय साई सुदर्शन दो और नाईट वॉचमैन कुलदीप यादव चार रन बनाकर क्रीज पर थे।

दक्षिण अफ्रीका इस मैच में जीत से मात्र आठ विकेट ही दूर है। वहीं भारत की सलामी जोड़ी पवेलियन लौट चुकी है। कल भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती पूरे ओवर खेलने की होगी और इसके लिए भारतीय बल्लेबाज़ों को बेहतरीन बल्लेबाजी करनी होगी। अब मैच का नतीजा निकलेगा या नहीं निकलेगा यह तो कल पता चलेगा लेकिन अब तक की कहानी यही है कि दक्षिण अफ्रीका ने भारत को चारों खाने चित्त कर दिया है।

खेल के आखिरी हिस्से में भारत के दो विकेट गिरे, जायसवाल और केएल राहुल के। मैच में अभी तीन सेशन बाकी हैं, दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए आठ विकेट चाहिए, जबकि इंडिया को 522 रन का बड़ा टारगेट चाहिए – जो असल में पहुंच से बहुत दूर है। इंडिया की जीत की उम्मीद नहीं है, लेकिन अगर वे अपना धैर्य बनाए रखते हैं और पॉजिटिव इरादा दिखाते हैं, तो वे अभी भी ड्रॉ कराने की उम्मीद कर सकते हैं। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका की टैक्टिक्स ने कुछ लोगों को हैरान कर दिया। डिक्लेरेशन में देरी करके और बहुत ज़्यादा सावधानी बरतकर, उन्होंने बचे हुए इंडियन विकेट लेने के लिए कुछ कीमती ओवर गंवा दिए। एक ऐसे मैच में जिसमें बड़े एक्शन की जरूरत थी, इनिंग्स के आखिर में उनकी सुस्त बैटिंग ने डिक्लेरेशन को और भी हैरान कर दिया, एक ऐसा ऑप्शन जो इंडिया को बचने का रास्ता दे सकता है।

उम्मीद है कि स्पिनर्स 5वें दिन स्क्रिप्ट बनाएंगे। महाराज, हार्मर और मुथुसामी के साथ, साथ ही मार्करम भी मदद के लिए मौजूद हैं, प्रोटियाज के पास खराब पिच का फायदा उठाने के लिए ऑप्शन की कोई कमी नहीं है। और फिर मार्कं यानसन हैं – शायद इस टेस्ट के सबसे अच्छे परफॉर्मर। उन्होंने पहली इनिंग में जरूरी रन बनाए, और उनकी तेज शॉर्ट-बॉल की बौछार ने तीसरे दिन इंडिया के बैट्समैन को परेशान कर दिया। दक्षिण अफ्रीका उनसे उम्मीद करेगा कि वे आखिरी दिन भी वही जोश दिखाएंगे।

यह सिर्फ़ दूसरी बार है जब भारत को घरेलू टेस्ट में 500 से ज़्यादा का टारगेट दिया गया है। इससे पहले 2004 में नागपुर में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 543 रन का टारगेट दिया था। वह मैच वे 342 रन से हार गए थे, जो रनों के हिसाब से उनकी सबसे बड़ी हार है।

दक्षिण अफ्रीका ने कल के बिना कोई विकेट खोये 26 रन से आगे खेलना शुरू किया और पांच विकेट पर 260 रन पर अपनी पारी घोषित की। दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल थी। मेहमान टीम की दूसरी पारी में ट्रिस्टन स्टब्स ने 180 गेंदों में नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 94 रन बनाये। स्टब्स को लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा ने बोल्ड किया। जडेजा दूसरी पारी में 62 रन पर चार विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। रायन रिकलटन ने 35, एडन मारक्रम ने 29, टोनी डीज़ॉर्ज़ी ने 49 और वियान मुल्डर ने नाबाद 35 रन बनाये। जडेजा के चार विकेट के अलावा वाशिंगटन सुंदर को 67 रन पर एक विकेट मिला।

2026 टी-20 विश्वकप में 15 फरवरी को होगी भारत-पाक की भिड़ंत

मुम्बई, 25 नवम्बर। 2026 टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत 15 फरवरी को कोलंबो में होगी। टूर्नामेंट के आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा मंगलवार को आईसीसी मुंबई में करेगी। 2025 एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच काफी गर्म माहौल में मैच खेले गए थे और इसके बाद ये दोनों टीमें पहली बार भिड़ती हुई नजर आएंगी। यह मैच आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा जो टूर्नामेंट में भारत का ग्रुप स्टेज का तीसरा मैच होगा।

ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि भारत और पाकिस्तान के ग्रुप में अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया को रखा गया है। 7 फरवरी को मुंबई में भारत अपना पहला ग्रुप स्टेज मैच अमेरिका के ख़िलाफ खेलेगा और यही टूर्नामेंट का पहला दिन भी होगा। 12 फरवरी को दिल्ली में नामीबिया, फिर पाकिस्तान और 18 फरवरी को अहमदाबाद में नीदरलैंड्स के ख़िलाफ आख़िरी ग्रुप स्टेज मैच खेलेंगे। ग्रुप स्टेज के दौरान टूर्नामेंट में प्रति दिन तीन मैच खेले जाएंगे। 7 फरवरी से 8 मार्च तक चलने वाले 2026 टी20 विश्व कप को भारत और श्रीलंका मिलकर होस्ट करने वाले हैं जिसमें पाकिस्तान अपने सारे मैच कोलंबो या कैंडी में खेल सकता है। फ़ॉर्मेट को 2024 जैसा ही रखा गया है जिसमें 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा। हर ग्रुप से टॉप-2 टीमें सुपर -8 में प्रवेश करेंगी जहां फिर से उन्हें दो ग्रुपों में बांटा जाएगा। सुपर-8 के ग्रुपों में टॉप-2 पर रहने वाली टीमें सेमीफ़ाइनल में जगह बनाएंगी।

यदि भारत ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ता है तो उनके सुपर-8 के तीन मैच अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता में होंगे। यदि वे अंतिम-4 में पहुंचे तो उनका सेमीफ़ाइनल मुंबई में होगा। ऐसा समझा जा रहा है कि आईसीसी ने कोलंबो या कोलकाता को दूसरे सेमीफ़ाइनल के लिए विकल्प में रखा है जिसका निर्णय इस बात पर निर्भर करेगा कि श्रीलंका या पाकिस्तान में से कोई सेमीफ़ाइनल में पहुंच रहा है या नहीं। यदि पाकिस्तान फ़ाइनल में पहुंचा तो इसे कोलंबो में खेला जाएगा अन्यथा फ़ाइनल अहमदाबाद में होगा।

मेज़बान भारत और श्रीलंका के अलावा टी20 विश्व कप में भाग लेने वाली अन्य 18 टीमें हैं: अफ़ग़ानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बंगलादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा, इटली, नीदरलैंड, नामीबिया, ज़िम्बाब्वे, नेपाल, ओमान और यूएई। भारत मौजूदा डिफ़ेंडिंग चैंपियन है, जिसने 2024 टी20 विश्व कप के फ़ाइनल में बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था।

बेल्जियम के खिलाफ भारत 2-3 से हारा

इपोह, 25 नवम्बर। भारतीय हॉकी टीम ने मंगलवार को मलेशिया के इपोह में सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में बेल्जियम के खिलाफ फाइटिंग परफॉर्मेंस दी, लेकिन 3-2 से हार गई। सुल्तान अज़लान शाह स्टेडियम में हुआ यह हॉकी मैच पहले सोमवार को होना था, लेकिन भारी बारिश की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया। भारत के लिए अभिषेक (33') और शिलानंद लाकड़ा (57') ने गोल किए, जबकि पूर्व ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17', 57') और निकोलस डी केर्पेल (45') गोल करने वाले खिलाड़ी थे। सातवें नंबर की टीम भारत ने पक्के इरादे से शुरुआत की, दुनिया की नंबर 3 बेल्जियम को दूर रखा और शुरुआती दबाव का सामना किया। भारतीय गोलकीपर पवन को रीस्टार्ट के दोनों तरफ एक्शन में लाया गया।

वेंकटेश प्रसाद केएससीए अध्यक्ष पद के लिए अकेले दावेदार के तौर पर उभरे

बेंगलुरु, 25 नवंबर। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद मंगलवार को कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष पद की दौड़ में अकेले बड़े दावेदार के तौर पर उभरे, क्योंकि चुनाव अधिकारी द्वारा जारी वैध नॉमिनेटेड उम्मीदवारों की फ़ाइनल लिस्ट में दो बड़े उम्मीदवारों, केएन शांतकुमार और सीनियर एडमिनिस्ट्रेटर विनय मृत्युंजय के नाम नहीं थे।

इन अचानक हुई चूकों ने चुनावी माहौल को पूरी तरह बदल दिया, यह उस दिन हुआ जब कल्पना वेंकटचर, जो अकेली दूसरी बड़ी दावेदार थीं, ने कथित तौर पर अध्यक्ष पद की दौड़ से अपना नाम वापस लेने की घोषणा की, यह कहते हुए कि वह प्रसाद के ख़िलाफ़ चुनाव नहीं लड़ना चाहतीं, जिन्हें उन्होंने एक मजबूत लीडर बताया।

कर्नाटक हाई कोर्ट के रिट पिटीशन नंबर 34890/2025 के निर्देश पर जस्टिस सुभाष बी अदी की देखरेख में नॉमिनेशन की स्क्रूटनी की गई। इसमें कई पोस्ट के कैंडिडेट को क्लियर कर दिया गया, लेकिन शांतकुमार – जो शुरू में प्रेसिडेंट पद के उम्मीदवार थे, और मृत्युंजय, जो सेक्रेटरी पद के लिए चुनाव लड़ रहे थे, की गैरमौजूदगी के लिए कोई वजह नहीं बताई गई। यह अभी साफ नहीं है कि उनके नॉमिनेशन रिजेक्ट किए गए या वापस ले लिए गए, और मंगलवार को कोई ऑफिशियल सफाई जारी नहीं की गई।

भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे से पहले रांची में टिकटों के लिए भारी भीड़

रांची, 25 नवंबर। जैसे ही शहर 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले वनडे इंटरनेशनल मैच की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है, पूरे शहर में उत्साह की एक जबरदस्त लहर दौड़ गई है। मंगलवार को झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में क्रिकेट के दीवाने उमड़ पड़े, हज़ारों लोग टिकट की बिक्री शुरू होने से कई घंटे पहले ही जमा हो गए। टिकट काउंटर सुबह 9 बजे खुलने के बावजूद, फैंस सोमवार रात को ही देर से पहुंचने लगे, ताकि स्टॉक खत्म होने से पहले अपनी सीट पक्की कर सकें। सुबह तक, स्टेडियम के चारों ओर लंबी लाइनें लग गई थीं। भारी डिमांड को मैनेज करने के लिए, जेएससीए ने स्टेडियम के वेस्ट गेट के पास छह टिकट काउंटर लगाए। टिकट खरीदने के लिए आधार कार्ड जरूरी कर दिया गया है।

सचिन की तरह जायसवाल को भी ड्राइव हटाने की जरूरत है : कुंबले

गुवाहाटी, 25 नवम्बर। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है कि जिस तरह क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने एक बार ऑस्ट्रेलिया में अपने गेम से ड्राइव हटा दिया था; शायद यशस्वी जायसवाल को भी इस तरह काम करने की जरूरत है।

जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में बात करते हुए, एक्सपर्ट अनिल कुंबले ने चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका के शानदार प्रदर्शन, दक्षिण अफ्रीकी बॉलिंग यूनिट द्वारा बनाए गए लगातार दबाव, और यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के आउट होने में तकनीकी कमियों का विश्लेषण किया।

अनिल कुंबले ने गुवाहाटी में चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका के दबदबे पर बात करते हुए

कहा, साउथ अफ्रीका की शानदार बॉलिंग परफॉर्मेंस। मुझे लगा कि उन्होंने बहुत अच्छी बॉलिंग की। शायद अगर साउथ अफ्रीका ने पहले पारी घोषित कर दी होती, तो इंडिया और भी बड़ी मुश्किल में पड़ जाता। लेकिन यह कहने के बाद, यह यशस्वी जायसवाल का एक खराब शॉट था। उन्होंने निश्चित रूप से दोनों ओपनर्स की परीक्षा ली, और जायसवाल को खासकर मार्कं यानसन की बहुत सारी शॉर्ट-पिच गेंदें मिलीं।

आखिरकार, वह अपना पसंदीदा कट शॉट खेलते हुए आउट हो गए – एक ऐसा शॉट जिससे उन्होंने कई रन बनाए हैं, लेकिन आउट भी हुए हैं। कुंबले ने कहा,यशस्वी पेस बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे और यानसन की गेंद पर आउट हो गए। उस सेशन में इंडिया के लिए यह काफी मुश्किल था, और वे हार गए। वैसे तो, वे बिना कोई विकेट गंवाए खेलना चाहते थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की बॉलिंग शानदार थी। जब आप रन बनाना चाहते हैं और जब शॉर्ट गेंदें आती रहती हैं, तो आपको लगता है कि यही एकमात्र स्कोरिंग ऑप्शन है। इस इनिंग्स में जायसवाल ने जो पहली गेंद खेली, वह भी शॉर्ट थी जो उनके ग्लव पर लगी। ज़ाहिर है, उन्होंने सोचा, 'अगर यह शॉर्ट है और अगर कोई चौड़ाई है, तो मैं उसके लिए जाऊंगा।'

लांस वाटसन-पद्मनाभ सिंह की बदौलत जयपुर ने लेपर्ड टीम को हराया

जयपुर, 25 नवम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड परजयपुर पोलो ओर लेपर्ड पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमेंजयपुर पोलो टीम ने लेपर्ड टीम को 5 के मुकाबले 13 गोल से हराया। जयपुर टीम की ओर से अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लांस वाटसन ने 7 गोल ओर महाराज पद्मनाभ सिंह ने भी अपनी टीम के लिए 4 गोल किये। प्रणव कपूर ने भी 2 गोल कर टीम की जीत में भागीदारी निभाई। दो गोल का एडवांटेज लेकर खेल रही लेपर्ड पोलो टीम की ओर से भवानी सिंह कालवी ने 3 गोल किए।

मनताज व वरुण के अर्द्धशतकों से शास्त्री एकेडमी जीती

जयपुर, 25 नवम्बर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज में चतुर्थ डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पूल-सी के मुकाबले में शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने मनताज सिंह 69 रन, वरूण 61 रन की अर्द्धशतकों की बदौलत एस.जे. पब्लिक स्कूल क्रिकेड एकेडमी को 60 रन से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। टॉस जीतकर शास्त्री क्रिकेट एकेडमी पहले बल्लेबाजी करते हुए मनताज सिंह 69 रन (34 गेंद 6 चौके, 5 छक्के) वरूण 61 रन, (51 गेंद 7 चौके, 3 छक्के) मुकीम 13 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 171 रन बनाये। गेंदबाजी ने एस.जे. पब्लिक स्कूल क्रिकेड एकेडमी की ओर से साहिल नायक 12 रन पर 3 विकेट, शुभम खण्डेलवाल 20 रन पर 2 विकेट तथा रिहान अली व समर खान प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में एस.जे. पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी के बल्लेबाजों उमेश मीणा 25 रन, शुभम खण्डेलवाल 22 रन, अयान 17 रन, आदेश 16 रन बड़ी पारियां खेलने में विफल रहे और शास्त्री क्रिकेड एकेडमी के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए हर्ष सैनी 24 रन पर 2 विकेट, रोहन जैन 30 रन पर 2 विकेट तथा रोहन सिंह, तनवीर खान व अल्तमश प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर एस.जे. पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी को 19 ओवर में 111 रन पर समेट दिया। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच मनताज सिंह शास्त्री क्रिकेट एकेडमी रहे।

चेन्नई 9-14 दिसंबर तक स्क्वैश वर्ल्ड कप होस्ट करेगा

चेन्नई, 25 नवंबर। चेन्नई 9-14 दिसंबर तक होने वाले वर्ल्ड कप को होस्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार है, इसलिए इस चहल-पहल वाले शहर में स्क्वैश का बड़ा धमाका होने वाला है। मशहूर शॉपिंग मॉल, एक्सप्रेस एवेन्यू और इंडियन स्क्वैश एकेडमी में होने वाली इस चैंपियनशिप में मेजबान भारत समेत कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। टीमों को तीन-तीन टीमों के दो-चार ग्रुप में बांटा गया था, जिसमें भारत को ब्राज़ील और स्विट्ज़रलैंड के साथ रखा गया है। तमिलनाडु सरकार द्वारा स्पॉन्सर किए गए इस इवेंट में दुनिया भर के स्क्वैश खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए मुकाबला करने के लिए एक साथ आएंगे, तमिलनाडु के डिप्टी चीफ मिनिस्टर उदयनिधि स्टालिन, जिनके पास स्पोर्ट्स पोर्टफोलियो भी है, और ऑर्गनाइजिंग कमेटी के चेयरमैन एन रामचंद्रन ने आज यहां रिपोर्टर्स को बताया।

पैरा माउंट विद्याश्रम पब्लिक स्कूल ने रिबाउंडर बॉल अंडर-14 जिला चैम्पियनशिप जीती

जयपुर। झोटवाड़ा स्थित द्रोणाचार्य खेल अकादमी में आयोजित द्वितीय जयपुर जिला रिबाउंडर बॉल चैम्पियनशिप-2025 में पैरा माउंट विद्याश्रम विद्याश्रम पब्लिक स्कूल ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए द्रोणाचार्य खेल अकादमी की टीम को 3-2 गोल से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में पैरा माउंट पब्लिक स्कूल की टीम ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया और लगातार दो गोल कर बढ़त बना ली। पूरे मैच में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट गति, कौशल और जज़्बे का प्रदर्शन किया, परंतु द्रोणाचार्य टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। प्रतियोगिता के समापन समारोह में अन्तरराष्ट्रीय रिबाउंडर बॉल महासंघ के महासचिव श्री रमेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार, ट्रॉफियाँ और प्रमाण पत्र प्रदान किए। सिंह ने कहा कि जयपुर में रिबाउंडर बॉल खेल तेज़ी से लोकप्रिय हो रहा है और ऐसे आयोजन जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराते हैं। इस प्रतियोगिता का सफल संचालन जयपुर जिला रिबाउंडर बॉल संघ द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो का 40 की उम्र में भी जलवा, बाइसिकल किक से अल-नस्त्र की 4-1 से जीत, बना नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 25 नवंबर। रविवार को खेले गए सऊदी प्रो लीग मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार फिर दिखा दिया कि उम्र उनके खेल को रोक नहीं सकती हैं। 40 साल की उम्र में भी रोनाल्डो ने ऐसा बाइसिकल किक गोल दागा कि आधी उम्र के खिलाड़ी भी हैरान रह गए हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, अल-नस्त्र और अल-खलीज के बीच मैच में आया यह गोल सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा में बना हुआ है। बता दें कि मुकाबले के दौरान दाईं ओर से आए एक क्रॉस को रोनाल्डो ने हवा में उछलकर जबरदस्त बाइसिकल किक से गोल में बदल दिया। गोलकीपर पूरी कोशिश के बावजूद गेंद को रोक नहीं पाया और यह शानदार गोल अल-नस्त्र की 4-1 की जीत पर मुहर लगा गया है। गौरतलब है कि रोनाल्डो हाल ही में पुर्तगाल के लिए अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर लौटे हैं, जहां एक मुकाबले में उन्हें रेड कार्ड भी मिला था।

बीसीसीआई अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी राजस्थान-गुजरात मैच

राजस्थान के कप्तान कुशाग्र ओझा का शानदार शतक

जयपुर, 25 नवंबर। नडियाद, गुजरात में खेले जा रहे राजस्थान - गुजरात अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच के तीसरे दिन का स्कोर :-

राजस्थान पहली पारी 245 आल आउट, गुजरात पहली पारी 308 आल आउट, राजस्थान दूसरी पारी 250 आल आउट, कप्तान कुशाग्र ओझा ने शानदार शतकीय पारी खेली। टीम के लिए कुशाग्र ओझा 123, कविश घुणावत 48 व आदित्य सैनी 32 रन। गुजरात के गेंदबाज मलय 23 / 6 विकेट। गुजरात दूसरी पारी 65 / 2, राजस्थान के गेंदबाज हनी प्रताप, जतिन 1 - 1 विकेट।

बीसीसीआई की आगामी अंडर 16 ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 16 टीम के संभावितों के चयन हेतु राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में अंडर 16 चैलेंजर ट्रॉफी का आयोजित की जा रही है। 2 दिवसीय मैच के अंतिम दिन का स्कोर : - पहला मैच टीम बी - टीम सी (लक्ष्य ग्राउंड), टीम बी पहली पारी 340 आल आउट, बल्लेबाज यश शर्मा ने शानदार शतकीय पारी खेली।

टीम के लिए यश शर्मा 101, शोभागसिंह 51, अनुराग 46 व शौर्य 39 रन। टीम सी के गेंदबाज भव्य अगल 39 / 3, कार्तिक शर्मा 32 / 2 व दक्ष शर्मा, अक्षय वैष्णव, उज्जवल व अदनान 1- 1 विकेट। टीम सी पहली पारी 145 आल आउट। टीम के लिए अमर 30, विशाल 27 व अक्षय वैषणव 25 रन। टीम बी के गेंदबाज अनुराग 21 / 3, रोहन, शोभाग 2 - 2 विकेट। टीम बी दूसरी पारी 120 / 5 घोषित। टीम के लिए करण जांगिड़ 82 रन। टीम सी के गेंदबाज अक्षय वैष्णव, चेतन 2 - 2 विकेट। टीम सी दूसरी पारी 135 / 5, टीम के लिए चेतन नाबाद 38, वशिष्ठ शर्मा 34 रन। दूसरा मैच टीम ऐ - टीम डी (रणवीर सिंह ग्राउंड)। टीम ऐ पहली पारी 116 आल आउट। टीम के लिए सचिन मीणा 31 व जशनदीप 31 रन। टीम डी के गेंदबाज नतांश करिया 14 / 4, रेयांश, गौरव 2 - 2 व भारत, कुणाल 1 - 1 विकेट। टीम डी पहली पारी 346 / 5 घोषित। टीम के लिए गौरव सैनी 96, निलय अरोरा 58, शौर्य सिंह 64, केविन चड्डा नाबाद 79 व रोनित 30 रन। टीम ऐ के गेंदबाज आर्यन सिंह 40 / 2 विकेट। टीम ऐ दूसरी पारी 125/ 3, टीम के लिए कुअंर वासुदेव 66 व रेयान नाबाद 48 रन।

बीसीसीआई अंडर 23 वीमेन टी 20 ट्रॉफी (राजस्थान -हैदराबाद मैच)। नागपुर में आज खेले गए राजस्थान - हैदराबाद मैच में हैदराबाद ने राजस्थान को 7 रनो से हराया। हैदराबाद पारी 127/ 4, टीम के लिए वांका 36, तृषा 34 व क्रांति नाबद 33 रन। राजस्थान की गेंदबाज अंजलि जाट 17 / 2, अर्चना योगी, डिम्पल 1 - 1 विकेट। राजस्थान पारी 120 / 7, टीम के लिए अंजलि जाट 35, अर्चना योगी नाबाद 19, बबिता 17 रन। हैदराबाद की गेंदबाज तृषा, क्रांति 2 - 2 विकेट।

साइक्लिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने गेम्स का पहला गोल्ड जीता

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी को शूटिंग में दो गोल्ड

जयपुर, 25 नवंबर। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी की साइक्लिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने मंगलवार को जयपुर में महिलाओं के इंडिविजुअल टाइम ट्रायल में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 का पहला गोल्ड मेडल जीता। शिवाजी यूनिवर्सिटी की काजोल सरगर ने महिलाओं की 48किग्रा में वेटलिफ्टिंग में गोल्ड जीता और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की साक्षी पाडेकर ने महिलाओं की 10मी एयर राइफल में गोल्ड जीता, क्योंकि मंगलवार को राज्य में कई जगहों पर स्पोर्ट्स एक्शन शुरू हुआ।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का पांचवां एडिशन राजस्थान के सात शहरों में हो रहा है और इसमें 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीट 23 मेडल डिसिप्लिन में मुकाबला करेंगे। ये गेम्स स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अंडर राजस्थान सरकार, स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के साथ मिलकर हो रहे हैं और इन्हें पूर्णिमा यूनिवर्सिटी होस्ट कर रही है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स प्रोग्राम में साइक्लिंग के डेब्यू के साथ, यह सही था कि पहला गोल्ड मेडल उस खिलाड़ी को मिला जो लंबे समय के बाद रोड इवेंट्स में भी वापसी कर रहा था।

टीम परस्यूट में 2022 एशियन चैंपियनशिप की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट मीनाक्षी ने साबित कर दिया कि वह रोड रेसिंग में भी एक ताकत हैं, क्योंकि उन्होंने

यहां एक सोची-समझी रेस स्ट्रेटेजी के साथ गोल्ड मेडल जीता। वह पटियाला में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के नेशनल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेती हैं। 23 साल की यह खिलाड़ी 10 किमी के पहले लैप में महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी की लोकल फेवरेट पूजा बिश्नोई से पीछे चल रही थी, लेकिन इसके बाद उसने अपनी स्पीड बढ़ाई और 30किमी इंडिविजुअल टाइम ट्रायल 00:45:31.907 की टाइमिंग के साथ पूरा किया, जिसमें एवरेज स्पीड 39.5 किमी/घंटा थी।

मीनाक्षी, जो पिछले तीन महीनों से टाइम ट्रायल्स के लिए ट्रेनिंग कर रही थीं, ने साई मीडिया को बताया, आज मेरी स्ट्रेटेजी थी कि मैं सब्र रखूँ, अपनी रिदम बनाए रखूँ और जल्दी न करूँ। मैंने शुरुआत में एनर्जी बचाने पर फोकस किया और धीरे-धीरे पेस बढ़ाई। एक बार जब मैंने लीड ले ली, तो मेरा लक्ष्य लगातार बने रहना और रेस को कंट्रोल करना था। स्ट्रेटेजी बिल्कुल प्लान के मुताबिक काम आई। बिश्नोई ने 00:46:52.003 के टाइम के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि सावित्रीबाई फुले

पुणे यूनिवर्सिटी की अपूर्वा गौर ने 00:47:24.933 के टाइम के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। मानव सारदा ने पुरुषों के 40किमी इंडिविजुअल टाइम ट्रायल में पूरे समय शानदार परफॉर्मेंस के साथ महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। 46 किमी/घंटा की एवरेज स्पीड से, सारदा ने 00:52:12.947 पर घड़ी रोकी, जबकि पंजाब यूनिवर्सिटी के जय डोगरा (00:53:14.315) और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के गौरांग सिंह गौर (00:54:32:813) ने एक के बाद एक सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीते।

जगतपुरा शूटिंग रेंज में, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की साक्षी पाडेकर ने महिलाओं की 10मी एयर राइफल में 253.2 के फाइनल स्कोर के साथ गोल्ड जीता। पंजाब यूनिवर्सिटी की दिशा धनखड़ ने 252 पॉइंट्स के साथ सिल्वर जीता, जबकि यूनिवर्सिटी ऑफ़ मद्रास की आर नर्मदा नितिन ने कुल 230.5 पॉइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

साक्षी ने क्वालिफिकेशन राउंड में भी कुल 633.5 पॉइंट्स के साथ टॉप किया था और यूनिवर्सिटी को प्रियंका दास और संजीता दास के साथ कुल 1884 पॉइंट्स के साथ टीम गोल्ड दिलाने में भी मदद की थी। बीकानेर में वेटलिफ्टिंग कॉम्पिटिशन में, शिवाजी यूनिवर्सिटी की काजोल सरगर ने महिलाओं की 48किग्रा कैटेगरी में कुल 158किग्रा उठाकर गोल्ड मेडल जीता। महाराष्ट्र के सांगली की 19 साल की काजोल, जिन्होंने 2022 में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में गोल्ड जीता था, ने स्नैच में बड़ी बढ़त बना ली क्योंकि उन्होंने अपनी दूसरी कोशिश में 73किग्रा उठाया, जो चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की रानी नायक से लगभग सात किलोग्राम ज़्यादा था। फिर उन्होंने क्लीन एंड जर्क में 85किग्रा उठाकर गोल्ड मेडल पक्का किया। बरहामपुर यूनिवर्सिटी की रिंकी नायक ने अपनी तीसरी कोशिश में 86किग्रा उठाकर क्लीन एंड जर्क में टॉप किया और कुल 149किग्रा उठाकर सिल्वर मेडल जीता, जबकि रानी ने कुल 148किग्रा उठाकर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

पिछली सरकार ने 5 साल में जितने काम किए उससे अधिक हमने 2 साल में कर दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बाली विधानसभा क्षेत्र में 110 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

पाली, 25 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, हमारी सरकार राज्य के 200 विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है तथा हर योजना का लाभ सीधे लाभार्थी तक पहुंच रहा है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि हम सभी मिलकर राजस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं तथा विकसित राजस्थान - विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। शर्मा मंगलवार को पाली जिले के चामुंडेरी राणावतान में बाली विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

- मुख्यमंत्री ने बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चामुण्डेरी के स्कूल भवन के लोकार्पण पर कहा कि इससे बालिकाओं को घर के नज़दीक शिक्षा सुलभ होगी और आधी आबादी के सशक्तिकरण का माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोनी सीता देवी उम्मेदमल राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चामुण्डेरी का लोकार्पण कर नव निर्मित विद्यालय भवन के कक्षा-कक्षों का अवलोकन किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में अच्छी बारिश से फसलें लहलहा रही हैं और बांध-तालाब लबालब भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में हुए स्कूल के लोकार्पण से बालिकाओं को अपने घर के नजदीक शिक्षा सुलभ होगी और आधी आबादी के सशक्तिकरण का एक माध्यम बनेगा। इसके साथ ही, नाडोल से सादड़ी एमडीआर रोड का लोकार्पण भी किया गया है।

शर्मा ने कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदा गया तथा 19 में से 17 पेपरलीक हुए। हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। हमारी सरकार ने गत दो वर्षों में जितने काम किए हैं, पूर्ववर्ती सरकार द्वारा पूरे 5 साल में भी उतने काम नहीं किये गये। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 21 माह में पूर्ववर्ती सरकार के 5 साल की तुलना में सवा गुना फार्म पौण्ड, खेतों पर तारबंदी ढ ाई गुना, ढ ाई गुना पशु चिकित्सालय का प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन तथा चार गुना बहुउद्देश्यीय पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन किया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने सोनी सीता देवी उम्मेदमल राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चामुण्डेरी का फीता खोलकर लोकार्पण किया। उन्होंने नव निर्मित विद्यालय भवन के कक्षा कक्षों का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद मदन राठौड़, विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, पाली जिला प्रमुख रश्मि सिंह, महंत महेन्द्रगिरी नाथ एवं नरेश नाथ महाराज सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

बीएसएफ ने पंजाब बॉर्डर पर हेरोइन, बम व ड्रोन पकड़े

जालंधर 25 नवंबर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पिछले 24 घंटों में पंजाब बॉर्डर पर एक पिस्तौल, गोला-बारूद और हेरोइन के 10 पैकेट ज़ब्त किये। इसके अलावा एक असेंबल्ड हेक्साकॉप्टर और दो ड्रोन बरामद किये।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि फाजिल्का के गांव टाहलीवाला में सोमवार को पकड़े गये दो तस्करों के खुलासे के बाद, बीएसएफ के सैनिकों और पंजाब पुलिस ने गांव चक टाहलीवाला में उनके फरार साथी के एक संदिग्ध घर पर जॉइंट रेड की, जिसमें एक पिस्तौल, चार मैगज़ीन, 12 कारतूस और हेरोइन के 10 पैकेट (कुल वज़न- 5.445 किग्रा) बरामद हुए।

- फाज़िल्का के गांव टाहलीवाला में पकड़े गये दो तस्करों से प्राप्त जानकारी के बाद बीएसएफ ने छापा मारा।

सौ लो फ्लोर बसें नहीं चलीं, शहर परिवहन अस्त-व्यस्त

अधिकारियों के प्रयास के बाद भी बगराना डिपो के बस चालक काम पर नहीं लौटे

जयपुर, 25 नवंबर। जेसीटीसीएल की बगराना डिपो की लो-फ्लोर बसों का संचालन संभालने वाली निजी फर्म पारस ट्रेवल्स के ड्राइवर मंगलवार को अचानक हड़ताल पर चले गए। लो फ्लोर बसों के ड्राइवर्स हड़ताल पर जाने से मंगलवार सुबह परिवहन पूरी तरह से गड़बड़ा गया। इसके कारण शहर की 100 लो-फ्लोर बसें सड़क पर नहीं उतरीं, जिससे ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों, स्कूल-कॉलेज स्टूडेंट्स, मरीजों और आम पैसेंजर्स को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान बगराना डिपो के बाहर ड्राइवरों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि पारस ट्रेवल्स फर्म लगातार श्रम कानूनों का उल्लंघन कर रही है।

- बस चालकों का आरोप है कि बगराना डिपो का काम संभालने वाली निजी फर्म पारस ट्रैवल्स लगातार श्रम कानूनों का उल्लंघन कर रही है।

जेसीटीसीएल के चालकों का आरोप है कि उन्हें मेंटेनेंस के बिना खराब बसें चलाने को मजबूर किया जाता है। पारस कंपनी के मालिक और पूर्व ओएसडी वीरेन्द्र वर्मा को घूस देते हुए एसीबी ने गिरफ्तार किया था। लेकिन इसके बाद भी कंपनी पर कोई कड़ा एक्शन नहीं लिया गया। ऐसे में इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। ड्राइवरों ने कहा कि प्रशासन जब तक हमारी 5 सूत्री मांगों को पूरा नहीं करता है। हमारी हड़ताल जारी रहेगी

लो फ्लोर बस के चालकों के हड़ताल पर जाने के बाद बरगराना डिपो की 100 लो-फ्लोर का चक्का जाम हो गया। चालकों के हड़ताल की सूचना मिलने के बाद प्रशासन और जेसीटीसीएल अधिकारी ड्राइवरों से बातचीत कर समझाइश का प्रयास किया। लेकिन वार्ता विफल रही। वहीं टोडी डिपो की बसों का संचालन जारी रहा। टोडी डिपो से बसों के संचालन की जिम्मेदारी दूसरी फर्म के पास है।

दिल्ली में सरकारी व निजी प्रतिष्ठानों में ''वर्क फ्रॉम होम'' लागू

बढ़ते प्रदूषण के कारण केन्द्र सरकार ने 50 प्रतिशत कर्मचारियों को घर से काम करने के आदेश दिये

नयी दिल्ली, 24 नवंबर। दिल्ली में बढ़ ते प्रदूषण के मद्देनजर सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब दिल्ली सरकार के सभी सरकारी एवं निजी प्रतिष्ठानों में 50 प्रतिशत कर्मचारी घर से काम करेंगे।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों के अंतर्गत यह निर्णय लिया गया है। यह निर्देश पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा पांच के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी में संचालित सभी दिल्ली सरकार के कार्यालयों एवं निजी प्रतिष्ठानों के लिए जारी किया गया।

- इस आदेश से आवश्यक सेवाओं को छूट दी गयी है। जिसमें अस्पताल, फायर ब्रिगेड, सार्वजनिक परिवहन, बिजली, पानी, आपदा प्रबंधन आदि शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सोमवार शाम दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 382 अंक दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले रविवार को यह 391 अंक था। आदेश में आवश्यक सेवाओं को छूट प्रदान की गयी है, जिनमें अस्पताल, अन्य सार्वजनिक एवं निजी स्वास्थ्य प्रतिष्ठान, अग्निशमन सेवाएं, सार्वजनिक परिवहन, बिजली, पानी, स्वच्छता और संबंधित नगरपालिका सेवाएं, आपदा प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण समेत, आवश्यक सेवाएं शामिल हैं।

पाकिस्तान के हवाई हमले में 10 अफ़गानी मारे गये

काबुल, 25 नवंबर। अफ़गानिस्तान के पूर्वी इलाके में पाकिस्तानी वायु सेना की बमबारी में दस अफ़गानी नागरिक मारे गये और चार अन्य घायल हो गये।

अफ़गान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान ने सोमवार आधी रात को खोस्त प्रांत के गुरबुज़ ज़िले में बमबारी की । इसमें पांच बच्चों, चार बच्चियों और एक महिला की मौत हो गयी।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी वायु सेना ने सोमवार रात कुनार और पक्तिका प्रांतों पर भी हवाई हमले किये, जिनमें चार नागरिक घायल हो गए। हाल ही में पाकिस्तानी और अफ़गान सेनाओं के बीच सीमा पर झड़पें हुई थीं।

कांग्रेस का संगठन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस से निकाला भी जा चुका है। इसके बावजूद, पीसीसी अध्यक्ष ने उन्हें ज़िला अध्यक्ष बना दिया, यह कहते हुए कि इससे कांग्रेस को नया जीवन मिल सकेगा। हनुमानगढ़ के ज़िला अध्यक्ष मनीष मक्कासर, जिन्हें फिर से नियुक्त किया गया है, पहले आप पार्टी के पदाधिकारी रह चुके हैं और वामपंथी विचारधारा से जुड़े माने जाते हैं। नीम का थाना में जी. एन. घसिया, जो सिर्फ एक साल पहले सरकारी नौकरी से रिटायर हुए हैं, उन्हें ज़िला अध्यक्ष बनाया गया है। दौसा में रामजीलाल औरद पिछले 15 साल से ज़िला अध्यक्ष हैं और उन्हें फिर से उसी पद पर नियुक्त कर दिया गया है। नया खून और ताज़ा सोच का वादा कहाँ गया। डीडवाना के ज़िला अध्यक्ष ज़ाकिर हुसैन पिछले 8 साल से उसी पद पर हैं और उन्हें भी दोबारा नियुक्त कर दिया गया है। अलवर में नए ज़िला अध्यक्ष को पार्टी कार्यकर्ता पहचानते भी नहीं हैं और वह एक पार्टी नेता के बेटे हैं। खैरथल के ज़िला अध्यक्ष के तौर पर भी अलवर के ही निवासी को नियुक्त किया गया है। जोधपुर ज़िले में महिला कोटे को डेली कोटे में एडजस्ट कर दिया गया, जिसे दलितों और उनके प्रतिनिधित्व के मामले में गलत कहा जा रहा है। ऐसे और भी कई उदाहरण सामने आ रहे हैं, जिनसे साफ़ दिखता है कि पूरी प्रक्रिया का मज़ाक बनाया गया है। यह सब राजस्थान के वरिष्ठ नेताओं की मिलीभगत का नतीजा है, ताकि अपने समर्थकों को पद दिला सकें और नए लोगों को आगे न आने दें।

कांग्रेस बिहार में करारी हार की समीक्षा 27 को करेगी

प्रदेश अध्यक्ष, सांसद, प्रभारी तथा सभी कांग्रेस प्रत्याशियों को दिल्ली बुलाया गया

नयी दिल्ली ,25 नवंबर। कांग्रेस को बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद, पटना से लेकर दिल्ली तक पार्टी में सरगर्मी तेज हो गयी है।

इस चुनाव में हार के कारणों की समीक्षा के लिये कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली में बैठक बुलायी है। सूत्रों के अनुसार, 27 नवंबर को कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में दोपहर तीन बजे बैठक बुलायी गयी है। इस बैठक में पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, विधायक दल के पूर्व नेता,राज्य से पार्टी के सांसद, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव तथा सभी कांग्रेस प्रत्याशियों को बुलाया गया है।

बैठक में हार की समीक्षा के साथ-साथ राज्य में पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिये आगे की रणनीति पर भी चर्चा होगी। विधानसभा चुनाव में पार्टी को हुए नुकसान को लेकर मंगलवार को नाराज़ नेताओं का एक गुट दिल्ली पहुंचा, जिसने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करने का वक्त मांगा । नाराज नेताओं का गुट हार की ज़िम्मेदारी तय करने की मांग कर रहा है।

- मंगलवार को बिहार के नाराज़ नेताओं का एक गुट दिल्ली पहुंचा। यह गुट राहुल गांधी और खड़गे से मिलने का प्रयास कर रहा है।

गौरतलब है कि कांग्रेस नेतृत्व ने बिहार चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों, भ्रामक बयानबाजी और संगठनात्मक निर्णयों की अवहेलना के लिए छह से ज्यादा नेताओं को छह वर्ष के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया है। बिहार महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने पहले ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

'एक कदम गांधी के साथ' यात्रा 1000 किमी चल के राजघाट पहुंची

नयी दिल्ली, 25 नवंबर। राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की जयंती दो अक्टूबर को वाराणसी से शुरू हुई ''एक कदम गांधी के साथ'' यात्रा मंगलवार को राजधानी दिल्ली पहुँच गयी।

सर्व सेवा संघ वाराणसी से यहां राजघाट तक एक हजार किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में गांधीवादी शामिल हैं। इस पदयात्रा का उद्देश्य जनता को नफ़रत और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमलों के प्रति और शांति, न्याय, समानता तथा संवैधानिक मर्यादा के मूल्यों की रक्षा के लिए जागरूक करना है। पदयात्रा में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी भी मंगलवार को दिल्ली में शामिल हुए। उन्होंने मोदी सरकार पर महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू तथा स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को कमजोर करने का आरोप लगाया। संविधान दिवस 26 नवंबर की पूर्व संध्या पर चौधरी ने पदयात्रियों के साथ भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया और संवैधानिक मूल्यों, एकता, सद्भाव और न्याय की रक्षा के प्रति संकल्प दोहराया।

अभिनेता सिद्धांत कपूर से एंटी नारकोटिक्स पुलिस ने पूछताछ की

उनसे 252 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ मामले में मुंबई पुलिस पूछताछ कर रही है

मुंबई, 25 नवंबर। मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने मंगलवार को अभिनेता सिद्धांत कपूर से 252 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ मामले में पूछताछ की।

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर पर आधारित एक फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले सिद्धांत कपूर को तब समन भेजा गया जब कथित मादक पदार्थ आपूर्तिकर्ता मोहम्मद सलीम शेख उर्फ लवीश से पूछताछ के दौरान उनका नाम सामने आया। लवीश को हाल ही में दुबई से भारत प्रत्यर्पित किया गया था।

एक अधिकारी ने कहा, ''हमने सिद्धांत को समन भेजा था, जिसके बाद वह मंगलवार सुबह हमारे सामने पेश हुए। हमने उनसे पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया है। उन्हें इस शर्त पर घर जाने दिया गया है कि जरूरत पड़ने पर वह उपलब्ध रहेंगे।'' पुलिस ने शेख के बताये गये लोगों को समन भेजा है ताकि उसके दावों की पुष्टि की जा सके और यह पता चल सके कि उनका ड्रग नेटवर्क से कोई संबंध है या नहीं।

- पुलिस ने कहा है कि अभी केवल पूछताछ की जा रही है, कोई औपचारिक आरोप नहीं है।

मामले की जांच कर रहे अधिकारी ने बताया कि कपूर को पूछताछ और सत्यापन के लिए बुलाया था, और उनके खिलाफ अभी तक कोई औपचारिक आरोप नहीं है। सिद्धांत के अलावा, इस मामले में अभिनेत्री नोरा फतेही और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रमणि, जिन्हें लोकप्रिय रूप से ओरी के नाम से जाना जाता है,सहित कई अन्य लोगों के नाम सामने आए थे।

पुलिस ने इससे पहले ओरी को समन भेजा था, लेकिन उनके वकील ने बताया था कि वह शहर से बाहर हैं। ओरी को अब बुधवार सुबह पुलिस के सामने अपना बयान दर्ज कराने के लिए पेश होना है।

मौसम विभाग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पड़ने की संभावना नहीं है। भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक एम. मोहापात्रा ने कहा, राख की परत ऊपरी स्तर पर है, इसका सतह पर असर सीमित रहेगा। आसमान थोड़ा धुंधला और बादलों से भरा दिखेगा और तापमान में हल्का इजाफा हो सकता है।

ज्वालामुखी की राख गुजरात और राजस्थान होते हुए दिल्ली-एनसीआर और पंजाब तक पहुंची और फिर आगे पूर्व दिशा में चीन की ओर बढ़ गई।

दिल्ली-एनसीआर के ए.क्यू.आई. पर इसका असर पड़े या न पड़े, लेकिन हवाई सेवाओं में बाधाएं जरूर आ सकती हैं। राख के बादल की दिशा को देखते हुए कुछ एयरलाइनों ने उड़ानों का समय बदल दिया है या उन्हें रद्द कर दिया है। खबर है कि इंडिगो ने छह उड़ानें रद्द की हैं।

'अगर एक भी मुसलमान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहा है। मुस्लिम वोटों पर उनकी पकड़ ढीली, बल्कि समाप्त होती दिखाई दे रही है, और इससे वे सत्ता से पक्के तौर पर बाहर हो जाएंगी।

तथापि, बंगाल में एस. आई. आर. का काम काफी आगे बढ़ चुका है और अब इसके रुकने की कोई सूरत नजर नहीं आ रही है। ममता बनर्जी इस स्थिति से बेचैन हैं और दबाव महसूस कर रही हैं।

उनके लिए अब हालात इतने खराब हैं कि वो कह रही हैं, ''मुझे बांग्लादेश से प्यार है।'' उन्हें यह एहसास ही नहीं है कि बांग्लादेश में उनके लिए कोई खास प्रेम नहीं है। बहुत से अवैध आप्रवासी, जो वर्षों से यहां रह रहे थे, डर गये हैं और बड़ी संख्या में बांग्लादेश लौटने लगे हैं।

अब ममता बनर्जी बंगाली भाषा के प्रति तथाकथित प्यार जताकर बंगाली भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रही हैं। वे कह रही हैं कि बांग्लादेश के प्रति उनका प्यार भाषा की समानता की वजह से है। वे भावनाओं का राजनीतिक उपयोग करने में माहिर हैं, लेकिन इस बार उनकी यह रणनीति कारगर होगी, इसकी संभावना कम ही है।

राज्य में हालात बहुत खराब हो चुके हैं और शासन की विफलता साफ दिखाई देती है। राज्य में बेरोजगारी चरम पर है और युवाओं को काम की तलाश में दूसरे राज्यों में जाना पड़ रहा है, भले ही उन्हें बहुत खराब हालात में बहुत कम पैसे मिलें।

राज्य के बड़े हिस्से की युवा आबादी सरकार द्वारा दी जाने वाली छोटी-मोटी आर्थिक सहायता पर निर्भर है, और वह भी अब कम होती जा रही है। महिलाओं को लक्ष्मी भंडार योजना के तहत लुभाया गया था, लेकिन कई बार यह लाभ बंद हो गया है और महिलाओं को हर महीने 500 रुपये जैसी छोटी राशि भी नहीं मिल पायी है।

शिक्षकों की नियुक्ति में हुए घोटालों ने बड़ी आबादी को उनसे दूर कर दिया है, और बुद्धिजीवी वर्ग भी उनसे नाराज़ हैं, क्योंकि वे एक सरकारी अस्पताल में एक युवा महिला डॉक्टर की हत्या के दोषियों को सजा से बचाने की साफ कोशिश करती दिख रही हैं।

लेकिन राज्य की समस्या यह है कि विपक्ष उनके राजनीतिक कौशल का मुकाबला नहीं कर पा रहा है। मुख्य विपक्षी दल भाजपा अपने संगठन को मजबूत बनाने में और मतदाताओं को अपने साथ लेने असफल रहा है। पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष के समय जो ढांचा बना था, वह भी अब बिखरता दिख रहा है। वर्तमान अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य समर्पित कार्यकर्ता हैं, लेकिन उनमें मजबूत जमीन तैयार करने की वह क्षमता नहीं दिख रही। वे अच्छी बातें करते हैं, लेकिन दफ्तर से बाहर नहीं निकलते, और लोगों का भरोसा बढ़ाने के लिए भविष्य में आने वाली भाजपा की ताकत का मैसेज फैला रहे हैं।

इसके अलावा, हैरानी की बात है कि भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व भी ममता के प्रति नरमी दिखा रहा है और ममता बनर्जी को, उनके कमजोर मौकों पर भी चुनौती देने में पीछे हट जाता है। कुल मिलाकर, राज्य और गहरे संकट में फंसता जा रहा है, शासन पूरी तरह कमजोर पड़ चुका है और मुख्यमंत्री खुली सांप्रदायिक राजनीति कर रही हैं।

'आईटी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कर मामले में आरोप पत्र पेश किया है। जबकि पॉक्सो कानून के तहत जिन प्रकरणों में पॉक्सो के साथ ही आईटी एक्ट का अपराध होता है, तो उस मामले की जांच पुलिस निरीक्षक स्तर से निचले स्तर का अधिकारी नहीं कर सकता। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में डीजीपी को तलब कर इस संबंध में जवाब देने को कहा है।

भाजपा महाराष्ट्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी वाय विजयेन्द्र ने सोमवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष से मुलाकात कर राज्य की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान बढ़ने की स्थिति में भाजपा अपने लिए अवसर खोज रही है। बीजेपी के अंदरूनी सूत्रों ने जोर देकर कहा है कि पिछले कुछ महीनों में शिवकुमार ने कई बार अमित शाह सहित, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से अनौपचारिक मुलाकातें की हैं। हालांकि कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा यह इशारा दे रही है कि अगर शिव कुमार बगावत करते हैं तथा कांग्रेस विधायक दल को तोड़कर सरकार बनाने की कोशिश करते हैं तो भाजपा उन्हें बाहर से समर्थन दे सकती है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के करीबी एक नेता ने इस बात का खंडन किया कि खड़गे को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है, क्योंकि वे कर्नाटक के रहने वाले हैं तथा 35 साल तक राज्य में विधायक एवं मंत्री रहे हैं। 224 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा और उसके सहयोगियों के पास 82 सीटें हैं, जो बहुमत के आंकड़े से काफी कम हैं, तथा कांग्रेस के पास 142 सीटें हैं। इसके बावजूद, बताया जाता है कि भाजपा के रणनीतिकार कर्नाटक में महाराष्ट्र जैसे ऑपरेशन की संभावना देख रहे हैं, जिसके अन्तर्गत, 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद, भाजपा ने टूटे हुए गुट को समर्थन देकर सरकार बनाई थी।

दूसरी ओर, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सिद्धारमैया सरकार पूरी तरह स्थिर है। राहुल गांधी के करीबी एक वरिष्ठ सहयोगी ने कहा कि शिवकुमार को साफ बता दिया गया है कि उन्हें इंतजार करना होगा, क्योंकि केन्द्रीय नेतृत्व इस समय संसद के शीतकालीन सत्र की तैयारियों में व्यस्त है और इस मुद्दे पर अगले साल की शुरुआत में विचार किया जाएगा। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि आधिकारिक तौर पर इनकार करने के बावजूद, दोनों दल चुपचाप बड़े दांव की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि कर्नाटक एक संवेदनशील राजनीतिक दौर में प्रवेश कर रहा है।

बयान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और अभियोजन पक्ष सहित, आरोपी के हितों के भी विपरीत है। ऐसे में मामलों की सुनवाई तेज गति से होनी चाहिए।

यूपीएससी के सौ साल पूरे होने का समारोह 26 से

नयी दिल्ली 25 नवंबर। केंद्र सरकार की प्रमुख संवैधानिक संस्था संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 26-27 नवंबर को दो दिवसीय शताब्दी सम्मेलन का आयोजन करेगी।

यूपीएससी के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे जबकि केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे।

- दो दिवसीय समारोह के मुख्य अतिथी लोकसभा अध्यक्ष होंगे।

सम्मेलन के तहत 26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर चिंतन शीर्षक से एक विशेष सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें देश में लोक सेवा आयोगों की संवैधानिक विरासत और उनकी भूमिका पर विमर्श किया जाएगा।

बिहार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूसरा अनुपूरक बजट भी सदन में पेश करेगी।

राज्यपाल को उनके अभिभाषण के लिये धन्यवाद प्रस्ताव पर चार दिसंबर को चर्चा होगी और इसके बाद सरकार इसका उत्तर देगी।

इस बहस के बाद 5 दिसंबर को दूसरा अनुपूरक बजट पारित किया जायेगा और इसके साथ ही संबंधित विनियोग विधेयक को भी सदन की मंजूरी मिलेगी।

गलत कारावास पीड़ितों को क्या मुआवजा दिया जाये?

नयी दिल्ली, 25 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने गलत कारावास पीड़ितों को मुआवजा दिये जाने संबंधी अनुरोध को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर केन्द्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है ।इसमें गलत कारावास के कारण सलाखों के पीछे रहे लोगों को बरी किए जाने के बाद उनके लिए मुआवज़े और पुनर्वास की एक व्यापक राष्ट्रीय रूपरेखा बनाने की मांग की गयी है। जवाहरलाल शर्मा की ओर से दायर इस याचिका में एक विशेषज्ञ समिति के गठन की मांग की गयी है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों को संक्षेप में सुना।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908